हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● गुरुवार ● 09.04.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 252 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

सारधा चिटफंड प्रमुख 13 वर्ष बाद निकलेंगे जेल से बाहर

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित सारधा चिटफंड घोटाले के मुख्य आरोपित सुदीप्त सेन को सभी लंबित मामलों में जमानत मिल गई है और लगभग 12 वर्ष और 11 माह जेल में रहने के बाद उनकी रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। फिलहाल वह कोलकाता के प्रेसिडेंसी जेल में बंद हैं और संभावना है कि वह गुरुवार को रिहा हो सकते हैं। कलकत्ता उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति राजर्षि भारद्वाज की खंडपीठ ने बुधवार को राज्य पुलिस के अधीन दो मामलों में भी उन्हें जमानत दे दी। इसके साथ ही उनके जेल से बाहर आने में कोई कानूनी बाधा नहीं रह गई है। हालांकि, अदालत ने जमानत के साथ कुछ शर्तें भी लगाई हैं।

प्रधानमंत्री 21 अप्रैल को पचपदरा में रिफाइनरी का करेंगे लोकार्पण

जयपुर : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 अप्रैल को बालोतरा के पचपदरा में रिफाइनरी का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्स हैंडल पर जानकारी देते हुए लिखा कि यह गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री मोदी आगामी 21 अप्रैल को पचपदरा रिफाइनरी के लोकार्पण के लिए राजस्थान पधार रहे हैं। शर्मा ने लिखा कि यह रिफाइनरी मारवाड़ सहित पूरे राजस्थान के आर्थिक कायाकल्प और युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलने वाली 'भाग्यरेखा' सिद्ध होगी। राजस्थान की समस्त जनता की ओर से प्रधानमंत्री का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है।

कोलकाता में मर्लिन ग्रुप पर ईडी की छापेमारी

कोलकाता : कोलकाता की रियल एस्टेट कंपनी मर्लिन ग्रुप और उसके प्रमोटरों के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन जांच के सिलसिले में बुधवार को छापेमारी की। अधिकारियों के अनुसार, कंपनी और उसके प्रमोटर सुशील मोहता तथा साकेत मोहता से जुड़े लगभग सात ठिकानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत तलाशी अभियान चलाया गया। वहीं, इस कार्रवाई को लेकर कंपनी की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

खड़गे के खिलाफ चुनाव आयोग से की शिकायत

नयी दिल्ली : असम विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को भारत निर्वाचन आयोग से मुलाकात शिकायत दर्ज कराई है। सात पन्नों की शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राज्य सभा में नेता प्रतिपक्ष ने चुनावी रैली में धार्मिक और राजनीतिक तनाव भड़काने वाले बयान दिए।

खुशखबरी : महायुद्ध पर लगा 'अल्प-विराम'

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को लेकर अगले 2 सप्ताह के लिए सीजफायर पर बनी सहमति, इस्लामाबाद में होगी शांति वार्ता

एजेंसी

वाशिंगटन/तेहरान : दुनिया पर मंडरा रहे एक बड़े युद्ध के बादल फिलहाल छंटते नजर आ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दी गई समय सीमा (डेडलाइन) खत्म होने से महज दो घंटे पहले अमेरिका और ईरान दो सप्ताह के संघर्ष विराम (सीजफायर) पर सहमत हो गए हैं। इस समझौते में पाकिस्तान और चीन ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर का स्वागत करते हुए कहा कि ईरान भी अब लड़ाई से थक चुका है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगले 15 दिनों की बातचीत ही भविष्य तय करेगी।

दूसरी ओर, इजराइल ने इस समझौते को लेबनान मोर्चे से अलग रखा है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि यह सीजफायर लेबनान पर लागू नहीं होता। बुधवार को भी इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान के टायर शहर और आसपास के इलाकों में हमले जारी रखे, जिसमें चार लोगों की मौत की खबर है।

भले ही संघर्ष विराम की घोषणा हुई है, लेकिन सऊदी अरब, कतर और बहरीन से अभी भी मिसाइल हमलों और इंटरसेप्शन की खबरें आ रही हैं। कतर में मलबे की चपेट में आने से चार लोग घायल हुए हैं, वहीं सऊदी अरब ने पांच बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराने का दावा किया है।

ईरानी पक्ष

चर्चा है कि संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर कलीबाफ नेतृत्व करेंगे (आधिकारिक पुष्टि शेष)।

अमेरिकी पक्ष

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

पाकिस्तान की मध्यस्थता और इस्लामाबाद वार्ता

यह कूटनीतिक सफलता पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के प्रयासों के बाद मिली है। शांति वार्ता का अगला दौर 10 अप्रैल को इस्लामाबाद में प्रस्तावित है।

होर्मुज जलडमरूमध्य से हटेगी पाबंदी

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने पुष्टि की है कि अगले दो हफ्तों तक होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों को गुजरने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, इसका प्रबंधन ईरानी सेना के हाथ में ही रहेगा। इस फैसले से वैश्विक स्तर पर गहरा रहे तेल और गैस संकट के कम होने की उम्मीद है।

ईरान का 10 सूत्री प्रस्ताव

- अमेरिका को सैद्धांतिक रूप से आक्रमण न करने की गारंटी देने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए।
- होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का निरंतर नियंत्रण बना रहे।
- ईरान के यूरेनियम संवर्धन के अधिकार को स्वीकार किया जाना चाहिए।
- सभी प्राथमिक प्रतिबंधों को हटाया जाए।
- सभी द्वितीयक प्रतिबंधों को हटाया जाए।
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सभी प्रस्तावों को समाप्त किया जाए।
- अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सभी प्रस्तावों को समाप्त किया जाए।
- ईरान को पहुंचाए गए नुकसान के लिए मुआवजे का भुगतान किया जाए।
- इस क्षेत्र से अमेरिकी लड़ाकू बलों की वापसी हो।
- लेबनान समेत सभी मोर्चों पर युद्ध की समाप्ति हो।

सीजफायर पर भारत की पहली प्रतिक्रिया 'ईरान में जंग रुकने का स्वागत'

अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच दो हफ्ते के युद्धविराम के एलान से कूटनीतिक हल का निकलने का रास्ता नजर आने लगा है। इस युद्धविराम पर भारत की ओर से भी प्रतिक्रिया सामने आई है। भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में इस युद्धविराम का स्वागत किया गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा, हम इस युद्धविराम का स्वागत करते हैं और आशा करते हैं कि इससे पश्चिम एशिया में स्थायी शांति स्थापित होगी। जैसा कि हमने पहले भी कई बार कहा है, मौजूदा संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करने के लिए तनाव कम करना, संवाद और कूटनीति आवश्यक हैं।"

युद्ध में ईरान की मदद करने वालों की आई शामत अमेरिका ने तत्काल प्रभाव से लगाया 50% टैरिफ

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ा एलान किया है। ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि जो भी देश ईरान को सैन्य हथियार या युद्ध सामग्री सप्लाई करेगा, उसे भारी आर्थिक नुकसान झेलना होगा। ट्रंप ने घोषणा की है कि ऐसे देशों से अमेरिका आने वाले हर सामान पर तुरंत प्रभाव से 50 फीसदी का आयात शुल्क, यानी की टैरिफ लगा दिया गया है। राष्ट्रपति ने साफ-साफ कहा कि इस फैसले में किसी भी देश को कोई छूट या रियायत नहीं दी जाएगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा कि ईरान में 'सत्ता परिवर्तन' हो चुका है। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था के तहत अब ईरान में यूरेनियम का संवर्धन पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि हम ईरान के साथ मिलकर काम करेंगे और वहां जमीन के नीचे दबे हुए परमाणु मलबे को बाहर निकालकर नष्ट करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि ईरान के इन संवेदनशील ठिकानों पर अमेरिकी 'स्पेस फोर्स' के जरिए उपग्रह से पैनी नजर रखी जा रही है। उन्होंने दावा किया कि पिछले हमलों के बाद से उन ठिकानों पर किसी भी चीज को छुआ तक नहीं गया है।

युद्ध विराम बेअसर? ईरान के लावन द्वीप में तेल रिफाइनरी पर हमला, तेहरान ने भी कुवैत में किए ड्रोन अटैक

युद्ध विराम की घोषणा के कुछ घंटों बाद ही ईरान के लावन द्वीप पर स्थित तेल रिफाइनरी पर हमला हुआ है। एसोसिएटेड प्रेस ने ईरानी सरकारी टेलीविजन के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में बताया गया, दमकलकर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, कोई घायल नहीं हुआ। लेकिन यह नहीं बताया गया है कि हमला किसकी ओर से किया गया है। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने भी कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ईरान की ओर से आ रही मिसाइलों के जवाब में गोलीबारी कर रही है। युद्ध विराम के बाके बावजूद ईरान ने भी कुवैत में ड्रोन हमला किया। हमले में तेल और बिजली से जुड़े अहम ठिकानों को निशाना बनाया गया। कुवैत के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल सऊद अब्दुलअजीज अल-ओतैबी ने बताया कि सुबह पांच बजे के बाद से 28 ईरानी ड्रोन मार गिराए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह दुश्मन की ओर से किया गया बड़ा और खौफनाक हमला था। बड़ी संख्या में ड्रोन भेजे गए थे, जिन्हें वायु रक्षा प्रणाली ने रोक लिया।

दिवंगत जेएन सिंह के श्राद्ध कर्म में शामिल हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

राँची : मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन और गांडेय विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन राज्य सरकार के सेवानिवृत्त अधिकारी दिवंगत जे.एन. सिंह के संस्कार भोज (श्राद्ध कर्म) में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री और विधायक पिस्का मोड़ (शारदा बैट्री गली) स्थित उनके पैतृक आवास पहुँचे और शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात की।

आवास पर पहुँचकर मुख्यमंत्री ने दिवंगत सिंह के पुत्र श्री विनोद कुमार सिंह और परिवार के अन्य सदस्यों से भेंट की। उन्होंने शोक में डूबे परिवार को सांत्वना दी और ढाढ़स बंधाया। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें। इस दौरान क्षेत्र के कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

असम, केरल और पुडुचेरी में मतदान आज, तैयारी पूरी

एजेंसी

नयी दिल्ली : देश के तीन महत्वपूर्ण हिस्सों-असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए कल, 09 अप्रैल (गुरुवार) को मतदान होगा। चुनाव आयोग ने शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के लिए अपनी सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इन क्षेत्रों की कुल 296 सीटों पर उम्मीदवारों की किस्मत कल ईवीएम में बंद हो जाएगी।

राज्यों का चुनावी समीकरण

असम (126 सीटें): यहाँ 722 उम्मीदवार मैदान में हैं। राज्य के 2.5 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें 5.75 लाख युवा मतदाता पहली बार वोट डालेंगे।

केरल (140 सीटें): यहाँ 890 उम्मीदवारों के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है। कुल 2.71 करोड़ मतदाता सरकार चुनने के लिए मतदान करेंगे।

पुडुचेरी (30 सीटें): इस केंद्र शासित प्रदेश में 294 प्रत्याशी चुनावी रण में हैं। यहाँ महिला मतदाताओं की संख्या (5 लाख) पुरुषों (4.43 लाख) से अधिक है।

सुरक्षा और तकनीक पर विशेष जोर

प्रशासन ने मतदान को पारदर्शी बनाने के लिए आधुनिक तकनीक और भारी सुरक्षा बल का सहारा लिया है, जिसके अंतर्गत असम के सभी 31,490 पोलिंग स्टेशनों की लाइव वेबकास्टिंग की जाएगी, जिसकी निगरानी सीधे चुनाव आयोग के दफ्तर से होगी। संवेदनशील केंद्रों पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और सीआरपीएफ के जवानों की तैनाती की गई है। 85 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों और दिव्यांगों के लिए घर से ही 'पोस्टल बैलट' के जरिए वोट डालने की वैकल्पिक सुविधा दी गई है।

खरगे ने गुजरात वाले बयान पर जताया खेद

एजेंसी

नयी दिल्ली : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हाल ही में गुजरात के लोगों पर दिए अपने बयान पर विवाद बढ़ने के बाद खेद जताया है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। उनका उद्देश्य कभी भी गुजरात के लोगों की भावनाओं को आहत करने का नहीं था।

खरगे ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा

कि कुछ समय पहले केरल में दिए उनके बयान की कुछ टिप्पणियों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद वह जिम्मेदारी के साथ खेद व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि उनके मन में गुजरात के लोगों के लिए हमेशा सर्वोच्च सम्मान रहा है।

खरीफ फसलों के लिए 'पीएंडके' उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी को मंजूरी

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार ने देश में इस साल की खरीफ की फसल (एक अप्रैल से 30 सितंबर) के लिए फॉस्फेटिक और पोटाशिक (पीएंडके) उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) को मंजूरी दे दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में उर्वरक विभाग के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। इस साल की खरीफ फसलों के लिए अनुमानित बजट लगभग 41,533.81 करोड़ रुपये है, जो पिछले साल की खरीफ की फसलों की तुलना में करीब 4,317 करोड़ रुपये अधिक है। पिछले वर्ष खरीफ 2025 के लिए बजट 37,216.15 करोड़ रुपये था।

केंद्र ने कहा कि इस निर्णय से किसानों को डीएपी और एनपीकेएस ग्रेड सहित 'पीएंडके' उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी और उन्हें सब्सिडी दरों पर किफायती मूल्य पर उर्वरक मिलेंगे।

केंद्र ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में उर्वरकों हालिया कीमतों को ध्यान में रखते हुए सब्सिडी दरों को मंजूरी दी गई है। वर्तमान में सरकार 28 ग्रेड के 'पीएंडके' उर्वरक, जिनमें डीएपी भी शामिल है, किसानों को सब्सिडी दरों पर दी जा रही है।

हिमंत बिस्व सरमा पहुंचे बाबा नगरी बाबा बैद्यनाथ का किया दर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

देवघर : असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा बुधवार को बाबा नगरी देवघर पहुंचे, जहां उन्होंने विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया। देवघर आगमन के दौरान उनके साथ गोड्डा के सांसद डॉ. निशिकांत दुबे भी मौजूद रहे। देवघर एयरपोर्ट पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर झारखंड के पूर्व कृषि मंत्री रणधीर सिंह ने मुख्यमंत्री का पारंपरिक तरीके से अभिनंदन किया। स्वागत के बाद उनका काफिला शहर की ओर रवाना हुआ। शहर प्रवेश के बाद मुख्यमंत्री सबसे पहले अनुकूलचंद्र ठाकुर सत्संग आश्रम पहुंचे,जहां उन्होंने ठाकुर जी का आशीर्वाद लिया। यहां सांसद निशिकांत दुबे पहले से उपस्थित होकर उनका स्वागत किया।

इसके बाद मुख्यमंत्री का काफिला बाबा बैद्यनाथ मंदिर पहुंचा। मंदिर परिसर में पहुंचने पर नियमानुसार उनके हाथ धुलवाए गए, जिसके बाद वे गर्भगृह में प्रवेश कर देवाधिदेव महादेव की विधिवत पूजा-अर्चना की तथा देश एवं विश्व कल्याण की कामना की।

मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री डॉ डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कोई राजनीतिक टिप्पणी करने से परहेज किया। उन्होंने संक्षिप्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गुरुवार को असम में चुनाव होने हैं और ऐसे समय में कुछ भी कहना उचित नहीं होगा।

भवानीपुर सीट से ममता बनर्जी ने दाखिल किया नामांकन

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को भवानीपुर विधानसभा सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। सुबह लगभग 10:45 बजे वह अपने आवास से पैदल निकलकर अलीपुर स्थित सर्वे भवन पहुंचीं। इस दौरान उनके साथ पार्टी समर्थकों और नेताओं की बड़ी रैली भी मौजूद रही।

नामांकन के समय उनके साथ कोलकाता के मेयर एवं राज्य के मंत्री फिरहाद हाकिम, पार्षद तथा मुख्यमंत्री के भाई स्वप्न बनर्जी, कार्तिक बनर्जी, भाभी कजरी बनर्जी सहित कई नेता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री की रैली को देखते हुए पुलिस ने भीड़ नियंत्रण के लिए सड़क के एक हिस्से को गार्डरेल से घेर दिया था। मुख्यमंत्री की एक झलक पाने के लिए सड़क किनारे बड़ी संख्या में लोग जमा हुए। इस

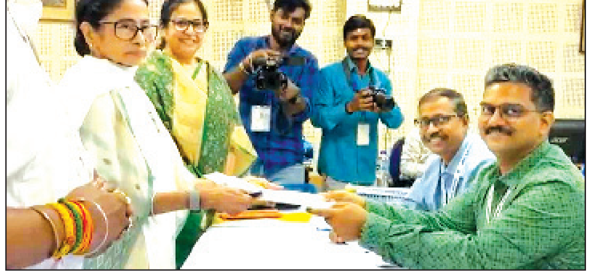

दौरान ममता बनर्जी हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन करती हुई आगे बढ़ीं। रैली में शामिल तृणमूल कार्यकर्ता जय बांग्ला के नारे लगाते नजर आए। वहीं, सड़क किनारे खड़ी महिला कार्यकर्ताओं ने शंख बजाकर और उलुध्वनि कर उनका स्वागत किया।

अलीपुर सर्वे भवन पहुंचकर मुख्यमंत्री ने अपना नामांकन पत्र जमा किया। उनके नामांकन पत्रों की जांच की प्रक्रिया जारी है। भवानीपुर सीट के बहु-सांस्कृतिक स्वरूप को ध्यान में रखते हुए उनके प्रस्तावकों की सूची में विभिन्न धर्मों, भाषाओं और समुदायों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावकों में फिरहाद हकीम की पत्नी इस्मत (रूबी) हकिम, राज्यसभा सांसद और अभिनेत्री कोयल मलिक के पति निसपाल सिंह राणे, वार्ड 71 के तृणमूल ब्लॉक अध्यक्ष बबलू सिंह तथा भवानीपुर एजुकेशन सोसाइटी के मीरज शाह शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि, भवानीपुर विधानसभा सीट पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी चुनावी मैदान में हैं। इसलिए यहां मुकाबला दिलचस्प होगा।

एक नजर

टाटीझरिया पुलिस की बड़ी कार्रवाई दुष्कर्म मामले में आरोपी गिरफ्तार

टाटीझरिया : टाटीझरिया थाना पुलिस ने एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए दुष्कर्म एवं पोक्सो एक्ट से जुड़े मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, टाटीझरिया थाना कांड संख्या 20/26, दिनांक 7 अप्रैल 2026, के तहत धारा 69/351(2)/352 बीएनएस एवं 4/6 पोक्सो एक्ट 2012 के प्रावधानों के अंतर्गत कोल्हू गांव निवासी कुलेश्वर राम (पिता भेखलाल राम) को गिरफ्तार किया गया है। मामले में आरोप है कि अभियुक्त ने एक युवती को शादी का झांसा देकर करीब एक वर्ष तक उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। बाद में जब युवती ने शादी के लिए दबाव बनाया, तो आरोपी ने इंकार कर दिया। इसके बाद पीड़िता के परिजनों ने थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए टाटीझरिया थाना प्रभारी इंद्रजीत कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

अनुज कुमार पांडे के घर पर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

बड़कागांव : बड़कागांव थाना के पुलिस ने बड़कागांव थाना कांड संख्या 203/22, धारा 341, 327, 406, 420 भादवी के प्राथमिकी अभियुक्त अनुज कुमार पांडे पिता भुनेश्वर पांडे ग्राम केमो, थाना केरेडारी निवासी के घर बड़कागांव थाना के पुअनी भगवान सिंह ने पुलिस सशस्त्र बल के सहयोग से ढोल नगाड़ा बजाकर इश्तेहार चिपकाया। वहीं दो साकीन गवाहों के उपस्थिति में केरेडारी बजार में भी इश्तेहार का एक प्रति चिपकाया गया। श्री सिंह ने बताया कि प्राथमिक अभियुक्त अनुज कुमार पांडे लगातार कई वर्षों से फरार है। इसके बाद भी अभियुक्त न्यायालय में उपस्थित नहीं होता है तो न्यायालय के आदेशानुसार कुर्की जप्ती की कार्रवाई की जाएगी।

बच्चों के बीच पोशाक का किया गया वितरण

बड़कागांव : चेपाकलां पंचायत के उत्क्रमित उच्च विद्यालय जुगरा में विद्यार्थियों के बीच पोशाक का वितरण किया गया। वितरण समारोह के मुख्य अतिथि सांसद सह प्रतिनिधि पंसस कृष्णा राम के हाथों बच्चों को पोशाक दिया गया। प्रथम वर्ग के 11 सेट, वर्ग दूसरा के 23 सेट शर्ट, पेंट्स, जूता, मौजा दिया गया। कृष्णा राम ने बच्चों से कहा कि आप लोगों को पोषक पहन कर और साफ सफाई के साथ समय पर विद्यालय आना है, अपनी शिक्षा पर विशेष ध्यान दें। मौके पर प्रभारी प्रधानाध्यापक नागेंद्र प्रसाद, देवकांत शर्मा, सहायक शिक्षक अमृत राणा, बालेश्वर महतो, हरीशचंद्र नाथ गुप्ता, धनश्याम साह, संगीता कश्यप, चंचला देवी, अनीता देवी एवं विद्यार्थियों उपस्थित थे।

सांसद ने किया कटकमसांडी का दौरा, आधा दर्जन गांवों का भ्रमण कर जानी जनसमस्याएं

जनसेवा ही जीवन का ध्येय, जनता के हर सुख-दुःख में साथ : मनीष जायसवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कटकमसांडी : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने बुधवार को सदर विधानसभा क्षेत्र के कटकमसांडी प्रखंड का सघन दौरा किया। जनसेवा ही जीवन का उद्देश्य के संकल्प के साथ निकले सांसद मनीष जायसवाल ने क्षेत्र की पांच पंचायतों के आधा दर्जन से अधिक गांवों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने जहां एक ओर विकास कार्यों और जनसमस्याओं का जायजा लिया, वहीं दूसरी ओर कई शोकाकुल परिवारों से मिलकर उन्हें इस कठिन समय में हिम्मत बंधाई।

सांसद मनीष जायसवाल के दौरे की शुरूआत ग्राम पंचायत डांड से हुई, जहाँ सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले स्व. उमेश यादव के परिजनों से मिलकर उन्होंने अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य के निधन और उनके दो मासूम बच्चों की स्थिति को देख सांसद मनीष जायसवाल भावुक हो उठे। उन्होंने मौके पर मौजूद कटकमसांडी अंचल अधिकारी अनिल कुमार गुप्ता से मृतक के परिवार को मिलने वाले सरकारी लाभों पर विस्तृत चर्चा की और त्वरित सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शोक संवेदनाओं का यह क्रम लुपुंग में भाजपा किसान मोर्चा के मंत्री प्रदीप कुमार मेहता के पिता स्व. बंशी महतो, ग्राम जैलमा में भाजपा नेता अंतू साव के सुपुत्र स्व. अनिल कुमार साव और ग्राम गदोखर के मुखिया नारायण साव के भाई स्व. राम कुमार साव (जिनकी दुःखद हत्या कर दी गई थी) के परिजनों से मिलने तक जारी रहा। सांसद मनीष जायसवाल ने सभी दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। दुख की घड़ी में साथ निभाने के साथ ही सांसद मनीष जायसवाल समाज की खुशियों में भी साझीदार बने। सांसद लहंगा वितरण अभियान के तहत उन्होंने ग्राम डांड, बरगड्डा और गदोखर की 07 बहनों को उनके विवाह से पूर्व लहंगा भेंट किया। उन्होंने बेटियों को शादी की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

विकास और आस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने ग्राम पंचायत बरगड्डा में नवनिर्मित शिव मंदिर का निरीक्षण किया। ग्रामीणों के विशेष आग्रह पर उन्होंने मंदिर के जीर्णोद्धार हेतु गेट और ग्रिल लगवाने का भरोसा दिया। वहीं लुपुंग पंचायत पहुंचने पर भारी बारिश के बावजूद ग्रामीणों का उत्साह कम नहीं हुआ। सांसद मनीष जायसवाल ने कुम्हार टोला में ग्रामीणों के साथ संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और उनके निराकरण का आश्वासन दिया।

मौके पर विशेषरूप से जिला सांसद सह-प्रतिनिधि जीवन मेहता, सदर विधानसभा सांसद प्रतिनिधि किशोरी राणा, पूर्वी मंडल अध्यक्ष प्रकाश कुशवाहा, पश्चिमी मंडल अध्यक्ष कैलाश यादव, सांसद प्रतिनिधि बीरेंद्र कुमार बीरू, प्रेम प्रसाद, जिला महामंत्री रीतलाल यादव, अशोक राणा, दीपक मेहता, महावीर सिंह, बिजुल देवी, नरेश पासवान, दिलीप कुमार रवि, बबलू राणा, मिथलेश सिंह, बिना देवी, प्रदीप मेहता, मथुरी मेहता, अनिल कुशवाहा, अरविंद यादव,सरोज सिंह, लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, लेखराज यादव, शंकर यादव, शिवकुमार यादव, सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

सांसद ने पदमा के दिव्यांग उपेंद्र पांडेय को भेंट की बैटरी चालित ट्राई-साइकिल

हजारीबाग : राजनीति मेरे लिए केवल पद नहीं, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की सेवा का माध्यम है। किसी की शारीरिक अक्षमता को हम पूरी तरह खत्म तो नहीं कर सकते, लेकिन आधुनिक संसाधनों के जरिए उनके जीवन की राह को आसान बनाने का प्रयास जरूर कर सकते हैं। यह भावपूर्ण उद्गार हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने पदमा प्रखंड के ग्राम सरैया निवासी उपेंद्र पांडेय को बैटरी चालित ट्राई-साइकिल भेंट करते हुए व्यक्त किए। सदर विधानसभा के कटकमसांडी प्रखंड के दौरे और कई शोक संतप्त परिवारों को ढांढस बंधाने के बाद सांसद मनीष जायसवाल जैसे ही हजारीबाग स्थित सांसद सेवा कार्यालय लौटे उन्होंने बरही विधानसभा क्षेत्र के पदमा अंतर्गत ग्राम सरैया निवासी उपेंद्र पांडेय की मदद कर मानवता की मिसाल पेश की। श्री पांडेय पिछले कुछ समय से पैरालिसिस (लकवा) के कारण दिव्यांगता का शिकार हो गए थे, जिससे उनका चलना-फिरना पूरी तरह बंद हो गया था। उनकी इस पीड़ा को देखते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने उन्हें बैटरी संचालित ट्राई-साइकिल प्रदान की।

बड़कागांव पूर्वी उरीमारी भाजपा मंडल कमिटी का किया गया विस्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : भाजपा हजारीबाग जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह के द्वारा एवं मंडल अध्यक्ष विजय यादव के सहमति से बड़कागांव पूर्वी उरीमारी मंडल कमिटी का विस्तार किया गया। जिसमें मंडल उपाध्यक्ष सुमन गिरी, मेघन यादव, विनोद महतो, देवंती देवी, महामंत्री भागीरथ ठाकुर, ज्ञानचंद महतो, मंत्री कुंवर महतो, हीरालाल साव, प्रेमलाल महतो, विनीता देवी, कोषाध्यक्ष नारायण महतो, मीडिया प्रभारी विष्णु गुप्ता, युवा मोर्चा सोनू कुमार साव, महिला मोर्चा सेवंती कुमारी, किसान मोर्चा त्रिवेणी महतो, ओबीसी मोर्चा लखन लाल प्रजापति, एससी मोर्चा सुदामा रजक, एसटी मोर्चा चंदन गंझु, अल्पसंख्यक मोर्चा मोहम्मद गुलाम मुस्तफा बनाए गए। मनोनीत सदस्यों को मुख्य रूप से सांसद मनीष जायसवाल, विधायक रोशन लाल चौधरी, लोकनाथ महतो सहित सैकड़ो कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारीयों ने बधाई दिया है।

सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान के तहत कंडाबेर से 54 वां जत्था रवाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

केरेडारी : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के बड़कागांव विधानसभा के केरेडारी मंडल अंतर्गत मां अष्टभुजी की धरा कंडाबेर पंचायत से सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान के तहत श्रद्धालुओं का 54वां जत्था पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर रवाना हुआ। इस क्षण में स्वयं हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए, जहां उन्होंने भारतीय संस्कृति की महान परंपरा का निर्वहन करते हुए बुजुर्ग श्रद्धालुओं यात्रियों के पांव पखारे और उनसे आशीर्वाद लेकर उन्हें मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। सांसद मनीष जायसवाल ने इस दौरान तीर्थ यात्रियों को संबोधित करते हुए इस यात्रा की महत्ता बताई और कहा कि बुजुर्गों की सेवा और उन्हें ईश्वर के द्वार तक पहुंचाकर तीर्थाटन करना ही उनके जीवन का सबसे पुण्य कार्य है।

कंडाबेर पंचायत से रवाना हुए इस 54वें जत्थे में कुल 65 श्रद्धालु शामिल हैं, जो भक्तिभाव से ओत-प्रोत होकर अपनी तीर्थ यात्रा पर निकले हैं। विदाई के समय का दृश्य अत्यंत मनमोहक और भावुक था, जहां ढोल-नगाड़ों और जयकारों के बीच बुजुर्गों के चेहरों पर एक अनूठी मुस्कान और आँखों में आस्था की चमक साफ दिखाई दे रही थी। इस गौरवशाली अवसर पर सांसद प्रतिनिधियों और भाजपा के समर्पित कार्यकर्ताओं का भारी हुजूम उमड़ा।

पीवीएम का 19वां रक्तदान शिविर सह दूसरा वर्कशॉप संपन्न, 8 छात्राओं ने पहली बार किया रक्तदान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : पेलावल विकास मंच का 19वां रक्तदान शिविर बुधवार को के. बी.महिला महाविद्यालय के हॉल न. 1 में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। गौरतलब हो कि इस कॉलेज में दूसरा रक्तदान शिविर एवं पहला रक्तदान जागरूकता हेतु वर्कशॉप का भी आयोजन हुआ। वर्कशॉप में लगभग 120 छात्राओं एवं प्रोफेसर्स भी अपनी उपस्थिति शुरू से अंत तक इस कार्यक्रम में दर्ज कराए।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता के. बी. महिला महाविद्यालय के प्रिंसिपल डॉ. मुकुल कुमार ने की। विशिष्ट अतिथि में जेजे कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. मिथिलेश उपाध्याय थे। विषय प्रवेश जेपीएम हॉस्पिटल संचालक सह पीवीएम संरक्षक डॉ. एके मेहता व एसबीएमसीएच ब्लड बैंक के डॉ. प्रणीत सहाय के द्वारा कराया गया। रक्तदान के लिए जागरूकता हेतु मंच के संरक्षक सह प्रोफेसर डॉ. श्रवण कुमार सहाय, डॉ. प्रमिला कुमारी गुप्ता, डॉ. अल्पना सिंह, डॉ. अर्वंतिका कुमारी, डॉ. निकुंज नीलिमा तथा समाजसेवी सह रक्त वीरांगना रेखा रानी की अहम भूमिका रही। संचालन पीवीएम के संस्थापक एम. हक भारती ने की। शिविर में कुल 11 यूनिट खून संग्रहित किया गया। शिविर का शुभारंभ सुधीर कुमार एवं समापन फरहीन फातिमा ने रक्तदान कर किया।

उल्लेखनीय है कि कॉलेज की 8 बेटियों खुशी कुमारी, अलका रानी, शिफा परवीन, श्रुति कुमारी, रेखा कुमारी, नेहा कुमारी, शर्का बक्श एवं फरहीन फातिमा ने अपनी जिंदगी का पहला रक्तदान कर इंसानियत का ठोस व सटीक परिचय देकर अन्य युवतियों एवं छात्राओं के लिए प्रेरणा का श्रोत बनीं। 3 रक्तदाताओं में प्रोफेसर सह मंच के संरक्षक डॉ. श्रवण कुमार सहाय, सुधीर कुमार एवं सौरव कुमार थे। सभी रक्तवीरांगनाओं एवं रक्तदाताओं को रक्तदान के पश्चात प्रशस्ति पत्र वितरण सामूहिक रूप से किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान सभी छात्राओं में उत्साह तो थी किंतु हीमोग्लोबिन में कमी तथा वजन 45 केजी से कम होने के कारण रक्तदान ना करने पर उनके चेहरे पर मायूसी साफ दिखी। शिविर में एसबीएमसीएच ब्लड बैंक के डॉ. प्रणीत सहाय, मुरली प्रजापति, सुशील कुमार, विवेक कुमार यादव एवं सुमेदना कुमारी का भरपूर सहयोग रहा।

सब्जी बेच रही महिला पर गिरा बिजली का खंभा, दर्दनाक मौत

हजारीबाग : हजारीबाग जिले में तेज आंधी और बारिश ने एक महिला की जान ले ली। मामला विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के बनासो बाजार टांड़ स्थित महामाया मंदिर रोड का है, जहां रवि गुप्ता के घर के बगल में अचानक एक बिजली का खंभा गिर गया। बताया जा रहा है कि महिला बाजार में प्याज बेचने आई थी और उसी दौरान तेज आंधी-बारिश शुरू हो गई। इसी बीच बिजली का खंभा सीधे महिला के ऊपर आ गिरा। जिसके बाद हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने उन्हें अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद इलाके में पर अफरा-तफरी मच गई।

सांसद व विधायक ने चार करोड रुपये की लागत से बनने वाले गार्डवाल निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : शिवाडीह कुशवाहा खेल मैदान के समीप हहारो नदी किनारे गार्डवाल का शीलान्यास सांसद मनीष जायसवाल एवं विधायक रोशन लाल चौधरी के हाथों नारियल फोड़कर किया गया। इस योजना की प्राक्कलन राशि लगभग 4 करोड़ रुपये बताई जा रही है। जिससे क्षेत्र में विकास की नई संभावनाएं खुलेंगी।

इस अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी नशे और मोबाइल की लत में पड़कर अपना भविष्य खराब कर रहे है। उन्होंने युवाओं से खेलकूद की ओर ध्यान देने की अपील करते हुए कहा कि खेल से शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि बड़कागांव के युवा अपनी प्रतिभा से क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। वहीं विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि बड़कागांव के युवा परिश्रमी और प्रतिभावान हैं, जिन्हें सही दिशा और अवसर मिलने पर वे बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं।

ग्रामीणों की मांग पर हजारीबाग संसद द्वारा शिवाडीह होरममोड सड़क निर्माण को शासन स्तर पर आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया। साथ ही कुशवाहा खेल मैदान को स्टेडियम के रूप में विकसित करने की भी घोषणा की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। मुख्य रूप से सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, जिला प्रतिनिधि अजय साहू, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अनिल मिश्रा, सांसद मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी, जिप सदस्य सुनीता देवी, पूर्व प्रमुख टुकेश्वर प्रसाद, सांसद प्रतिनिधि मुखिया रंजीत कुमार, पंसस उपेंद्र कुमार, मंडल अध्यक्ष विजय यादव, शिव शंकर कुमार, महेंद्र महतो, सोहनलाल मेहता, मनीष पांडे, नर्सिंग प्रसाद, भीखन महतो, पारस महतो, भवानी प्रसाद सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

बरही प्रखंड परिसर में नीर चौपाल का आयोजन आज

बरही : प्रखंड क्षेत्र में पेयजल समस्याओं के समाधान को लेकर प्रशासन सक्रिय हो गया है। इसी कड़ी में 9 अप्रैल 2026 को सुबह 11:00 बजे बरही स्थित प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय परिसर में ''नीर चौपाल'' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो द्वारा जारी पत्र के अनुसार, यह कार्यक्रम हजारीबाग उपायुक्त के निर्देश पर आयोजित किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में संभावित ग्रीष्मकालीन जल संकट को ध्यान में रखते हुए आम जनता की पेयजल संबंधी समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करना है। कार्यक्रम में जिला परिषद उपाध्यक्ष, जिला परिषद सदस्य, प्रखंड प्रमुख व उप प्रमुख, सांसद और विधायक प्रतिनिधि, सभी मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य के साथ-साथ प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। बीडीओ जयपाल महतो ने सभी जनप्रतिनिधियों से अपील की है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के लोगों को इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। वहीं, सभी मुखियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने पंचायतों में उपलब्ध पेयजल स्रोतों और पानी के टैंकरों की अद्यतन जानकारी के साथ कार्यक्रम में उपस्थित हों। प्रशासन का मानना है कि ''नीर चौपाल'' के माध्यम से जल संकट से निपटने के लिए एक प्रभावी और मजबूत रणनीति तैयार की जा सकेगी, जिससे आम जनता को राहत मिल सके।

तैयार फसल पर बेमौसम बारिश की मार किसान चिंतित

बरही : बेमौसम बारिश के कारण किसान चिंतित है, तैयार फसल नुकसान के कगार पर नित दिन मौसम खराब होने से गेहूं फसल को ज्यादा नुकसान होने की संभावना किसानों द्वारा जताया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार हजारीबाग जिला में आंधी तूफान के साथ रुक - रुक कर बारिश का अनुमान लगाया गया था। जिसका असर बरही में पिछले कई दिनों से देखने को मिल रहा है। वहीं बेमौसम बारिश केडी कारण किसानों की कमर टूट सी गई है। तेज आंधी तूफान के साथ बारिश होने के कारण गेहूं की फसल को काफी नुकसान हो रहा है। लगातार रुक - रुक कर हो रही बारिश के कारण खेत में तैयार गेहूं की फसल को किसान कटाई नहीं कर पा रहे है। जिससे फसल भींगने से गेहूं की फसल खराब होने का डर किसानों को सता रहा है। किसानों का मानना है कि अगर इससे भी तेज बारिश हुई तो खेत में पानी जमने का डर है, और खेतों में पानी जमने से अत्यधिक फसल का नुकसान होने की संभावना है। किसानों को लागत पूंजी डूबने की चिंता सता रहा है। बता दें कि मौसम विभाग द्वारा राज्य के कई जिलों में आंधी तूफान के साथ बारिश होने की बात कही जा रही है, जिससे क्षेत्र के किसान काफी चिंतित है।

दारू पुलिस ने एक अभियुक्त को भेजा गया न्यायिक हिरासत

दारू : दारू थाना क्षेत्र के सुलतानी निवासी बैजनाथ राम को थाना प्रभारी इकबाल हुसैन ने भरण-पोषण मामला के केस नंबर-205/24 के डिस्ट्रेस वारंटी बैजनाथ रविदास उर्फ बैजनाथ राम, पिता बद्री राम ग्राम सुल्तानी, थाना दारू, जिला हजारीबाग को गिरफ़्तार कर न्यायलय बेरमो तेनुघाट में उपस्थापन हेतु भेजा गया।

बरही पूर्वी मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

बरही : बरही पूर्वी मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष विजय यादव ने की। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं श्रद्धांजलि के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि जिला परिषद के उपाध्यक्ष किशुन यादव, कार्यक्रम प्रभारी मुकुंद साव, प्रवक्ता अर्जुन साव, रंजीत चंद्रवंशी, अजित चंद्रवंशी, सांसद प्रतिनिधि मनीलाल यादव, मोतीलाल चौधरी समेत अनेक भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष विजय यादव, परमेश्वर यादव, महामंत्री सागर चंद्रवंशी, विनोद यादव, कांति देवी, रघु मोदी, सोनू यादव, अरुण कुमार समेत बरही पूर्वी मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान संगठन की नीतियों, कार्यप्रणाली एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

हजारीबाग में जनगणना प्रशिक्षण शिविर शुरू, चौपारण के छह शिक्षक शामिल

चौपारण : भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में हजारीबाग समाहरणालय परिसर में फील्ड ट्रेनरों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की गई है, जो 10 अप्रैल तक चलेगा। प्रशिक्षण के पहले बैच में चौपारण प्रखंड से छह शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। ये सभी शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद प्रखंड स्तर पर प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे, जिससे जनगणना कार्य को व्यवस्थित और सुचारू रूप से पूरा किया जा सके। चौपारण से प्रशिक्षण में शामिल शिक्षकों में मध्य विद्यालय सिंहपुर के प्रभारी प्रधानाध्यापक कमलेश कुमार कमल, मध्य विद्यालय हरिजन करमा के प्रभारी सुरेंद्र कुमार दास, उत्क्रमित उर्दू उच्च विद्यालय केसठ के मो० केसर आलम, मध्य विद्यालय सेल्हारा के जनार्दन प्रसाद वर्मा, केबीएसएस चौपारण के शिक्षक राजा राम रवि तथा उत्क्रमित उच्च विद्यालय इंगुनिया के शिक्षक मनोज कुमार रवि शामिल हैं। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला सांख्यिकी पदाधिकारी-सह-जिला जनगणना पदाधिकारी के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है। मुख्य प्रशिक्षक के रूप में जनगणना कार्य निदेशालय, रांची के मास्टर ट्रेनर कौशल किशोर एवं बरही बीडीओ-सह-मास्टर ट्रेनर जयपाल महतो प्रतिभागियों को तकनीकी और व्यवहारिक पहलुओं की विस्तृत जानकारी दे रहे हैं।

एक नजर

एचपी कंपनी के नकली पाट्र्स बेचने वाला गिरफ्तार

रांची : राजधानी रांची के चुटिया थाना क्षेत्र में एचपी कंपनी के नकली पाट्र्स की खरीद बिक्री करने वाले गिरोह के खिलाफ कारवाई की गई है। कॉपी राइट एक्ट 103/104 ट्रेड मार्क एक्ट के तहत ये कार्रवाई की गई है। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार करते हुए भारी मात्रा में नकली पाट्र्स बरामद किए हैं। रांची के सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि एचपी कंपनी के पदाधिकारी की ओर से चुटिया थाना में कंपनी के नकली सामान बनाने एवं बेचने के संबंध में की गई लिखित शिकायत के आधार पर छापेमारी टीम का गठन कर चुटिया के मालाबार रिसोर्ट के एक फ्लैट में छापामारी की गई। छापेमारी के दौरान फ्लैट से कंपनी का नकली टोनर, इंक कार्टेज एवं प्रिंट/पंचिंग मशीन एवं अन्य नकली पाट्र्स बरामद किए गए।

युवक ने की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

रांची : झारखंड की राजधानी रांची के नामकुम थाना क्षेत्र स्थित मौलाना आजाद कॉलोनी में एक युवक ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान शेख परवेज के रूप में की गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, परिजनों ने युवक को घर में फंदे से लटका हुआ पाया। इसके बाद उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कॉलोनीवासियों ने बताया कि युवक अक्सर नशे की हालत में रहता था। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि नशे में होने के कारण उसने यह कदम उठाया। हालांकि, आत्महत्या के वास्तविक कारणों का अभी स्पष्ट रूप से पता नहीं चल पाया है।

राज्यपाल ने रांची विश्वविद्यालय के एचआरडीसी कैंपस में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राँची विश्वविद्यालय ने शिक्षा के साथ-साथ अब स्वास्थ्य और कल्याण के क्षेत्र में भी एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। बुधवार को झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मोरहाबादी स्थित एचआरडीसी कैंपस में नवनिर्मित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का विधिवत उद्घाटन किया। यह सेंटर छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को समर्पित होगा।

इस सेंटर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसकी स्थापना पूरी तरह से कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी फंड के जरिए की गई है। इससे विश्वविद्यालय के खजाने पर कोई अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं पड़ा है। उद्घाटन समारोह के दौरान कुलपति, रजिस्ट्रार और विश्वविद्यालय के अन्य गणमान्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

राज्यपाल ने की सराहना

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा छात्रों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य किसी भी संस्थान की प्राथमिकता होनी चाहिए। राँची विश्वविद्यालय की यह पहल समय की मांग है, जिससे युवाओं को तनाव से उबरने में मदद मिलेगी।

सीआइपी और रिम्स के विशेषज्ञ करेंगे इलाज

युवाओं में बढ़ते मानसिक तनाव और शैक्षणिक दबाव को देखते हुए विश्वविद्यालय ने दो बड़े चिकित्सा संस्थानों के साथ समझौता किया है। जिसमे सीआइपी (सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ साइकियाट्री) के मनोचिकित्सक सप्ताह में 4 दिन सेंटर में सेवाएं देंगे।रिम्स के विशेषज्ञ डॉक्टर सप्ताह में 2 दिन परामर्श और इलाज के लिए उपलब्ध रहेंगे।

सिर्फ इलाज नहीं, 'वेलनेस' पर भी जोर

यह सेंटर केवल बीमारियों के इलाज तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यहाँ स्वास्थ्य संवर्धन पर भी काम होगा। विद्यार्थियों को तनावमुक्त रखने के लिए नियमित योग और फिटनेस कार्यक्रम चलेंगे। चिंता और अवसाद (डिप्रेशन) जैसी समस्याओं के लिए विशेषज्ञ काउंसलिंग की सुविधा मिलेगी। भविष्य में विश्वविद्यालय यहाँ से स्वास्थ्य और वेलनेस से जुड़े सर्टिफिकेट कोर्स भी शुरू करने की योजना बना रहा है।

सेंटर के माध्यम से समय-समय पर रक्तदान शिविर, टीकाकरण अभियान और स्वास्थ्य कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। साथ ही, डिजिटल टूल्स के जरिए सेवाओं की निगरानी की जाएगी ताकि अधिक से अधिक छात्र इसका लाभ उठा सकें।

जूनियर नेशनल हॉकी: झारखंड टीम के लिए ट्रायल संपन्न, 61 खिलाड़ियों ने दिखाया दम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

राँची : 16वीं हॉकी इंडिया जूनियर राष्ट्रीय महिला हॉकी चैंपियनशिप 2026 के लिए झारखंड की टीम तैयार की जा रही है। बुधवार को राजधानी राँची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम (मोराबादी) में चयन ट्रायल का आयोजन किया गया। इस ट्रायल में राज्य के विभिन्न जिलों से कुल 61 प्रतिभाशाली महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया।

ट्रायल के दौरान मुख्य रूप से सिमडेगा, खूँटी, राँची और गुमला जैसे हॉकी के 'गढ़' माने जाने वाले जिलों की खिलाड़ियों ने अपनी तकनीक, फिटनेस और रफ्तार का प्रदर्शन किया। चयनकताओं और प्रशिक्षकों ने कई घंटों तक खिलाड़ियों के तालमेल और फील्ड स्किल्स का बारीकी से आकलन किया।

अंतिम रूप से चयनित टीम 29 अप्रैल से 10 मई 2026 तक पुणे (महाराष्ट्र) में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेगी।

हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह ने चयन प्रक्रिया पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा झारखंड में महिला हॉकी की प्रतिभाओं की कमी नहीं है। हमारा लक्ष्य सर्वश्रेष्ठ टीम चुनकर उन्हें उच्च स्तरीय प्रशिक्षण देना है ताकि वे राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन कर सकें।

इस दौरान मनोज कोनबेगी, दसरथ महतो सहित कई अनुभवी प्रशिक्षक और पदाधिकारी उपस्थित थे, जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। झारखंड की महिला टीम का राष्ट्रीय स्तर पर दबदबा रहा है, ऐसे में इस बार भी टीम से पदक की उम्मीदें काफी अधिक हैं।

30 खिलाड़ियों का हुआ चयन अब लगेगा स्पेशल कैंप

कड़ी चयन प्रक्रिया के बाद शुरूआती तौर पर 30 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। इन चयनित खिलाड़ियों के लिए अब एक विशेष कोचिंग कैंप आयोजित किया जाएगा। कैंप में खिलाड़ियों की तकनीकी और मानसिक तैयारी पर काम होगा। अंत में 18 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की फाइनल टीम चुनी जाएगी।

दुर्गा पूजा पर दिखेगी बृहदेश्वर मंदिर की भव्य झलक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची के बकरी बाजार स्थित भारतीय युवक संघ इस वर्ष दुर्गा पूजा को भव्य और खास बनाने की तैयारी में जुट गया है। संघ ने इस बार पूजा पंडाल को दक्षिण भारत के प्रसिद्ध बृहदेश्वर मंदिर की तर्ज पर बनाने का निर्णय लिया है, जिससे श्रद्धालुओं को एक अनूठा धार्मिक और सांस्कृतिक अनुभव मिलेगा। संघ के अध्यक्ष राहुल अग्रवाल ने बताया कि इस बार पंडाल में तमिलनाडु के तंजावुर जिले में स्थित इस ऐतिहासिक शिव मंदिर की भव्य प्रतिकृति तैयार की जाएगी। खास बात यह है कि पंडाल का निर्माण पूरी तरह प्राकृतिक सामग्रियों से किया जाएगा, जिससे इसकी कलात्मकता और पर्यावरणीय संतुलन दोनों का ध्यान रखा जा सके।

उन्होंने जानकारी दी कि पंडाल के मुख्य द्वार पर भगवान शिव के वाहन नंदी की विशाल प्रतिमा स्थापित की जाएगी, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनेगी। पंडाल के डिजाइन का कार्य पश्चिम बंगाल में शुरू हो चुका है, जबकि जुलाई के पहले सप्ताह में भूमि पूजन के साथ निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

दरअसल, इस वर्ष शारदीय नवरात्र 11 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। भारतीय युवक संघ वर्ष 1958 से लगातार सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए हर साल आकर्षक और थीम आधारित पंडाल निर्माण के लिए प्रसिद्ध रहा है।

झारखंड में ई-संजीवनी को मिलेगा विस्तार सभी पंचायतों में खुलेंगे हेल्थ कॉटेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के तहत नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान में बुधवार को ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन विषय पर राज्यस्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस दौरान 13 डॉक्टरों और 12 सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि राज्य के सभी पंचायतों में जल्द ही हेल्थ कॉटेज स्थापित किए जाएंगे, जहां लोगों को इलाज के साथ बेहतर स्वास्थ्य वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन सेवा के विस्तार से दूर-दराज क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच रही हैं और भविष्य में इसे और मजबूत किया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को

अत्याधुनिक और एआई आधारित तकनीकों से लैस किया जाएगा। साथ ही राज्य में 747 अबुआ मेडिकल स्टोर खोलने की प्रक्रिया जारी है, जिससे आम लोगों को सस्ती और सुलभ दवाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने रक्त की कमी को दूर करने के लिए नई ब्लड पॉलिसी और टोल-फ्री नंबर शुरू करने की भी घोषणा की।

डॉ. अंसारी ने डॉक्टरों को मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार रखने का निर्देश देते हुए चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों का कभी भी औचक निरीक्षण किया जा सकता है।

रांची में आज से 11 अप्रैल तक मक्का पर राष्ट्रीय मंथन, 250 से अधिक वैज्ञानिक बीएयू में जुटेंगे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची स्थित बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) में 09 से 11 अप्रैल तक मक्का संबंधी अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 69वीं वार्षिक कार्यशाला आयोजित होगी। इस तीन दिवसीय कार्यशाला में देशभर के 250 से अधिक कृषि वैज्ञानिक भाग लेंगे।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य मक्का उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ बदलते जलवायु परिदृश्य में इसके क्षेत्र विस्तार की रणनीतियों पर विचार-विमर्श करना है। इसके अलावा मक्का उत्पादन के लिए एक ठोस रोडमैप भी तैयार किया जाएगा।

कार्यक्रम में नई उच्च उपज वाली किस्मों की पहचान की जाएगी और वर्ष 2025 के दौरान विभिन्न राज्यों एवं क्षेत्रों की उपलब्धियों की समीक्षा भी होगी। इसमें स्टार्च, फीड, एथेनॉल, बीज, कृषि रसायन और कृषि यंत्र से जुड़े उद्योगों के प्रतिनिधि, राष्ट्रीय एवं राज्य बीज निगमों के सदस्य, प्रगतिशील किसान तथा देश के 37 कृषि विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिक शामिल होंगे।

कार्यशाला की आयोजन सचिव और बीएयू के आनुवंशिकी एवं पौधा प्रजनन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मणिगोपा चक्रवर्ती ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक और भारत सरकार के कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. मांगी लाल जाट कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। उद्घाटन सत्र की सह-अध्यक्षता आइसीएआर के उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) डॉ. डी.के. यादव और बीएयू के कुलपति डॉ. एस.सी. दुबे करेंगे।

कार्यशाला में कई प्रमुख विशेषज्ञ भी भाग लेंगे, जिनमें आइसीएआर के सहायक महानिदेशक (खाद्य एवं चारा फसलें) डॉ. एस.के. प्रधान, भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. एच.एस. जाट, सिमिट (मेक्सिको) के डॉ. महेश गाथाला और डॉ. पी.एच. जैदी शामिल हैं। इसके अलावा भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान और राष्ट्रीय पादप आनुवंशिकी संसाधन ब्यूरो, नई दिल्ली के विशेषज्ञ भी इसमें भाग लेंगे।

डॉ. चक्रवर्ती ने बताया कि मक्का देश की सबसे बहुउपयोगी फसलों में से एक है और अनाजों में तीसरे स्थान पर है। यह 1.2 करोड़ हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में उगाई जाती है। इसका उपयोग चारा, पशु आहार, खाद्य, ऊर्जा और औद्योगिक कार्यों में होता है।

वर्तमान में भारत में मक्का का उपयोग मुख्य रूप से पोल्ट्री फीड (44 प्रतिशत), पशु आहार (11 प्रतिशत), बायोफ्यूल (18 प्रतिशत), स्टार्च (12 प्रतिशत) और प्रत्यक्ष एवं प्रसंस्कृत खाद्य (15 प्रतिशत) के रूप में किया जाता है। औद्योगिक उपयोग 85 प्रतिशत से अधिक होने के कारण पिछले पांच वर्षों में मक्का उत्पादन लगभग 6 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 2024-25 में 43.41 मिलियन टन तक पहुंच गया है।

जेएसएससी उत्पाद सिपाही परीक्षा के लिए रांची में 80 से अधिक केंद्र तैयार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित झारखंड उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता परीक्षा-2023 को लेकर रांची जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारी पूरी कर ली है। जिले में इस परीक्षा के लिए 80 से अधिक परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, यहां हजारों अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। प्रशासन का फोकस इस बार परीक्षा केंद्रों पर बेहतर प्रबंधन और सुचारु संचालन सुनिश्चित करने पर है। बता दें कि झारखंड उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता परीक्षा 12 अप्रैल 2026 को आयोजित होगी।

परीक्षा केंद्रों में स्कूल और कॉलेज शामिल

परीक्षा के लिए बनाए गए केंद्रों में शहर के प्रमुख स्कूल और कॉलेज शामिल हैं। इनमें एएसटीवीएस जिला स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, एनीटा गर्ल्स हाई स्कूल कांके, डॉन बॉस्को हाई स्कूल, डीएवी पब्लिक स्कूल, सेंट जेवियर्स कॉलेज इंटरमीडिएट सेक्शन, मारवाड़ी कॉलेज, उसुर्लाइन इंटर कॉलेज, बिशप स्कूल, गोस्सनर हाई स्कूल सहित कई अन्य संस्थान शामिल हैं। इन केंद्रों पर परीक्षार्थियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।

प्रबंधन को लेकर दिशा-निर्देश जारी

जिला प्रशासन द्वारा सभी केंद्रों पर दंडाधिकारी और पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। केंद्रों के अंदर और बाहर निगरानी के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की

अव्यवस्था या गड़बड़ी न हो। इसके साथ ही केंद्रों पर प्रवेश, बैठने की व्यवस्था और समय प्रबंधन को लेकर भी स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

केंद्रों तक पहुंचने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं

अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने केंद्रों तक पहुंचने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का भी प्रयास किया है। परीक्षार्थियों को सलाह दी गई है कि वे समय से पहले अपने परीक्षा केंद्र पर पहुंचें, ताकि किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

परीक्षा केंद्रों का संचालन

जिला प्रशासन का कहना है कि इतनी बड़ी संख्या में परीक्षा केंद्रों का संचालन एक बड़ी जिम्मेदारी है, लेकिन सभी विभागों के समन्वय से इसे सुचारु रूप से संपन्न कराने की तैयारी की गई है। परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित कराने के लिए हर स्तर पर निगरानी रखी जाएगी।

केंद्रों पर सुव्यवस्थित और सुरक्षित माहौल

इस बीच, परीक्षा केंद्रों के आसपास आवश्यक नियंत्रण भी लागू किए गए हैं, ताकि अभ्यर्थियों को शांतिपूर्ण माहौल मिल सके। हालांकि प्रशासन का मुख्य जोर केंद्रों के भीतर बेहतर व्यवस्था और परीक्षा संचालन को सुचारु बनाए रखने पर है। रांची में आयोजित यह परीक्षा राज्य के हजारों युवाओं के लिए महत्वपूर्ण है। ऐसे में जिला प्रशासन किसी भी तरह की लापरवाही से बचते हुए सभी केंद्रों पर सुव्यवस्थित और सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने में जुटा हुआ है, ताकि अभ्यर्थी बिना किसी बाधा के अपनी परीक्षा दे सकें।

परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल की तैनाती

झारखंड उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और कदाचारमुक्त तरीके से संपन्न कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त दंडाधिकारी और पुलिस बल की तैनाती की गई है। वहीं अभ्यर्थियों से अपील है कि वे समय से पहले केंद्र पर पहुंचें और प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

संक्षिप्त खबरें

एक्सआईएसएस का सीएसआर मीट हुआ संपन्न

रांची : एक्सआईएसएस (जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस) द्वारा आयोजित झारखंड सीएसआर मीट में पार्टनर्स फॉर प्रोग्रेस: कैटेलाइजिंग गर्ल्स एजुकेशन एंड करियर ट्रांजिशन विषय पर होटल बीएनआर चाणक्या में कार्यक्रम आयोजित किया गया। उषा मार्टिन के सीएसआर हेड डॉ. मयंक मुरारी ने कहा कि पढ़ाई केवल परीक्षा के लिए नहीं, बल्कि जीवन को बेहतर बनाने की कला है। सही दिशा और एकाग्रता के साथ की गई पढ़ाई ही भविष्य को आकार देती है। उन्होंने छात्रों को उद्देश्य के साथ पढ़ाई करने, किताबों के प्रति सम्मान रखने और विभिन्न विषयों का अध्ययन कर स्वयं को विकसित करने की सलाह दी। उन्होंने यह भी कहा कि बिना योजना के पढ़ाई करने से मन नहीं लगता, इसलिए हर छात्र को अपने अध्ययन का स्पष्ट उद्देश्य तय करना चाहिए। कार्यक्रम में यह भी रेखांकित किया गया कि देश में कौशल और रोजगार के बीच अंतर एक बड़ी चुनौती है। इसे दूर करने के लिए उद्योग-अकादमिक सहयोग, व्यावहारिक प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और सॉफ्ट स्किल्स पर विशेष जोर देने की आवश्यकता है। अंत में सभी हितधारकों से समन्वित प्रयास करने की अपील की गई, ताकि बालिकाओं को बेहतर शिक्षा और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा सकें। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं नेटवर्किंग सत्र के साथ हुआ।

मैथेमेटिक्स ओलिंपियाड परीक्षा में संत माईकल+2 स्कूल, मूरी के बच्चो का उम्दा प्रदर्शन

सिल्ली : मुरी साइंस ओलिंपियाड फाउन्डेशन के द्वारा आयोजित अंतराष्ट्रीय मैथेमेटिक्स ओलिंपियाड परीक्षा में संत माईकल+2 स्कूल, मूरी के 48 बच्चो ने स्वर्ण पदक लाकर स्कूल का गौरव बढ़ाया। जिसमे कक्षा प्रथम से बारहवी तक के बच्चो ने भाग लिया था । विद्यालय प्रांगण में आज सभी विजेता बच्चो को स्वर्ण पदक एवम् प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर स्कूल के निर्देशक डॉ. राकेश कुमार ने सभी विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के परीक्षा छात्र छात्राओ के स्वर्णिम विकास में सहायक होते हैं। उन्हें खुद को बेहतर साबित करने का मौका भी मिलता है। स्कूल के प्रधानाचार्य श्री सी. एल. प्रजापति ने कहे की जितना अधिक विद्यार्थी प्रतियोगिता परीक्षा में भाग लेंगे, उतनी ही अधिक अपने छिपी प्रतिभा को निखारेंगे और अधिक सफलता मिलेगी । स्कूल के प्रबंधक डॉ. रूपेश कुमार ने खुशी जाहिर करते हुए सभी विजेताओं को बधाई एवं उनके उज्वल भविष्य की लिए शुभकामनाएं दिए एवम् सभी शिक्षकों को गुणवत्ता शिक्षा देने लिए धन्यवाद दिए ।मौके पर विद्यालय के शिक्षक शिक्षकाएं राहुल कुमार मिलन, एन. सी. साहु, जयंत कुमार महतो, रमेश गोराई , किशोर कुमार, अजय चिक बराईक, सीमा झा, अनुराग कुमार, प्रीति नंदा, वंदना कुमारी, प्रीति लता मुंडू, नीता कुमारी, श्वेता सिंह, संजुक्ता सिंह देव, मंजू कुमारी, ममता गोस्वामी, सिमरन अफसाना, दीपिका कुमारी, प्रतिमा कुमारी एवम् सभी छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

सोयाबीन अनुसंधान में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. अरविंद कुमार सिंह को फेलो अवार्ड

रांची : रांची स्थित बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) के सस्य (एग्रोनॉमी) विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अरविंद कुमार सिंह को सोयाबीन अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित फेलो अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह जानकारी विश्वविद्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई। यह सम्मान उन्हें हैदराबाद स्थित प्रोफेसर जयाशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित सोयाबीन विषयक अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (एआईसीआरपी) की वार्षिक समूह बैठक के दौरान प्रदान किया गया। सोयाबीन सोसाइटी ऑफ रिसर्च एंड डेवलपमेंट, इंदौर द्वारा प्रायोजित इस अवार्ड को राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान के निदेशक और समिति के अध्यक्ष डॉ. केएच सिंह ने 7 अप्रैल को उन्हें प्रदान किया। डॉ. अरविंद कुमार सिंह पिछले 22 वर्षों से बीएयू में शिक्षण एवं अनुसंधान कार्यों से जुड़े हुए हैं। सोयाबीन फसल के उन्नत उत्पादन, प्रबंधन तकनीकों और अनुसंधान के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए उन्हें यह सम्मान दिया गया है। विश्वविद्यालय परिवार ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे संस्थान के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है।

झारखंड में मौसम का उतार-चढाव जारी आज 14 जिलों के लिए येलो अलर्ट

रांची : राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में अप्रैल माह में जनवरी जैसा मौसम देखने को मिल रहा है। बुधवार को रांची सहित आसपास के कई जिलों में 50 से 60 किलोमीटर की गति से तेज हवा के साथ हल्की बारिश दर्ज की गई। इससे तापमान में 05 से 06 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई और वातावरण काफी ठंडा हो गया। मौसम विभाग ने 09 अप्रैल को राज्य के 14 जिलों में गर्जन के साथ वज्रपात और ओलावृष्टि की संभावना व्यक्त की है। साथ ही 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की भी संभावना जताई है। विभाग की ओर से इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान गोंडा में 37.2 डिग्री और सबसे कम तापमान लातेहार में 13.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। राज्य के जिन जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है उनमें रांची, खूंटी, रामगढ़, बोकारो, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला, धनबाद, जामताड़ा, देवघर, दुमका, पाकुड़, साहिबगंज, देवघर और दुमका शामिल है। उल्लेखनीय है कि राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में पिछले 15 दिनों से मौसम में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। इससे कभी बारिश तो कभी धूप की स्थिति बन रही है। मौसम में बदलाव से राज्य में अधिकतम तापमान में सामान्य से तीन से पांच डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, बुधवार को रांची में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री और न्यूनतम 17 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 34.8 डिग्री और न्यूनतम 20.2 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 36.8 और न्यूनतम 20.6 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 32.5 डिग्री और न्यूनतम 19.6 डिग्री, चाईबासा में अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18.6 डिग्री सेल्सियस एवं खूंटी में अधिकतम तापमान 31 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 17.9 रिकार्ड किया गया।

बेटे ने की कुदाल से हमला कर पिता की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

रांची : रांची के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के हाराटांड़ में पैसों को लेकर हुए विवाद में एक बेटे ने अपने पिता की हत्या कर दी। स्थानीय लोगों ने बताया कि 32 वर्षीय कमल साहू का अपने पिता गोविंद साहू से पिछले कई दिनों से पैसे को लेकर विवाद चल रहा था। बुधवार को पिता-पुत्र के बीच पैसे के विवाद के कारण जमकर कहासुनी हुई। इसी बीच गुस्से में आकर कमल ने घर में रखे कुदाल से अपने पिता गोविंद साहू पर तबाड़तोड़ कई वार कर दिए। इस हमले में पिता गोविंद साहू की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि कमल साहू जुआ खेलने का आदी था। वह अक्सर जुए में पैसे हार जाता और फिर अपने पिता से पैसे की मांग किया करता था। इसी बीच कमल की बहन के पास कुछ पैसे आये थे, जिसपर कमल की नजर थी। चुकी पैसे कमल के पिता के पास ही रखे गए थे, उन्हीं पैसे की मांग को लेकर कमल अपने पिता से लगातार झगड़ता था। बुधवार को मामला इतना बढ़ा की कमल ने अपने पिता की हत्या ही कर दी।

एक नजर

तीन दिनों से लापता किशोर यादव का शव पेड़ में लटका मिला

कोडरमा : डोमचांच प्रखंड अंतर्गत ढाब थाना क्षेत्र के जंगल से एक व्यक्ति का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि व्यक्ति का शव पेड़ से लुंगी के फंदे के सहारे झूलता हुआ मिला। मृतक की पहचान ढाब के नावाडीह निवासी 55 वर्षीय किशोर यादव के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि यह आत्महत्या है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे क्षेत्र में शोक और दहशत का माहौल बना हुआ है।

बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव हैं सरकारी स्कूल : रामेश्वर

पतरातु : सरकारी विद्यालयों को सशक्त बनाने और नामांकन अभियान को तेज करने के उद्देश्य से समाजसेवी सह साक्षरता प्रेरक रामेश्वर गोप ने अभिभावकों और समाज के सभी वर्गों से आगे आने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल केवल शिक्षा देने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला हैं, जिन्हें मजबूत करना हम सभी की जिम्मेदारी है। रामेश्वर गोप ने कहा कि यदि अधिक से अधिक अभिभावक अपने बच्चों का नामांकन सरकारी विद्यालयों में सुनिश्चित करें, तो शिक्षा व्यवस्था और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनेगी। उनके अनुसार नामांकन में वृद्धि ही सरकारी स्कूलों को सशक्त बनाने की सबसे महत्वपूर्ण कुंजी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में व्यावसायिकता तेजी से बढ़ रही है। कई निजी विद्यालयों में शिक्षा से अधिक शुल्क और लाभ को प्राथमिकता दी जा रही है। ऐसे में सरकारी विद्यालय आम जनता के लिए एक भरोसेमंद, सुलभ और समावेशी विकल्प के रूप में उभरकर सामने आए हैं। रामेश्वर गोप ने बताया कि सरकारी स्कूलों में बच्चों को नि:शुल्क और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ पोशाक, पुस्तक, कॉपी, खेल सामग्री और मध्याह्न भोजन जैसी जरूरी सुविधाएं दी जाती हैं। इसके अलावा प्रशिक्षित और अनुभवी शिक्षक बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रदान करते हैं, जिससे उनका सर्वांगीण विकास संभव होता है।

रजरप्पा में बोरिया बाबा की समाधि पर चार दिवसीय पूजन का हुआ समापन

रजरप्पा : आध्यात्मिक आस्था और श्रद्धा के वातावरण के बीच रजरप्पा स्थित बोरिया बाबा आश्रम में आयोजित चार दिवसीय समाधि पूजन कार्यक्रम का बुधवार को विधिवत समापन हुआ। अखिल भारतीय शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष हरे राम ब्रह्मचारी, जिन्हें बोरिया बाबा के नाम से जाना जाता है, की स्मृति में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं ने भाग लेकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। चार दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन का समापन महाभंडारे के साथ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इससे पहले गुजरात के बड़ौदा में मिट्टी समाधि के पश्चात कलश को रजरप्पा आश्रम लाया गया, जहां विधि-विधान के साथ पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान वाराणसी स्थित अघोराचार्य बाबा कीनाराम अघोर शोध एवं सेवा संस्थान के पीठाधीश्वर सिद्धार्थ गौतम राम ने अपने हाथों से बोरिया बाबा की समाधि दी। इस अवसर पर धार्मिक अनुष्ठानों के साथ विशेष पूजन और हवन का आयोजन किया गया, जिससे पूरा आश्रम आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो उठा।

12 अप्रैल की उत्पाद सिपाही परीक्षा के लिए प्रशासन मुस्तैद, लापरवाही पर जीरो टॉलरेंस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 12 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाली उत्पाद सिपाही लिखित परीक्षा को लेकर रामगढ़ जिला प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रहा है। परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और कदाचारमुक्त तरीके से संपन्न कराने के लिए समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें दंडाधिकारी, केंद्र अधीक्षक और प्रशासनिक अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि जिले में कुल 32 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 9,384 अभ्यर्थी तीन पालियों में परीक्षा देंगे। इतनी बड़ी संख्या को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा, निगरानी और व्यवस्थाओं को लेकर विशेष रणनीति तैयार की है। उपायुक्त ने साफ शब्दों में कहा कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने दंडाधिकारियों और केंद्र अधीक्षकों को चेताते हुए कहा कि उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ करने का निर्देश दिया गया। परीक्षा केंद्रों पर कदाचार रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। हर केंद्र पर जैमर, सीसीटीवी कैमरे और सख्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, ताकि किसी भी अभ्यर्थी द्वारा अनुचित साधनों का इस्तेमाल न हो सके। बैठक में परीक्षा से जुड़ी हर प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया। प्रवेश द्वार पर सघन जांच (फ्रिस्किंग) की व्यवस्था होगी, जिससे कोई भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस या प्रतिबंधित सामग्री अंदर न जा सके। परीक्षा समाप्त होने के बाद ओएमआर शीट और अन्य गोपनीय दस्तावेजों की सुरक्षित सीलिंग और परिवहन के लिए भी स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाए रखते हुए कार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही किसी भी आपात स्थिति में तत्काल जिला नियंत्रण कक्ष को सूचना देने को कहा गया, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, जिला स्तरीय वरीय अधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, दंडाधिकारी और केंद्र अधीक्षक सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने परीक्षा को सफल बनाने के लिए अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को लेकर तैयारी शुरू कर दी है।

जयनगर में आंगनबाड़ी सेविकाओं की मासिक समीक्षा बैठक, पोषण व स्वच्छता पर विशेष जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जयनगर परियोजना अंतर्गत आंगनबाड़ी सेविकाओं के साथ मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें पोषण एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की गहन समीक्षा की गई। बैठक में विशेष रूप से प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, कुपोषित बच्चों की पहचान एवं उन्हें एमटीसी में भर्ती कराने की प्रक्रिया, तथा पोषण ट्रैकर के प्रमुख इंडिकेटरों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान अधिकारियों ने सेविकाओं को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करें। साथ ही कुपोषित बच्चों की समय पर पहचान कर उन्हें आवश्यक उपचार हेतु एमटीसी भेजने पर जोर दिया गया। पोषण ट्रैकर ऐप में सभी आंकड़ों को नियमित एवं सटीक रूप से अपडेट करने के निर्देश भी दिए गए। इसी क्रम में यूनिसेफ द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वच्छता सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में यूनिसेफ के पदाधिकारी संजीत कुमार ने बच्चों में स्वच्छता संबंधी व्यवहार विकसित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों में प्रारंभ से ही स्वच्छता की आदतें विकसित करना बेहद जरूरी है, जिससे उनके स्वास्थ्य में सुधार संभव है। उन्होंने सेविकाओं एवं सहायिकाओं को निर्देश दिया कि बच्चों को भोजन से पहले नियमित रूप से हाथ धोने की आदत सिखाई जाए और इस विषय पर केंद्रों में लगातार जागरूकता फैलाई जाए।

जल ही जीवन है : मंजू संघई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : मारवाड़ी युवा मंच झुमरी तिलैया शाखा के तत्वाधान में अमृत धारा के तहत अस्थाई जल की सुविधा राहगीरो के लिए काली मंदिर के सामने प्याऊ केंद्र का शुभारंभ समाजसेवी मंजू संघई ने किया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जल ही जीवन है एवं मारवाड़ी युवा मंच पाठशाला, पनशाला, और धर्मशाला के जरिए समाज के अंतिम पैदान तक के लोगों की सेवा में जुटी है। उन्होंने कहा कि गर्मी में राहगीरों के लिए यह जल स्त्रोत जीवन का स्त्रोत बनेगा मंच के अध्यक्ष मोहित संघई ने कहा कि इस माह में शहर के अलग-अलग इलाकों में छह अस्थाई प्याऊ केंद्र खोले जाएंगे, और साथ ही पांच वाटर कूलर के जरिए ठंडा पानी लोगों को उपलब्ध कराया जा रहा है उन्होंने कहा कि इसी माह मंच के सदस्यों के निवास स्थलों के छत पर पंछियों के लिए मिट्टी का सिकोड़ा लगाया जाएगा साथ ही शहर के अलग-अलग स्थलों पर मवेशियों के लिए भी पीने की पानी की व्यवस्था की जाएगी, अस्थाई प्याऊ के उपरांत मवेशियों के लिए तरबूज एवं अन्य सामग्री मंच के सदस्यों ने झंडा चौक हटिया रोड गली स्टेशन रोड ब्लॉक रोड आदि इलाकों में खिलाने का कार्य किया और यह बताया कि मानव जीवन ही सेवा भावना के लिए समय निकालना चाहिए कार्यक्रम में प्रांतीय पदाधिकारी राज पच्चीसिया, अरविंद चौधरी, आईपीपी राहुल जैन, रितेश दुग्गड, आयुष पोद्दार, संजय जैन आदि उपस्थित थे।

कोडरमा जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन को मिली मान्यता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : आश्रम रोड स्थित कौणिडनिया पब्लिक स्कूल झुमरी तिलैया के अध्यक्ष सह रिटायर्ड आईपीएस ऑफिसर राजीव रंजन सिंह के पहल पर झारखंड बास्केटबॉल एसोसिएशन के द्वारा कोडरमा जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन को मान्यता प्राप्त हुआ। जिला संगठन को मान्यता प्राप्त होना संपूर्ण कोडरमा वासियों के लिए गर्व की बात है। अध्यक्ष ने कोडरमा जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन को यह उपलब्धि दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। उन्हें कोडरमा जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन का अध्यक्ष बनाया गया है तथा आरपी वाई के निर्देशक मयंक कुमार को सेक्रेटरी मनोनीत किया गया है। अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह का कहना है कि इससे पूर्व कोडरमा के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर खेलने से वंचित होना पड़ता था लेकिन संगठन को मान्यता प्राप्त होने से अब निश्चित रूप से यहां के होनहार और योग्य खिलाड़ियों को अपना टैलेंट दिखाने का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा और वह राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी योग्यता का प्रदर्शन कर पाएंगे। अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह के नेतृत्व में कोडरमा जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन को एक नई दिशा मिलेगी और वह भविष्य में सफलता की ऊंचाइयों को छू पाएगा। इस कार्य में प्रिंस मिश्रा को उनके सराहनीय योगदान के लिए अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह ने धन्यवाद दिया।

कोडरमा-गया-धनबाद रूट पर चलेगी नई फास्ट मेमू ट्रेन, मिलेंगी अमृत भारत जैसी सुविधाएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : झारखण्ड और बिहार के बीच रेल यात्रा को नया आयाम देने की तैयारी शुरू हो गई है। यह क्षेत्र की तस्?वीर बदल सकती है। कोडरमा के रास्ते रेलखंड पर अमृत भारत एक्सप्रेस की तर्ज पर आधुनिक सुविधाओं से लैस मिनी कोच पैसेंजर ट्रेन चलाने की योजना बनाई जा रही है। यह ट्रेन 12 कोचों के साथ मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (मेमू) सेवा के रूप में संचालित हो सकती है। रेलवे की इस योजना के तहत पटना, गया और धनबाद जैसे प्रमुख शहरों को तेज और आधुनिक पैसेंजर सेवा से जोड़ा जाएगा। यह ट्रेन पारंपरिक पैसेंजर ट्रेनों से अलग होगी, क्योंकि इसमें मिनी कोच का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे ट्रेन हल्की होगी और अधिक गति से चल सकेगी। गया-पटना के बीच पहले से 12 कोच वाली मेमू सेवा के सफल संचालन को देखते हुए अब इसे कोडरमा के रास्ते धनबाद तक विस्तार देने की तैयारी है। अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी सुविधाएं प्रस्तावित ट्रेन में यात्रियों को बेहतर सीटिंग अरेंजमेंट, आकर्षक और ऊर्जा दक्ष एलईडी लाइटिंग, साफ-सुथरे और सुव्यवस्थित कोच की सुविधा मिलेगी। कोच के डिजाइन में वेंटिलेशन और स्पेस का विशेष ध्यान रखा जाएगा, ताकि भीड़ के बावजूद सफर आरामदायक बना रहे। मेमू तकनीक पर आधारित इस ट्रेन में अलग से इंजन नहीं होता, बल्कि पूरे रैक में पावर डिस्ट्रीब्यूट रहती है। इससे ट्रेन तेजी से गति पकड़ती और रुकती है, जिससे कम दूरी के बीच अधिक स्टेशनों पर कुशल संचालन संभव हो पाता है। इससे यात्रा समय में भी कमी आएगी। मालूम हो कि कोडरमा से वर्तमान कोडरमा हजारीबाग टाउन बडकाकाना तथा कोडरमा कोवार मधुपुर तक पारंपारिक रेक कोच की ट्रेन का संचालन हो रहा है । ऐसे में इस रूट पर भी भारतीय रेलवे मेमू ट्रेन उपलब्ध कराता है तो इस रूट में यात्रा करने वाले विद्यार्थी के साथ-साथ प्रतिदिन यात्रा करने यात्री को भी सुविधा उपलब्ध होगी और कम समय में अधिक दुरी की यात्रा कर सकते हैं।

आईपीएल सट्टा और हब्बा-डब्बा का डबल खेल : पूरे रामगढ़ जिले में जुए का जाल, युवाओं का भविष्य खतरे में

अमन कुमार मिश्रा

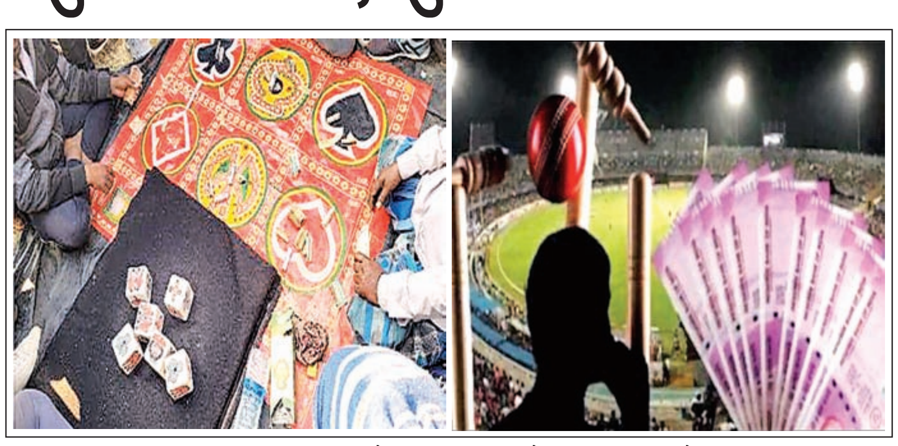

रामगढ़ : इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की चकाचौंध के बीच रामगढ़ जिला इन दिनों सट्टेबाजी और जुए के दोहरे जाल में जकड़ता नजर आ रहा है। एक ओर ऑनलाइन और मोबाइल ऐप के जरिए आईपीएल सट्टा अपने चरम पर है, वहीं दूसरी ओर पारंपरिक जुआ हब्बा-डब्बा भी गांव-शहर तक फैल चुका है। सूत्रों के अनुसार यह पूरा नेटवर्क अब संगठित अपराध का रूप ले चुका है, जहां रोजाना लाखों से लेकर करोड़ों रुपये तक का लेन-देन हो रहा है। जानकारी के मुताबिक यह अवैध खेल सिर्फ एक जगह तक सीमित नहीं है, बल्कि भुरकुंडा, पतरातु, रामगढ़ शहर, रांची रोड, बरकाकाना, भदानीनगर, कुजू, रजरप्पा, गोला, और घाटों समेत पूरे जिले में सक्रिय है। आईपीएल सट्टा जहां मोबाइल और डिजिटल माध्यमों से संचालित हो रहा है, वहीं हब्बा-डब्बा खुलेआम चौक-चौराहों और गली-मोहल्लों तक पहुंच चुका है। सूत्र बताते हैं कि आईपीएल सट्टेबाजी का संचालन बाहरी मास्टरमाइंड के इशारे पर हो रहा है, जबकि जिले में स्थानीय एजेंट इसका नेटवर्क संभाल रहे हैं। मोबाइल ऐप, व्हाट्सएप ग्रुप और कॉल के जरिए दांव लगाए जा रहे हैं। वहीं हब्बा-डब्बा पूरी तरह लोकल स्तर पर संचालित हो रहा है, जिसमें रोजाना छोटे-छोटे दांव से लेकर बड़ी रकम तक लगाई जा रही है। इस पूरे खेल का सबसे बड़ा असर युवाओं पर पड़ रहा है। जल्दी पैसा कमाने की चाह में युवा इस जाल में फंसते जा रहे हैं। शुरूआत में छोटा दांव लगाकर जीतने का लालच दिया जाता है, लेकिन धीरे-धीरे यह लत बन जाती है। कई युवा अपनी जमा पूंजी गंवा चुके हैं, तो कई कर्ज में डूब गए हैं। सूत्रों का कहना है कि पैसे की वसूली के लिए मानसिक दबाव, धमकी और अपमान तक का सहारा लिया जाता है। सूत्रों के अनुसार सट्टेबाजी और जुए से जुड़े पैसों की वसूली के लिए स्थानीय युवकों को लगाया गया है। ये लोग सीधे घरों तक पहुंचकर पैसे की मांग करते हैं। कई मामलों में झगड़ा, धमकी और दबाव की स्थिति बन रही है, जिससे आम लोगों में डर का माहौल गहराता जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

सदर अस्पताल कोडरमा में यूरोलॉजी की जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न

कोडरमा : सदर अस्पताल, कोडरमा में यूरोलॉजी की एक जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न की गई। यह सर्जरी अस्पताल में उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं के माध्यम से की गई। इस सर्जरी का संचालन विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. सत्यजीत सिंह द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि यूरोलॉजी की सर्जरी सामान्यत: विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा ही की जाती है। डॉ. सत्यजीत सिंह पिछले एक वर्ष से सदर अस्पताल में अपनी सेवाएं दे रहे हैं तथा पिछले तीन महीनों में उन्होंने लगभग 7 जटिल यूरोलॉजी सर्जरी सफलतापूर्वक की हैं। सदर अस्पताल में तीन महीने पूर्व लेप्रोस्कोपी (दूरबीन) मशीन एवं आवश्यक उपकरणों की स्थापना की गई है, जिसके माध्यम से अब यूरोलॉजी एवं जनरल सर्जरी की जटिल प्रक्रियाएं भी स्थानीय स्तर पर संभव हो पाई हैं। इस सुविधा के उपलब्ध होने से अब जिले के मरीजों को उपचार के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। सभी जिलेवासियों से अपील है कि वे प्रत्येक बुधवार को यूरोलॉजिस्ट डॉ. सत्यजीत सिंह से परामर्श लें तथा अन्य दिनों में जनरल सर्जरी संबंधी जांच एवं उपचार के लिए सदर अस्पताल, कोडरमा में ही अपनी सेवाएं प्राप्त करें।

कोडरमा में कबड्डी का उत्साह : धूमधाम से निकला कोडरमा कबड्डी लीग सीजन-2 का 'ट्रॉफी टूर'

झुमरी तिलैया : खेल प्रेमियों के लिए उत्साह का संदेश लेकर यामाहा ए आर इंटरप्राइजेज द्वारा प्रायोजित 'कोडरमा कबड्डी लीग सीजन-2' का भव्य ट्रॉफी टूर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस रोड शो के जरिए न केवल टूर्नामेंट की चमक बिखेरी गई, बल्कि खेल के प्रति जिले के युवाओं के जुनून को भी दर्शाया गया। इस बार का सीजन बेहद खास होने वाला है क्योंकि इसमें कुल 11 टीमें अपनी दावेदारी पेश कर रही हैं। ट्रॉफी टूर के दौरान इन टीमों की मौजूदगी ने माहौल को और भी रोमांचक बना दिया। पुरुष वर्ग: 7 टीमें, महिला वर्ग: 4 टीमें, भव्य शुभारंभ और मार्ग कार्यक्रम का आगाज होटल सूर्य से हुआ, जहाँ कोडरमा जिला कबड्डी संघ की संरक्षक संगीता शर्मा एवं अन्य गणमान्य सदस्यों ने हरी झंडी दिखाकर इस सफर को रवाना किया। यह भव्य काफिला झुमरी तिलैया के मुख्य झंडा चौक से होते हुए 'द रॉयल सेलिब्रेशन' तक पहुँचा। पूरे जुलूस में सबसे आगे विजेता टीम को दी जाने वाली चमचमाती ट्रॉफी आकर्षण का केंद्र रही। आयोजक समिति के चेयरमैन ने इस अवसर पर खेल प्रेमियों और स्थानीय नागरिकों को आमंत्रित करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से जिले में खेल प्रतिभाओं को निखरने का मंच मिलेगा।

घंटी बजाओ अभियान से दिव्यांग बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की पहल

झुमरीतिलैया : झुमरीतिलैया जन विकास समिति, वाराणसी, कोडरमा फ्रांसिस्कन क्लरिस्ट सिस्टम सोसाइटी एवं होली फैमिली हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में आई.डी.सी.वाई.डी. प्रोजेक्ट के अंतर्गत जिले के विभिन्न प्रखंडों—कोडरमा, जयनगर और डोमचांच के सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों में घंटी बजाओ अभियान चलाया गया। यह अभियान शिक्षा से वंचित दिव्यांग बच्चों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने और उन्हें आवश्यक समर्थन दिलाने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष 15 मार्च से 15 अप्रैल के बीच आयोजित किया जाता है। अभियान का मुख्य उद्देश्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 एवं दिव्यांग अधिकारिता अधिनियम 2016 को प्रभावी रूप से लागू करना तथा समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देना है, ताकि दिव्यांग बच्चे भी सामान्य बच्चों के साथ समान वातावरण में बिना किसी भेदभाव के शिक्षा प्राप्त कर सकें। अभियान के तहत विद्यालयों के छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा दिव्यांग बच्चों को स्कूल से जोड़ने के लिए उनके घरों तक पहुंचकर घंटी बजाओ के माध्यम से जागरूकता फैलाई गई। इस दौरान जयमंगल कुमार शाही ने दिव्यांग बच्चों के अधिकार, उनके विभिन्न प्रकारों तथा उनकी सुरक्षा एवं सहयोग के विषय में लोगों को विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में संस्था की संयोजिका सिस्टर लीला जोश, सिस्टर रिया, रंजीत कुमार सिंह, अमर कुमार, सन्नी कुमार, दिलीप कुमार पांडेय एवं सूरज कुमार पांडेय सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रैयत विस्थापितों के बंद में तनाव, गिद्दी में दो पक्ष आमने-सामने

सिरका : डाड़ी क्षेत्र के रैयत विस्थापितों द्वारा सात सूत्री मांगों को लेकर बुलाए गए बंद के दौरान बुधवार को गिद्दी में तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। मुआवजा, नौकरी और रोड सेल ट्रांसपोर्टिंग में वैकल्पिक रोजगार की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के बीच दो पक्षों के आमने-सामने आने से टकराव की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। रैयत विस्थापितों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर बंद का आह्वान किया था। इसमें लगभग आठ एकड़ से अधिक भूमि के बदले उचित मुआवजा, रोजगार के अवसर और रोड सेल ट्रांसपोर्टिंग में वैकल्पिक रोजगार की प्रमुख मांगें शामिल थीं। आंदोलन को आजसू पार्टी का भी समर्थन मिलने से आंदोलनकारियों का मनोबल बढ़ा और क्षेत्र का माहौल पहले से ही गरम था। बंदी के दौरान प्रबंधन की ओर से दो दिनों के भीतर पत्र जारी कर सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया गया। हालांकि, इसी बीच दूसरे पक्ष के सामने आने से स्थिति अचानक बिगड़ गई। बताया गया कि रोड सेल क्षेत्र में वाहनों के प्रवेश को लेकर विवाद शुरू हुआ, जो धीरे-धीरे टकराव में बदल गया। आंदोलनकारी पक्ष के सुरेश गंझू ने बताया कि उनकी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन किया जा रहा था, लेकिन दूसरे पक्ष द्वारा हस्तक्षेप किए जाने से विवाद बढ़ गया। वहीं बुधन गंझू ने आरोप लगाया कि आमने-सामने की स्थिति में उनके साथ धक्का-मुक्की हुई और कपड़े तक फट गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ लोगों द्वारा बांस की लाठियां भी चलाई गईं, जिससे माहौल और तनावपूर्ण हो गया। दूसरे पक्ष की ओर से रोड सेल समिति के अध्यक्ष हीरा गंझू ने किसी भी तरह के टकराव या झड़प से इनकार किया। उनका कहना है कि आंदोलन से पहले ही कुछ वाहन रोड सेल पहुंच चुके थे और उनके प्रवेश के दौरान यह स्थिति उत्पन्न हुई, जिसे बाद में सामान्य कर लिया गया। घटना की सूचना मिलते ही गिद्दी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालते हुए दोनों पक्षों को शांत कराया। पुलिस प्रशासन ने क्षेत्र में शांति बनाए रखने की अपील की है और मामले की निगरानी जारी है।

एक नजर

बिरनी दौरे पर जयराम महतो का सरिया में भव्य स्वागत

सरिया : बुधवार को बिरनी दौरे पर जाने के क्रम में सरिया पहुंचे डुमरी विधायक सह जेएलकेएम सुप्रीमो जयराम महतो का क्षेत्र में जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। सरिया के बजरंग चौक, पोटमा में समर्थकों ने फूल-मालाओं के साथ जोरदार अभिनंदन किया। पत्रकारों से बातचीत में जयराम महतो ने पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर कहा कि उनकी पार्टी वहां मजबूती से चुनाव लड़ रही है और बेहतर प्रदर्शन करेगी। वहीं झारखंड की मौजूदा स्थिति पर उन्होंने कहा कि राज्य के मुखिया असम चुनाव में व्यस्त हैं। जबकि झारखंड की हालत दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है। कार्यक्रम में सबलपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि सुरेश भारती, पूर्व उप मुखिया धर्मबीर कुमार वर्मा, संजय कुशवाहा, राजेंद्र प्रसाद कुशवाहा, नवीन सिंहा, मनोज वर्मा, चोलो साव, योगेंद्र पासवान, शंकर पासवान, संतोष पासवान, नकुल पासवान सहित दर्जनों समर्थक मौजूद रहे।

संस्कृत ओलंपियाड में डीपीएस बोकारो का परचम, 92 विद्यार्थियों को मिला गोल्ड मेडल

बोकारो : अंतरराष्ट्रीय संस्कृत ओलंपियाड डीपीएस बोकारों के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। 92 स्वर्ण पदक, 47 रजत व 26 कांस्य पदक के साथ स्कूल के 176 विद्यार्थियों ने शानदार कामयाबी हासिल की है। पांच छात्र-छात्राओं ने इंटरनेशनल रैंक 1, जबकि छह ने जोनल रैंक 1 हासिल किया है। जिन पांच छात्र-छात्राओं ने इंटरनेशनल रैंक 1 पाई है उनमें कक्षा 6 की आराध्या कुमारी, मानवी शेखर व शांभवी, कक्षा 9 के अनीश राज व 10वीं के अभिनव मंडल शामिल हैं। वहीं, जोनल रैंक 1 पाने वाले विद्यार्थियों में सातवीं के सात्विक रूपम द्विवेदी व सर्वज्ञ नारायण तथा कक्षा 8 से आदिरा दीप, नैन्सी कुमारी, प्रतीक राज एवं शताक्षी सिंह शामिल हैं। विद्यालय में बुधवार को एसेंबली के दौरान प्राचार्य डॉ. एएस गंगवार ने सभी टॉपरों को प्रमाणपत्र व मेडल देकर पुरस्कृत किया। प्राचार्य ने इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कहा कि देवभाषा संस्कृत समस्त भाषाओं की जननी है, जिसकी वैज्ञानिकता आज पूरी दुनिया स्वीकार कर रही है।

भानु प्रताप शाही का बोकारो परिसदन पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

पंचायतों को भेजी गयी 2254 करोड़ राशि में कट कमीशन का खेल हुआ तो होगा आंदोलन : भानु

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व मंत्री भानु प्रताप शाही ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा झारखंड गई राशि और राज्य सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड की 4342 पंचायतों के विकास के लिए 2254 करोड़ रुपये की राशि भेजी है। यह झारखंड बनने के बाद ग्रामीण विकास के लिए एकमुश्त दी गई सबसे बड़ी राशि है। इस फंड से प्रत्येक पंचायत को लगभग 52 लाख रुपये मिलेंगे, जिससे गांवों में स्कूल, अस्पताल, सड़क और पंचायत भवन जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जा सकेगा। भानु प्रताप शाही ने राज्य सरकार पर कट कमीशन वाली सरकार होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य में एक ऐसा तंत्र काम कर रहा है, जिसे उन्होंने एमबीए बताया, जिसमें मंत्री, बिचौलिया और अधिकारी शामिल हैं। उन्होंने आशंका जताई कि पंचायतों के लिए भेजी गई राशि पर इस सिंडिकेट की नजर है और इससे गांवों के विकास पर असर पड़ सकता है।

श्री शाही ने राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष में लगभग 33000 करोड़ रुपये खर्च नहीं हो सके और उसे सरेंडर करना पड़ा। इसे उन्होंने सरकार की बड़ी विफलता बताया।

आवास योजना को लेकर उन्होंने कहा कि सरकार ने 8 लाख अबुआ आवास बनाने का वादा किया था, लेकिन पांच साल में एक भी आवास पूरा नहीं हुआ और न ही किसी का गृह प्रवेश कराया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि अब राज्य सरकार केंद्र की पीएम आवास योजना की सूची को अबुआ आवास में शामिल करने का दबाव बना रही है ताकि अपनी कमी छिपा सके।नल जल योजना पर उन्होंने कहा कि झारखंड देश में नीचे से दूसरे स्थान पर है और अब तक केवल 55 प्रतिशत लक्ष्य ही पूरा हो पाया है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों व भाजपा कार्यकताओं को इस पर नजर रखने को कहा अगर गड़बड़ी हुई तो भाजपा आंदोलन करेगी। स्वागत करने वाले जयदेव राय, संजय त्यागी कमलेश राय, माथुर मंडल, मंटू राय अशोक पप्पू, अनिल सिंह ब्रज दुबे, विक्की राय विकास महथा, बिनोद सिंह राठौड़, राजेश घोषाल, प्रीति गुप्ता अविनाश झा, विनय आनन्द, विनय किशोर पन्नालाल कांदू प्रकाश चटर्जी, विनय कुमार, एंजेला सिंह, झंटू दे, सीता कुमारी, ए के वर्मा अमित सिंह, गोलू उपाध्याय,सिदाम आचार्य, मनोज झा, मिथुन लाहा आदि उपस्थित थे।

बोकारो : अतिक्रमण हटाने पहुंची बीएसएल की टीम का विरोध, सुरक्षा कर्मियों ने खदेड़ा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो में अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान हंगामा देखने को मिला जहां बीएसएल की जमीन पर अतिक्रम कर पक्का बाउंड्री वाला का निर्माण कर दिया था जिसपर बुलडोजर चलाया गया। इसी दौरान मौके पर मौजूद बीएसएल के अधिकारी और सुरक्षा गार्ड के साथ अतिक्रमण करने वालों ने जमकर हंगामा किया जहां मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने अतिक्रमणकारियों को खदेड़ दिया। मामला बोकारो के नेशनल हाईवे सेक्टर 12 स्थित हनुमान नगर के पास की है। बताते चले कि बोकारो स्टील प्लांट के जमीन पर अतिक्रमण कर लोग पक्का मकान बना दे रहा जो इन दिनों बढ़ते जा रहा है। फ्री का पानी, फ्री का बिजली का उपयोग कर करोड़ों की चपत अवैध कब्जाधारीयो द्वारा लगाया जा रहा है। बीएसएल समय समय पर इसे हटाने के लिए ड्राइव चलाता है लेकिन अतिक्रमण करने वालों के हौसले इतने बुलंद होता है कि फिर से पक्की दीवार और पक्का मकान बना लेता है। ऐसे में आज भी जब बुलडोजर अतिक्रमण हटाने के लिए पहुंचा तो टिम को भारी विरोध का सामना करना पड़ा। अतिक्रमणकारी सीधे बीएसएल के अधिकारी और होमगार्ड के जवानों से भिड़ गया जहां अंत में अतिक्रमण कर रहे लोगों को खदेड़ा दिया गया फिर मामला शांत हुआ। इस दौरान सीमेंट और छड़ से बनी ऊंची दीवार को बुलडोजर चलाकर जमींदोह कर दिया गया।

बीआरसी सरिया में गुरु गोष्ठी संपन्न शिक्षकों को दिए गए विभिन्न निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : प्रखंड संसाधन केंद्र सरिया द्वारा बुधवार को प्लस टू एसआरएसएसआर हाई स्कूल सरिया में गुरु गोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें सरिया प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापक या प्रभारी शिक्षकों ने हिस्सा लिया। शिक्षकों को निर्देश देते हुए प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी रंजीत कुमार चौधरी कहा कि वे प्रतिदिन शिक्षक तथा छात्र उपस्थिति ई विद्या वाहिनी पोर्टल से आवश्यक रूप से भेजना सुनिश्चित करेंगे। वहीं प्रत्येक कार्य दिवस में गुणवत्तापूर्ण मध्याह्न भोजन का संचालन करना है साथ ही इसका एसएमएस भी आवश्यक रूप से करने की बात कही गई।वर्ग प्रोन्नति,विद्यालय प्रोन्नति,अपार आईडी से संबंधित चर्चा करते हुए बीईईओ ने शिक्षकों को अप टू डेट रहने को कहा। वहीं प्रोजेक्ट रेल तथा प्रयास कार्यक्रम का संचालन करते हुए बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने पर बल दिया गया। स्कूल रुवार, एफ एल एन संचालन की स्थिति पर भी रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया। साधना सन्ताह पर शिक्षकों को चार घंटा प्रशिक्षण लेने की बात कही गई। रसोई गैस की कमी के कारण किसी विद्यालय में मध्याह्न भोजन प्रभावित नहीं हो सहित विभिन्न बिंदुओं पर पर भी चर्चा की गई। मौके पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मुकेश कुमार, सीआरपी प्रकाश पांडेय, वीरेंद्र कुमार पांडेय, डोमन प्रसाद, मनोज कुमार, ओम प्रकाश वर्मा, विनोद कुमार वर्मा, नरेश मंडल, गीता कुमारी, रमेश मंडल, रविंद्र कुमार, प्रकाश मंडल, भगवत दास, संजय सिंह, जोधी पंडित, रमेश कुमार वर्मा,बोधी प्रसाद, राजेंद्र दिवाकर, विजय दास, शिव शंकर रूपांशु, आदित्य कुमार शर्मा, भरत कुमार महतो, छत्रुराम महतो, भोला वर्मा, सुसनी कुमारी, कंचन कुमारी सहित काफी संख्या में शिक्षक मौजूद थे।

बीएसएल के हॉट स्ट्रिप मिल एवं कोक ओवन विभाग में सुझाव मेला का किया गया भव्य आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र के हॉट स्ट्रिप मिल (एचएसएम) और कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स विभाग द्वारा 'सुझाव मेला' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कार्मिकों की रचनात्मकता और उनके अभिनव विचारों को प्रोत्साहित करना है, ताकि विभाग की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

रशियन कैंटीन में आयोजित एचएसएम के कार्यक्रम में कई वरीय अधिकारी उपस्थित थे, जिनमें महाप्रबंधक (विद्युत) सुनील कुमार, आई.ई.डी. विभाग से वरीय प्रबंधक प्रीति प्रिया, महाप्रबंधक (विद्युत) मनोज कुमार, महाप्रबंधक (विद्युत) चंद्र शेखर, उप महाप्रबंधक (ऑपरेशन्स) रामकृष्ण, उप महाप्रबंधक मानस रंजन देहुरी, सहायक महाप्रबंधक लव कुमार साहनी तथा वरीय प्रबंधकआशीष कुमार सिंह प्रमुख रूप से शामिल थे। इस दौरान विभाग के विभिन्न अनुभागों से कुल 250 बहुमूल्य सुझाव एकत्रित और वितरित किए गए। इसी क्रम में, कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स विभाग में आयोजित सुझाव मेले का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक (कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स) भास्कर प्रसाद द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (ऑपरेशन्स) के। एन। झा और आई।ई।डी। विभाग से वरीय प्रबंधक प्रीति कुमारी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। संयंत्र के कर्मियों ने इन कार्यक्रमों में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और विभाग की उत्पादकता, सुरक्षा तथा परिचालन संबंधी सुधारों के लिए अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किए। यह आयोजन टीम वर्क, नवाचार और संगठनात्मक विकास के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने की दिशा में बोकारो इस्पात संयंत्र की एक प्रभावी पहल है। कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी और उनके तकनीकी सुझाव न केवल कार्यस्थल की चुनौतियों का समाधान करने में सहायक होंगे, बल्कि यह निरंतर सुधार के माध्यम से संयंत्र को उत्कृष्टता के नए शिखर पर ले जाने की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा जारी परीक्षा के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) से कराया गया अवगत

जिला का नाम खराब नहीं हो, एसओपी का सख्ती से करें अनुपालन : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : आगामी 12 अप्रैल 2026 को प्रस्तावित झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) द्वारा आयोजित झारखंड उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता परीक्षा 2023 के सफल, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को शिबू सोरेन स्मृति भवन सभागार में एक महत्वपूर्ण ब्रीफिंग सत्र आयोजित किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने संयुक्त रूप से की, जिसमें जिले के सभी परीक्षा केंद्राधीक्षक, दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी तथा संबंधित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में उपायुक्त अजय नाथ झा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता बनाए रखना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बोकारो का नाम किसी भी परिस्थिति में खराब नहीं होना चाहिए, इसके लिए सभी संबंधित पदाधिकारी झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करें।

उन्होंने सभी केंद्राधीक्षकों एवं दंडाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे एसओपी का गहन अध्ययन करें, उसमें वर्णित प्रत्येक बिंदु को समझें तथा अपने-अपने दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी, ईमानदारी एवं सतर्कता के साथ निर्वहन करें।

परीक्षा में कदाचार की संभावना को समाप्त करने हेतु उपायुक्त ने पुलिस अधीक्षक को परीक्षा से पूर्व जिले के सभी होटलों, लॉज एवं ठहराव स्थलों पर विशेष छापेमारी अभियान चलाने की बात कहीं।

इस अभियान का उद्देश्य बाहरी संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करना, अवैध गतिविधियों पर रोक लगाना एवं परीक्षा से संबंधित किसी भी प्रकार की साजिश को विफल करना है।

मौके पर पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता, कदाचार या बाहरी हस्तक्षेप को रोकने के लिए दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक है। इस दौरान बिना अनुमति प्राप्त कोई भी मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करेगा।

उन्होंने कहा कि, सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती रहेगी। निर्देश दिया कि संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जाए, परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ न लगने दी जाए। किसी भी आपात स्थिति में जिला नियंत्रण कक्ष/वरीय पदाधिकारी को अवगत कराते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिले में इस परीक्षा के लिए कुल 27 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 12,840 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे।

परीक्षा की पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की जाएगी। प्रत्येक अभ्यर्थी की बायोमैट्रिक उपस्थिति अनिवार्य होगी। प्रवेश के समय सघन जांच (फ्रिस्किंग) की व्यवस्था की जाएगी। परीक्षा कक्ष में प्रतिबंधित सामग्री के प्रवेश पर पूर्णतः रोक रहेगी।

बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि परीक्षा केंद्रों पर ससमय गेट खोल दिए जाएं ताकि अभ्यर्थियों की सुगम एंट्री सुनिश्चित हो सके। पहचान पत्र की सघन जांच के बाद ही प्रवेश दिया जाए।

संक्षिप्त खबरें

पटमदा डिग्री कॉलेज में सचिव ने की बैठक

पटमदा : बुधवार को पटमदा डिग्री कॉलेज जाल्ला के प्राचार्य कक्ष में सचिव चंद्रशेखर टुडू की अध्यक्षता में एक अति आवश्यक बैठक हुई। पटमदा डिग्री कॉलेज, जाल्ला शुरू से ही समाज सेवा का एक मिसाल पेश करते आ रहे हैं। जिसमें भीषण गर्मी के चलते रक्त की कमी को देखते हुए एक मेगा रक्तदान शिविर आयोजन करने का निर्णय बैठक में लिया गया। जिसमें एमजीएम मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के ब्लड सेंटर के सहयोग से 18 अप्रैल शनिवार को 10 बजे से रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें कॉलेज के छात्र-छात्रा, प्राध्यापक - प्राध्यापिका, जमीन दाता, अभिभावक, कॉलेज के शुभचिंतक, समाज के बुद्धिजीवी, समाजसेवी, पत्रकार बंधु सारे लोगों को इस महान रक्तदान शिविर में उपस्थित होकर रक्तदान करने एवं रक्तदाताओं को उत्साहित करने के लिए विशेष रूप से आग्रह किया जा रहा है। जिससे जरूरतमंद रोगियों को आसानी से रक्त उपलब्ध कराया जा सके। रक्तदान जीवन दान इस महान वाणी को चरितार्थ करते हुए। रक्तदान शिविर में शामिल होने के लिए सभी को आमंत्रित किया गया।

हेंसालोंग रेलवे स्टेशन में रेल विभाग के अधिकारियों ने जड़ा ताला, यात्रियों को नही मिल रहा पीने का पानी

ईचागढ़ : चांडिल मुरी रेलखंड के हेसालोंग रेलवे स्टेशन में बुधवार को यात्रियों ने स्टेशन पर जमकर बबाल मचाया। स्टेशन में यात्रियों के लिए एक चापाकल लगाया गया है और चापाकल में रेलवे के किसी अधिकारी द्वारा ताला जड़ दिया गया है। यात्रियों को पीने का पानी नहीं मिलने से यात्रियों ने चापाकल में लगे ताला को खोलने का मांग किया। चापाकल का ताला खोलने का मांग करते ही स्टेशन पर मौजूद एक रेलवे पदाधिकारी आपा खो बैठे और यात्रियों से उलझ पड़े एवं चापाकल सिर्फ रेलवे कर्मचारियों का स्तेमाल के लिए है बताकर ताला खोलने से मना कर दिया। रेलवे स्टेशन पर मौजूद यात्रियों ने भी जमकर बबाल मचाया और चापाकल में लगे ताला को सार्वजनिक स्तेमाल के लिए ताला खोलने का मांग पर अड़े रहे। यात्रियों का बबाल को देखते हुए रेल कर्मी वहां से टीकर काउंटर में चले गए, जिससे यात्री शांत हुए। यात्रियों का कहना है कि स्टेशन परिसर में लगे चापाकल यात्रियों के लिए सार्वजनिक किया जाय। यात्रियों एवं स्थानीय लोगों ने इस संबंध में उच्च पदाधिकारियों को लिखित रूप से शिकायत करने की भी बात कही।

अग्निशमन सेवा सप्ताह के अंतर्गत महिला समिति के स्वावलंबन केंद्र में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र में अग्निशमन सेवा सप्ताह 2026 के तहत सेक्टर-04 स्थित बोकारो महिला समिति के स्वावलंबन केंद्र में अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा प्रतिभागियों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोकारो महिला समिति की अध्यक्ष, शुभम रंजन उपस्थित रहीं। इस अवसर पर बोकारो महिला समिति की उपाध्यक्ष, अन्य पदाधिकारी एवं स्वावलंबन केंद्र के कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान सीआईएसएफ अग्निशमन इकाई के निरीक्षक निलेश कुमार एवं उनकी टीम द्वारा अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव, संभावित जोखिमों की पहचान तथा आपात स्थिति में अपनाई जाने वाली आवश्यक सावधानियों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

कार्यालय, जिला ग्रामीण विकास शाखा, सिमडेगा

प्रधानमंत्री आवास योजना – ग्रामीण अन्तर्गत प्रखण्ड समन्वयक एवं लेखापाल–सह–कम्प्यूटर ऑपरेटर के पद पर संविदा के आधार पर नियुक्ति के लिए दावा आपत्ति के पश्चात सुधार/निराकरण संबंधी सूचना।

प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण अन्तर्गत प्रखण्ड समन्वयक एवं लेखापाल–सह–कम्प्यूटर ऑपरेटर के पद पर संविदा के आधार पर नियुक्ति हेतु इस कार्यालय के ज्ञापांक 1448 (ii) दिनांक 28.12.2025 द्वारा दिनांक 02.01.2026 से 10.01.2026 तक दावा आपत्ति संबंधी सूचना प्रकाशित कि गई थी उक्त निर्धारित तिथि तक प्राप्त आवेदनों का सुधार/निराकरण कर लिया गया है। जिसे जिले के वेबसाईट www.simdega.nic.in पर देखा जा सकता है।

उप विकास आयुक्त,
सिमडेगा

PR 376935 Simdega(26-27)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, सिमडेगा।
Email Id- rwdsimdega@gmail.com

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना (e-Procurement Call)
अल्पकालीन ई–निविदा सूचना संख्या – 01/2026-27/RWD/SIMDEGAदिनांक – 08-04-2026
1.कार्य की विस्तृत विवरणी:जिला अनाबद्ध मद अन्तर्गत (Untied Fund)

क्र० सं०	प्रखण्ड	आइडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	बाँसजोर	RWD/SIM/ 01/01/2026-27	Construction of PCC Road at VIII- Kulamara REO to Road GOVT. Primary School Dumaramunda.Bansjore Block, District Simdega	24.98927 (चौबीस लाख अंठानबे हजार नौ सौ सताईस रूपये मात्र)	50000.00 (पचास हजार रूपये मात्र)	5000.00 (पाँच हजार रूपये मात्र)	04 माह
2.	बोलबा	RWD/SIM/ 01/02/2026-27	Construction of culvert 2x15'0"x6'0" near Abhiyan school between Talmanga Basti to Nawatoli Road GP Piriyapoch at Bolba block In Simdega.	24.17300 (चौबीस लाख सत्रह हजार तीन सौ रूपये मात्र)	48500.00 (अड़तालीस हजार पाँच सौ रूपये मात्र)	5000.00 (पाँच हजार रूपये मात्र)	04 माह
3.	ठेठईटांगर	RWD/SIM/ 01/03/2026-27	Construction of PCC Road at village Jampani to Bambalkera Road in Panchayat Bambalkera Block Thethaltangar in Simdega (Part-1)	24.97588 (चौबीस लाख संतानबे हजार पाँच सौ अठासी रूपये मात्र)	50000.00 (पचास हजार रूपये मात्र)	5000.00 (पाँच हजार रूपये मात्र)	04 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 11-04-2026
3. अल्पकालीन ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय – 25-04-2026 अपराह्न 05:00 बजे तक।
4. अल्पकालीन ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 27-04-2026 पूर्वाह्न 11:30 बजे।
5. अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता – कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, सिमडेगा।
6. अल्पकालीन ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06525-299956 एवं मोबाईल नम्बर 9973512046
7. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि विभागीय पत्रांक 3130 अनु० दि० 09-10-2023 के निर्देशानुसार केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
8 निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही निविदादाता की होगी।
9. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है। अग्रधन की राशि परिमाण विपत्र के अनुसार मान्य होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, सिमडेगा

PR 376975 (Simdega)26-27*D

राघव चड्ढा से दूरी: आम आदमी पार्टी में बढ़ती दरार या नेतृत्व पर सवाल?

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को पार्टी के भीतर जिस तरह हाशिए पर धकेला गया है, उसने न केवल उनके राजनीतिक भविष्य बल्कि पार्टी की आंतरिक स्थिति पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्हें राज्यसभा में नेता पद से हटाया जाना महज एक संगठनात्मक निर्णय नहीं, बल्कि एक बड़े राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि राघव चड्ढा अभी भी पार्टी में बने हुए हैं लेकिन पार्टी नेतृत्व और उनके बीच बढ़ती दूरी अब छिपी नहीं है। पार्टी नेताओं द्वारा उनकी "पार्टी लाइन" से विचलन पर की गई तीखी आलोचना और दूसरी ओर राघव का सोशल मीडिया के माध्यम से खुद को जनहित के मुद्दों का पक्षधर बताना, स्पष्ट संकेत देता है कि दोनों पक्षों के बीच वैचारिक और रणनीतिक मतभेद गहरा चुके हैं। राघव चड्ढा पार्टी के शुरूआती दौर से जुड़े रहे हैं और उन्हें "थिंक टैंक" के रूप में देखा जाता था। ऐसे में उनकी भूमिका को लेकर उत्पन्न अनिश्चितता केवल एक व्यक्ति का संकट नहीं, बल्कि संगठनात्मक असंतुलन का प्रतीक बनती जा रही है। यह पहली बार नहीं है जब पार्टी के किसी प्रमुख चेहरे ने दूरी बनाई हो। पिछले एक दशक में कई बड़े नेताओं का पार्टी से अलग होना एक पैटर्न की ओर इशारा करता है। शाजिया इल्मी, प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, कुमार विश्वास, आशुतोष, अलका लांबा जैसे नाम केवल व्यक्ति नहीं बल्कि वे ऐसी शख्सियत थीं जिन्होंने कभी पार्टी की वैचारिक दिशा तय की थी। लगातार हो रहे इन प्रस्थानों से यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि समस्या व्यक्तियों में थी या फिर पार्टी की कार्यशैली और नेतृत्व शैली में कोई मूलभूत कमी है। एक-एक कर पार्टी छोड़ चुके नेताओं ने पार्टी सुप्रीमो एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर गंभीर आरोप लगाए थे कि उनकी व्यक्तिगत महत्वकांक्षा के चलते पार्टी दिशा भ्रमित हो गई है। आम आदमी पार्टी की शुरूआत 2012 में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक जनांदोलन से हुई थी, जिसका मूल आधार पारदर्शिता, जवाबदेही और आंतरिक लोकतंत्र था। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि आआपा के कई नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसौदिया और सत्येंद्र जैन को भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल जाना पड़ा, हालांकि अभी उन पर अदालत से दोष सिद्ध नहीं हुआ, लेकिन निःस्संदेह, इससे पार्टी की छवि पर धब्बा तो लगा है। कई पूर्व नेताओं ने खुलकर यह कहा कि पार्टी में निर्णय कुछ चुनिंदा लोगों तक सीमित हो गए हैं। इससे न केवल असहमति की जगह कम हुई, बल्कि संवाद की संस्कृति भी प्रभावित हुई। परिणामस्वरूप, संगठन के भीतर विचारों की विविधता की जगह टकराव ने ले ली। दिल्ली और पंजाब में सत्ता हासिल करने के बाद पार्टी का तेजी से विस्तार हुआ, लेकिन इस विस्तार के साथ मजबूत संगठनात्मक ढांचे की जरूरत भी बढ़ी। विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी इस चुनौती से पूरी तरह नहीं निपट सकी। समन्वय की कमी, संवादहीनता और नेतृत्व पर अत्यधिक निर्भरता ने कई बार आंतरिक असंतोष को जन्म दिया। राघव चड्ढा को पार्टी के युवा और शिक्षित चेहरे के रूप में प्रस्तुत किया गया। वे रणनीतिकार, प्रवक्ता और संसदीय नेता के रूप में सक्रिय रहे हैं। हालांकि, वर्ष 2023 में उन पर राज्यसभा में "फर्जी हस्ताक्षर" से जुड़ा विवाद भी सामने आया, जिसके कारण उन्हें निलंबन झेलना पड़ा। उन्होंने इन आरोपों को राजनीतिक साजिश बताया। महत्वपूर्ण यह है कि पार्टी ने कभी भी उनके खिलाफ भ्रष्टाचार या अनुशासनहीनता का औपचारिक आरोप नहीं लगाया, फिर भी उन्हें पद से हटाया जाना इस बात का संकेत है कि असहमति को किस तरह देखा जा रहा है। यह पूरा घटनाक्रम एक बड़े प्रश्न की ओर ले जाता है। क्या आम आदमी पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र कमजोर हो रहा है? क्या पार्टी में वैकल्पिक विचारों के लिए पर्याप्त जगह है? जब भी कोई वरिष्ठ नेता असहमति जताता है और अंततः किनारे हो जाता है, तो यह केवल व्यक्तिगत विवाद नहीं रह जाता, बल्कि संस्थागत संरचना पर प्रश्नचिह्न बन जाता है।

सूडोकु नवताल- 7759

★★★½☆ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7758 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

कब पुनः शुरू होगी वरिष्ठ नागरिकों की 'रेल यात्रा छूट'?

निर्मल रानी

मार्च 2020 में कोरोना महामारी के दौरान दुनिया के अनेक देशों में तरह तरह के अभूतपूर्व फैसले लिये गये थे। प्रायः ऐसे फैसलों का मकसद कोरोना महामारी के संक्रमण को यथासंभव रोकना था। इसी दौरान पूरे विश्व में हवाई यातायात तक ठप्प हो गया था। अनेक देशों में लॉक डाउन लगा दिया गया था। कल-कारखाने सभी प्रकार के यातायात, व्यवसाय, उद्योग बाजार आदि सभी बंद कर दिये गये थे। भारत भी उन्हीं देशों में एक था जहाँ पूर्ण लॉक डाउन लगा दिया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं 24 मार्च 2020 की रात को पहले चरण के राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की थी। 25 मार्च 2020 की मध्यरात्रि से लागू हुआ प्रथम चरण का यह पूर्ण लॉकडाउन पहले तो केवल 21 दिनों का बताया गया था परन्तु बाद में भी इसे कई चरणों में आगे बढ़ाया गया था। इसी पूर्ण लॉकडाउन के दौरान रेल सहित देश की सभी यातायात सुविधाओं को पूर्णतः स्थगित कर दिया गया था। कोरोना का प्रभाव कम होने के बाद भारतीय रेलवे ने 12 मई से चरणबद्ध तरीके से यात्री ट्रेनों को फिर से शुरू करने की योजना बनाई थी। इसके अंतर्गत सर्वप्रथम 15 "विशेष" ट्रेनों के द्वारा नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को असम, बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, जम्मू, झारखंड, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना और त्रिपुरा के प्रमुख शहरों से जोड़ा गया था। बाद में धीरे धीरे इनका विस्तार किया गया। भारत सरकार ने इस अवसर का 'लाभ' उठाते हुये वरिष्ठ नागरिकों को रेल यात्रा में रेल टिकट पर मिलने वाली आंशिक छूट को पूरी तरह समाप्त कर दिया था। वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली छूट को समाप्त करते समय सरकार द्वारा यह तर्क दिया गया था कि "अनावश्यक यात्रा रोकने" के लिये यह छूट समाप्त की गयी है। परन्तु आज पूरे छः वर्ष बीत जाने के बाद भी जबकि देश भर में ट्रेन सेवाएं लगभग सामान्य हो चुकी हैं, यह छूट आज तक बहाल नहीं हुई है। गौरतलब है कि उसी दौरान प्रधानमंत्री ने यह कहा था कि इतनी बड़ी आपदा, भारत के लिए एक संकेत लेकर आई है, एक संदेश लेकर आई है, एक अवसर लेकर आई है। भारत ने आपदा को, अवसर में बदल दिया है। रेल विभाग ने भी इसी 'आपदा में अवसर' देखते हुये कोरोना काल की आड़ में कई ऐसे निर्णय ले डाले जो सरकार के लिये भले ही लाभदायक रहे हों परन्तु रेल यात्रियों के लिये तो हरगिज नहीं थे। मिसाल के तौर पर अनेक पैसेंजर ट्रेन को एक्सप्रेस ट्रेन बताकर कहीं स्टॉपेज कम कर दिये गये तो कहीं किराया बढ़ा दिया गया। कई ट्रेन स्थाई रूप से कैंसिल कर दी गयी तो कई ट्रेन के रुट बदल दिये गये। इनमें से कोरोना काल के समय किये गये कुछ परिवर्तन तो यथापूर्व किये गये परन्तु कुछ कोरोना काल समाप्त होने के बावजूद आज तक वैसे ही हैं। जैसे कि कोरोना काल में वरिष्ठ नागरिकों को रेल यात्रा में रेल टिकट पर मिलने वाली आंशिक छूट को पूरी तरह समाप्त कर दिया जाना।

सवाल यह है कि जब यह छूट समाप्त करते समय "अनावश्यक यात्रा रोकने" जैसा तर्क दिया गया था तो आज तक उस छूट को पुनः लागू क्यों नहीं किया गया ? जबकि अब न केवल कोरोना काल के पूर्व की लगभग सभी ट्रेन्स चल रही हैं बल्कि अनेक नई ट्रेन्स भी पटरियों पर दौड़ने लगी हैं? गौरतलब है कि भारतीय रेल ने छात्र, दिव्यांगजन, रोगी, स्वतंत्रता सेनानी, युद्ध विधवाएँ जैसी कुल 53 श्रेणियों में विभिन्न स्तर पर छूट दी थी। इन्हीं में वरिष्ठ नागरिक भी शामिल थे। वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली टिकट छूट की सुविधा विभिन्न चरणों में 1985 में शुरू की गई थी। अगस्त 2001 से इसे स्वैच्छिक बना दिया गया अर्थात वरिष्ठ नागरिक चाहें तो छूट ले सकते थे। लेकिन यात्रा के दौरान छूट लेने वालों को अपनी आयु का कोई न कोई प्रमाण जैसे आधार, पैन कार्ड या पासपोर्ट आदि यात्रा के समय अपने साथ रखना अनिवार्य कर दिया गया था। इस सुविधा का लाभ देश के बुजुर्गों ने 35 वर्षों तक उठाया परन्तु स्वयं को लोकहितकारी बताने का ढिंढोरा पीटने वाली मोदी सरकार ने इसे कोरोना की आड़ में समाप्त कर दिया। जो सरकार छूट समाप्त करते समय "अनावश्यक यात्रा रोकने" जैसा तर्क दे रही थी वही सरकार अब इसे सरकार पर "वित्तीय बोझ" मान रही है। सरकार का तर्क है कि रेलवे पहले से ही भारी घाटे में चल रही है । रेल मंत्री संसद में बता भी चुके हैं कि रेलवे सभी यात्रियों को औसतन 45% सब्सिडी दे रही है । गोया प्रत्येक यात्री को पहले से ही काफी राहत मिल रही है। कुछ आंकड़े बताते हैं कि सरकार 'अनावश्यक यात्रा रोकने' जैसे उपाय कर देश के बुजुर्गों से अब तक दस हजार करोड़ से अधिक रुपए कमा चुकी है।

इसी सन्दर्भ में इस बात का जिक्र करना भी जरूरी है कि बुजुर्गों की रेल यात्रा छूट समाप्त करने वाली यही सरकार जब चाहती है और जहाँ से चाहती है विभिन्न तीर्थ स्थलों की मुफ़्त यात्रा हेतु विशेष ट्रेन चला देती है। जब चाहती है चुनावी राज्यों के लिये स्थानीय प्रवासियों हेतु विशेष ट्रेन चलाकर उन्हें मतदान करने हेतु निःशुल्क भेजती है। गोया अपने वोट बैंक साधने के लिये तो सरकार तत्पर रहती है परन्तु इसी सरकार के पास न तो कोरोना काल की शुरूआत में इन्हीं प्रवासी मजदूरों को उनके राज्यों व शहरों तक भेजने के लिये कोई ट्रेन थी न ही आज उन ट्रेन्स पर चलने वाले बुजुर्गों के लिये पूर्व में मिलने वाली छूट? हालाँकि कभी कभार अपुष्ट सूत्रों से यह खबर सुनाई देती है कि शायद सरकार पुनः यह छूट देने पर विचार कर रही है। परन्तु इस पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया जा सका है। विपक्षी सांसदों ने इसे "बुजुर्गों के साथ अन्याय" बताते हुये लोकसभा में भी कई बार सवाल उठाए परन्तु सत्ता पक्ष ने "वित्तीय कारण" देकर यह सुविधा शुरू करने से इनकार कर दिया। बुजुर्ग संगठनों में भी इसे लेकर काफी नाराजगी व गहरी निराशा है। इसी लिये देश यह सवाल कर रहा है कि जब सांसदों विधायकों को आजीवन पेंशन देने के लिये "वित्तीय कारण" आड़े नहीं आते तो आखिर सरकार बुजुर्गों को ट्रेन में छूट क्यों नहीं दे रही? वरिष्ठ नागरिकों को आज भी इस बात की आस है कि आखिर रेल यात्रा में मिलने वाली छूट कब शुरू होगी?

कांग्रेस अध्यक्ष का अनर्गल प्रलाप

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु जब यह प्रतिस्पर्धा तथ्यों, नीतियों और विचारों से हटकर कटु, उग्र और विभाजनकारी भाषा में बदल जाए, तब समझ लीजिए वह लोकतंत्रीय चेतना को आहत करने लगी है। कहना होगा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा असम की एक चुनावी सभा में भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को "जहरीला सांप" बताने वाला बयान इसी गिरते राजनीतिक स्तर का परिचायक है। यह टिप्पणी देखी जाए तो संपूर्ण लोकतांत्रिक मयार्दाओं और सामाजिक सौहार्द पर आज प्रश्नचिह्न खड़ा करती दिखती है।

असम के नीलांबाजार में दिए गए इस बयान में खड़गे ने धार्मिक संदर्भ का उपयोग करते हुए मुसलमानों से यहां तक कह दिया कि "कुरान में लिखा है कि नमाज पढ़ते समय अगर कोई जहरीला सांप दिख जाए तो उसे तुरंत मार देना चाहिए।" इसी तर्ज पर उन्होंने भाजपा-आरएसएस को "खत्म करने" की बात कही। बोले, "बीजेपी-आरएसएस वह जहरीला सांप है। अगर इन्हें नहीं मारा तो जान बचाना मुश्किल हो जाएगा।" यह भाषा राजनीतिक आलोचना कहीं से भी नहीं है बल्कि एक खतरनाक संकेत समाज में वैमनस्य फैलाने के संबंध में है। यदि इस पूरे विवाद को तथ्यों और जमीनी हकीकत के संदर्भ में देखा जाए, तब सच स्वयं में प्रकाशमान हो उठता है, समझ आता है कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का लगाया गया आरोप कितना विद्वेशपूर्ण और असत्य है। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अक्सर अल्पसंख्यक खासकर (मुसलमान और ईसाई) विरोधी होने का आरोप लगाया जाता है, किंतु सरकारी योजनाओं और उनके लाभार्थियों के आंकड़े इस दावे को कमजोर करते हैं। वहीं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हर विपदा के दौरान एवं सहज स्थिति में समाज जीवन के हित जो कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, वे इस झूठ को सिरे से नकारने के लिए पर्याप्त हैं।

पिछले एक दशक में केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं पर नजर डालें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि इनका लाभ बिना किसी भेदभाव के समाज के हर वर्ग तक पहुंचा है। उदाहरण के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2015 से 2024 के बीच लगभग 03 करोड़ से अधिक पक्के मकानों का निर्माण हुआ। विभिन्न राज्यों के आंकड़ों के अनुसार, इन लाभार्थियों में अल्पसंख्यक समुदाय की हिस्सेदारी कई स्थानों पर उनकी जनसंख्या के अनुपात से कहीं अधिक रही है। उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में कई जिलों में मुस्लिम लाभार्थियों की हिस्सेदारी 25 फीसद से 35 प्रतिशत के बीच दर्ज की गई, जबकि उनकी जनसंख्या लगभग 18-20% के आसपास है।

इसी प्रकार प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 9.6 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन वितरित किए गए। पेट्रोलियम मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इनमें बड़ी संख्या में मुस्लिम और अन्य अल्पसंख्यक महिलाओं को लाभ मिला। कई सामाजिक अध्ययनों में यह पाया गया कि ग्रामीण मुस्लिम परिवारों में उज्ज्वला योजना का प्रभाव विशेष रूप से सकारात्मक रहा, जिससे धुएं से होने वाली बीमारियों में कमी आई।

किसी को नहीं भूलना चाहिए कि स्वास्थ्य क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना एक ऐतिहासिक पहल रही है। इस योजना के अंतर्गत 50 करोड़ से अधिक लोगों को 05 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवरेज दिया गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अब तक 06 करोड़ से अधिक अस्पताल उपचार इस योजना के तहत हो चुके हैं। इनमें अल्पसंख्यक समुदाय की भागीदारी उल्लेखनीय रही है, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां आर्थिक रूप से पिछड़े मुस्लिम समुदाय बड़ी संख्या में रहते हैं।

आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का प्रभाव भी उल्लेखनीय है। इस योजना के तहत अब तक 40 करोड़ से अधिक ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से लगभग 60 फीसद लाभार्थी महिलाएं हैं। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, मुस्लिम समुदाय के छोटे व्यापारियों और कारीगरों ने इस योजना का व्यापक लाभ उठाया है। कई राज्यों में मुद्रा लोन प्राप्त करने वालों में मुस्लिम उद्यमियों की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत तक पहुंची है।

शिक्षा के क्षेत्र में भी केंद्र सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के लिए चलाई जा रही छात्रवृत्ति योजनाएं उल्लेखनीय हैं। प्री-मैट्रिक, पोस्ट-मैट्रिक और मेरिट-कम-मीन्स स्कॉलरशिप के तहत हर वर्ष लाखों छात्रों को सहायता दी जाती है। 2014 से 2023 के बीच 05 करोड़ से अधिक छात्रवृत्तियां वितरित की गईं, जिनमें बड़ी संख्या मुस्लिम छात्रों की रही है। इसके बाद के सालों में भी यही स्थिति देखने को मिलती है, वस्तुतः यह दशार्ता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भाजपा सरकार की प्राथमिकता "समावेशी विकास" है, न कि "चयनात्मक लाभ" किसी को प्रदान करना है।

अब एक सरल उदाहरण से भी इसे समझ लेते हैं, मान लीजिए किसी राज्य में मुस्लिम आबादी 20 प्रतिशत है, किंतु जब सरकारी योजनाओं के लिए आवेदन आते हैं, तो उनमें से 30-40 प्रतिशत लाभार्थी मुस्लिम समुदाय से होते हैं। इसका कारण यह है कि ये योजनाएं धर्म के आधार पर नहीं, आर्थिक और सामाजिक जरूरत के आधार पर लागू की जाती हैं। यानी जो गरीब है, वंचित है, वही प्राथमिकता में आता है चाहे वह किसी भी धर्म-समुदाय का ही क्यों न हो। राज्य स्तर पर भी यही प्रवृत्ति दिखाई देती है। असम में हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में चल रही योजनाओं में सभी समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के दौरान कानून-व्यवस्था और योजनाओं के वितरण में पारदर्शिता आई है, जिससे सभी वर्गों को समान रूप से लाभ मिला है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखण्ड, दिल्ली, गुजरात, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र आज आप किसी भी भाजपा शासित राज्य के आंकड़ों को उठाकर देख कसते हैं। जनसंख्या के अनुपात में सबसे अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ उल्पसंख्यक विशेषकर मुसलमानों के द्वारा ही उठाया जा रहा है।

इसके विपरीत, कांग्रेस का राजनीतिक नैरेटिव लंबे समय से "भय" और "भ्रम" पर आधारित रहा है। अल्पसंख्यकों में उसके द्वारा खासतौर पर मुसलमानों और ईसाईयों के बीच यह संदेश देने की कोशिश की जाती रही है कि भाजपा और संघ उनके विरोधी हैं। किंतु जब वास्तविकता में योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचता है, तो यह नैरेटिव कमजोर पड़ता है।

राजनीतिक विमर्श में भाषा की मयार्दा अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। "जहरीला सांप" और "मार देना चाहिए" जैसे शब्द सीधे तौर पर उकसावे की श्रेणी में आते हैं। यह लोकतांत्रिक संवाद को कमजोर करते हैं और समाज में विभाजन को बढ़ावा देते हैं। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में इस प्रकार की भाषा बोलना पूरी तरह से अनुचित और खतरनाक है। यह सभी समझ लें कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा पर यदि निष्पक्ष दृष्टि से विचार किया जाए, तो उसका मूल उद्देश्य राष्ट्र को संगठित करना और उसे सशक्त बनाना है। संघ की प्रार्थना में प्रतिदिन "भारत को परम वैभव तक पहुंचाने" की कामना की जाती है। यही दृष्टिकोण भारतीय जनता पार्टी की नीतियों में भी परिलक्षित होता है, जहां "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" उसकी नीति का आधार है।

ऐसे में अब प्रश्न यही उठता है कि आखिर समाज में "जहर" कौन फैला रहा है? कौन समाज को बांटने वाली भाषा का उपयोग कर रहा है? या वह जो विकास और समावेशन की बात कर रहा है? वस्तुतः कहना होगा कि आज मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान कांग्रेस की वर्तमान स्थिति को भी दशार्ता है, जहां ठोस मुद्दों की बजाय भावनात्मक और विभाजनकारी भाषा का सहारा लिया जा रहा है। कांग्रेस को यह समझ लेना होगा कि भारत की जनता अब पहले से अधिक जागरूक है। वह भाषण से कहीं अधिक काम देखती है। आरोपों से अधिक वह परिणामों का मूल्यांकन करती है।

देश में पिछले वर्षों के दौरान व्यापक स्तर पर जिस प्रकार से जनकल्याणकारी योजनाओं का विस्तार हुआ है और उनका लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचा है, उसने आज विकास की राजनीति को टिकाऊ बना दिया है। यही कारण है जो भाजपा लगातार राज्यों में अपनी जीत दर्ज करा रही है। यहां समग्रता से कांग्रेस के लिए कहना यही है कि वह समय के साथ "अनर्गल प्रलाप" और झूठ फैलाना बंद करे। "वास्तविक विकास" बनाम विकास विहीन समाज के बीच के अंतर को स्पष्ट रूप से समझ ले, अन्यथा ऐसा न हो कि कांग्रेस जो अभी विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी है, उसके लिए स्वयं का अस्तित्व भी बचाए रखना मुश्किल हो जाए, क्योंकि जनता सब देख रही है, वो सब जानती है!

कैसे सेहत और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते स्ट्रा

विवेक शुक्ला

हम सब अपने पसंदीदा पेय - ठंडी कॉफी, ताजा नींबू पानी या कोक को पीने के लिए स्ट्रॉ का इस्तेमाल बिना एक पल सोचे कर लेते हैं। ये हमें सुविधाजनक, साफ-सुथरा और सुरक्षित लगता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह छोटा-सा प्लास्टिक या पेपर स्ट्रॉ हमारी सेहत और पर्यावरण दोनों को चुपचाप नुकसान पहुँचा रहा है? इन छोटे से स्ट्रॉ का केवल कुछ मिनटों के लिए इस्तेमाल होता है, इसलिए इनसे होने वाले नुकसान की कोई चर्चा ही नहीं हो पाती है। लेकिन दुनिया भर में हर दिन इस्तेमाल किए जाने वाले स्ट्रा समुद्र तट और महासागर की सफाई के दौरान सबसे आम कचरे में से एक होते हैं।

अपने छोटे और हल्के आकार के कारण स्ट्रॉ की शायद ही कभी रीसायक्लिंग होती हो। ये नदियों, समुद्रों और कचरा स्थलों (लैंडफिल) में पहुंच जाते हैं, जहां ये सैकड़ों साल तक बने रह सकते हैं। राजधानी के पर्यावरणविद् और उद्यमी गुरसेव चावला कहते हैं, भारत में हमारी बड़ी आबादी और बढ़ती कैफे कल्चर के कारण स्ट्रॉ का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जिससे समस्या और गंभीर हो रही है।

कुछ साल पहले, दुनिया के कई हिस्सों में प्लास्टिक स्ट्रॉ पर प्रतिबंध लगना शुरू हुआ, जिसका लोगों ने स्वागत किया। इसके बाद पेपर और मकई से बने प्लास्टिक के स्ट्रॉ बाजार में आए और उन्हें "पर्यावरण के अनुकूल" विकल्प के रूप में देखा गया। लेकिन लोगों की धारणा और वास्तविकता के बीच अंतर है। चावला ने इस विषय की गहराई से रिसर्च की। कई देशों का दौरा किया। उन्होंने जो पाया, वह चौंकाने वाला और चिंताजनक था। अपनी शोध की यात्रा ने उन्हें "कामार्पैक्स" नामक कंपनी शुरू करने के लिए प्रेरित किया, जो गन्ने के अपशिष्ट से बने स्ट्रॉ बनाती है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले स्ट्रॉ के पीछे छिपी सच्चाइयों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का काम किया।

प्रख्यात चिकित्सक और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं, कई पेपर स्ट्रॉ में रसायन होते हैं, जिन्हें "फॉरएवर केमिकल्स" भी कहा जाता है। ये आसानी से नष्ट नहीं होते और लंबे समय तक पर्यावरण और हमारे शरीर में बने रह सकते हैं। इन्हें नष्ट करने के लिए विशेष औद्योगिक परिस्थितियों की जरूरत होती है, जो भारत के अधिकांश शहरों में उपलब्ध नहीं हैं।

प्लास्टिक स्ट्रॉ क्यों हानिकारक हैं

प्लास्टिक स्ट्रॉ सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली एकल-उपयोग (सिंगल-यूज) वस्तुओं में से एक हैं। जब ये गर्मी, धूप या नींबू पानी जैसे अम्लीय पेय के संपर्क में आते हैं तो ये माइक्रोप्लास्टिक नामक छोटे कण छोड़ जाते हैं। माइक्रोप्लास्टिक बहुत छोटे प्लास्टिक कण होते हैं, जो हमारे भोजन और पेय के माध्यम से हमारे शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। प्लास्टिक में ऐसे रसायन भी होते हैं जो हमारे हार्मोन को प्रभावित कर सकते हैं और समय के साथ हमारी सेहत को तबाह करने लगते हैं। एक स्ट्रॉ भले ही नुकसानदेह न लगे, लेकिन इसके नियमित इस्तेमाल से इसका प्रभाव बढ़ता जाता है और यह एक गंभीर चिंता का कारण बन सकता है। यह दिखाता है कि केवल प्लास्टिक को किसी अन्य सामग्री से बदलना पर्याप्त नहीं है- विकल्प वास्तव में सुरक्षित और टिकाऊ होना चाहिए।

बेहतर विकल्प क्या

यहीं पर गन्ने के से बने स्ट्रॉ एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आते हैं। बगैस का हिंदी अर्थ खोई है, जो गन्ना या ज्वार का रस निकालने के बाद बचा हुआ सूखा, रेशेदार अवशेष होता है। यह मुख्य रूप से चीनी मिलों में ईंधन, बिजली उत्पादन, कागज, लुगदी और पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग सामग्री (डिस्पोजेबल प्लेट, कप) बनाने के लिए एक नवीकरणीय स्रोत के रूप में उपयोग किया जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह भारत में आसानी से उपलब्ध है। आप इसे देश के बड़े चीनी उद्योग का उप-उत्पाद कह सकते हैं।

विशेषज्ञ मानते हैं कि बगास से बने स्ट्रॉ के कई फायदे हैं। जैसा कि ये पूरी तरह प्लास्टिक-मुक्त और गैर-विषैले होते हैं, इनमें हानिकारक रसायन नहीं होते और ये प्राकृतिक रूप से नष्ट हो जाते हैं और घर पर भी गल सकते हैं। ये कृषि अपशिष्ट से बनाए जाते हैं, जिससे बेकार चीज उपयोगी बन जाती है। ये रोजमर्रा के उपयोग के लिए पर्याप्त मजबूत होते हैं और पेय में कोई हानिकारक पदार्थ नहीं छोड़ते।

क्या यह बड़े स्तर पर संभव है?

सबसे अच्छी बात ये यह है कि बगास आधारित उत्पादों का उत्पादन पहले से ही बढ़ रहा है। पर्यावरण अनुकूल विकल्पों की बढ़ती मांग और सिंगल-यूज प्लास्टिक पर सख्त नियमों के कारण कई व्यवसाय अब ऐसे विकल्प अपनाने लगे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आज के उपभोक्ता अधिक जागरूक हो रहे हैं। वे उन ब्रांड्स को पसंद करते हैं जो वास्तव में पर्यावरण की परवाह करते हैं। व्यवसायों के लिए सुरक्षित विकल्प अपनाने से विश्वास और ब्रांड छवि दोनों में सुधार हो सकता है।

क्या बदलने की जरूरत है

सरकारी नीतियां भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। केवल प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाना पर्याप्त नहीं है। यह स्पष्ट होना चाहिए कि "सुरक्षित" और "कम्पोस्टेबल" किसे कहा जाए। भ्रामक दावों पर नियंत्रण होना चाहिए और कृषि अपशिष्ट का उपयोग करने वाले उद्योगों को समर्थन मिलना चाहिए। चावला कहते हैं कि उपभोक्ताओं के लिए संदेश सरल है: केवल लेबल पर भरोसा न करें। सवाल पूछें और अपने स्वास्थ्य तथा पर्यावरण के लिए सही निर्णय लें।

दैनिक पंचांग

9 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मीन में	मेष	06.04 बजे से
चंद्र	धनु में	वृष	07.44 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.43 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	11.56 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.12 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.24 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.35 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.49 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.05 बजे से
		मकर	01.11 बजे से
		कुंभ	02.57 बजे से
		मीन	04.30 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2026 वर्ष का 99 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र)
पक्ष कृष्ण
तिथि सप्तमी 21.20 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 08.49 बजे को समाप्त।
योग परिघ 17.58 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 08.13 बजे तदनन्तर बव 21.20 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 20.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 07° 30'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872674
जूलियन दिन 2461139.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल **तारीख** 20
विशेष मासिक कृष्ण जन्माष्टमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने दिए निर्देश, अधूरे कार्य शीघ्र पूर्ण करने पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला योजना कार्यालय अंतर्गत संचालित योजनाओं/कार्यों एवं क्राफ्ट ट्रेनिंग सेंटर योजना कार्यान्वयन समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सर्वप्रथम वित्तीय वर्ष 2023-24 के अंतर्गत संचालित पंचायत भवन निर्माण योजनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा सभी लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत चार अपूर्ण योजनाओं की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों में तेजी लाएं और निर्धारित समयसीमा के भीतर योजनाओं को पूर्ण करें।राजमहल एवं बरहेट में नव निर्मित इनडोर स्टेडियम के सुचारू संचालन को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि जल्द से जल्द इनडोर स्टेडियम में खेल गतिविधियों का संचालन प्रारंभ किया जाए, ताकि स्थानीय खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा मिल सके। नीति आयोग योजना के अंतर्गत जिले के 50 विद्यालयों में पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इस पर उपायुक्त ने सभी विद्यालयों का निरीक्षण कर व्यवस्था की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष, जेएसएलपीएल डीपीएम मतीन तारिक, कार्यपालक अभियंता (ग्रामीण विशेष प्रमंडल) रामाकांत प्रसाद सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

कीटनाशक दवाई खाने से विवाहित महिला की मौत, प्राथमिकी दर्ज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहेट थाना क्षेत्र के रक्सी गांव में एक विवाहित महिला ने कीटनाशक दवाई खाने से मौत होने का मामला प्रकाश में आया है। मिली जानकारी के अनुसार विवाहिता महिला के पति रोहित कुमार शाह के 20 वर्षीय पत्नी पूनम कुमारी है। आगे की जानकारी के अनुसार बीते मंगलवार देर शाम पति-पत्नी छोटी मोटी बात को लेकर आपस में झगड़ा हो गए, इस दौरान पत्नी ने कुछ देर बाद घर में रखा चावल डालने वाली कीटनाशक दवा हाथ लग गई और खा ली। इसके बाद साम को समय 7:00 बजे महिला की तबीयत धीरे-धीरे बिगड़ने लगी, परिजनों को कीटनाशक खाने की जानकारी मिली तो प्रेम ज्योति मिशन चंद्रगोरा लेकर गया, वही इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। मृतिका के परिजनों की घटना की जानकारी मिलती ही रक्सी गांव पहुंचकर मामले की जानकारी ली। मृतिका के भाई मनोहर कुमार ने मृतिका के पति रोहित साह, पिता डाहरु साह, सास चमेली देवी के विरुद्ध प्राथमिक दर्ज कराई है। भाई ने तीनों के विरुद्ध कीटनाशक खिलाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार ने कहा कि 45/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज किया गया है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर साहिबगंज पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। आगे बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी। वहीं मृतका अपने साथ डेढ़ वर्ष की एक पुत्र के साथ भरा पूरा परिवार छोड़ गए।

जनगणना 2027 : जिले में फील्ड ट्रेनरों का प्रशिक्षण संपन्न, पहले चरण की तैयारियां तेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : भारत की आगामी जनगणना 2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) को सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु जिले में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में जिले के फील्ड ट्रेनरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण सूचना भवन सभागार में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, जिला सहकारिता पदाधिकारी चंद्रजीत खलखो, अंचलाधिकारी हिरणपुर सह मास्टर ट्रेनर मनोज कुमार, अंचलाधिकारी महेशपुर सह मास्टर ट्रेनर संजय कुमार सिन्हा तथा जनगणना निदेशालय के उप निदेशक गजेन्द्र गुप्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन ने बताया कि जनगणना 2027 का कार्य दो चरणों में संपन्न किया जाएगा। प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 01 मई से 30 मई 2026 के बीच जिले में पूरा किया जाएगा, जबकि द्वितीय चरण, अर्थात जनसंख्या गणना का कार्य फरवरी 2027 में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी तथा यह कार्य प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा घर-घर जाकर संपादित किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर मनोज कुमार एवं संजय कुमार सिन्हा ने फील्ड ट्रेनरों को जनगणना की विस्तृत प्रक्रिया, डेटा संग्रहण के तरीके, तकनीकी उपयोग तथा सर्वेक्षण से संबंधित सभी आवश्यक बिंदुओं की जानकारी दी। बताया गया कि प्रथम चरण में कुल 34 प्रश्नों के माध्यम से मकानों से संबंधित विभिन्न जानकारियां एकत्र की जाएंगी, जिनमें मकान की स्थिति, निर्माण सामग्री, उपलब्ध सुविधाएं जैसे टीवी, इंटरनेट, मोबाइल, वाहन आदि शामिल हैं। जनगणना के दौरान एकत्रित सभी जानकारियां पूरी तरह गोपनीय रखी जाएंगी तथा उनका उपयोग केवल शासकीय योजनाओं के निर्माण एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए किया जाएगा। प्रशिक्षण के उपरांत फील्ड ट्रेनर अपने-अपने क्षेत्रों में प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे, जिसके बाद वे निर्धारित अवधि में घर-घर जाकर जानकारी संकलित करेंगे।

काली स्कॉर्पियो से फेंका गया रेलकर्मी का शव, हत्या की आशंका; पुलिस जांच में जुटी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज: जिले के बरहरवा थाना क्षेत्र के बिंदुपाड़ा में उस समय सनसनी फैल गई, जब अज्ञात लोगों द्वारा एक व्यक्ति का शव काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी से फेंककर फरार हो जाने की घटना सामने आई। मृतक की पहचान कोलाही डांगा निवासी चंदन बेसरा के रूप में हुई है, जो बिंदुपाड़ा स्थित बिंदुवासिनी हॉल्ट पर रेलकर्मी के रूप में कार्यरत थे। घटना की सूचना मिलते ही बरहरवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। मृतक के भाई स्टीफन ने बताया कि उन्हें बरहरवा थाना से फोन पर उनके भाई की हत्या की जानकारी दी गई। वहीं, मृतक के भाई की पत्नी माइनो मुर्मू ने बताया कि चंदन बेसरा का अपनी पत्नी के अलावा एक अन्य महिला के साथ भी संबंध था, परिजनों ने इसी आधार पर हत्या की आशंका जताई है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी घटनास्थल पर पहुंची, जिसमें से चंदन बेसरा को मृत अवस्था में सड़क किनारे फेंक दिया गया और गाड़ी तुरंत मौके से फरार हो गई। पुलिस अब उस वाहन और उसमें सवार लोगों की पहचान करने में जुटी है।घटनास्थल पर पहुंचे बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू से जांच की जा रही है। पुलिस हत्या, आपसी रंजिश सहित अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखते हुए छानबीन कर रही है। फिलहाल शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने विभिन्न गोदामों एवं केंद्रों का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में जन वितरण प्रणाली एवं खाद्य आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से जिला आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया गया। इस क्रम में उन्होंने जेएसएफसी गोदाम, महेशपुर, पाकुड़िया एवं अमड़ापाड़ा का निरीक्षण किया। साथ ही महेशपुर स्थित धान अधिप्राप्ति केंद्र, दमदमा लैम्प्स लिमिटेड, पाकुड़िया प्रखंड स्थित पाकुड़िया लैम्प्स लिमिटेड, तथा अमड़ापाड़ा स्थित आलूबेड़ा अधिप्राप्ति केंद्र का भ्रमण एवं निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भंडारण, वितरण व्यवस्था एवं अभिलेखों की जांच करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, महेशपुर प्रखंड स्थित इंडियन गैस एजेंसी कार्यालय का भी निरीक्षण किया गया, जहां गैस आपूर्ति व्यवस्था एवं उपभोक्ता सेवाओं की समीक्षा की गई। जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी कार्य निर्धारित मानकों एवं पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित किए जाएं, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जामनगर पंचायत में आवास योजनाओं को लेकर सख्ती, निर्माण नहीं करने वाले लाभुकों पर कार्रवाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के राजमहल प्रखंड के पंचायत पूर्वी जामनगर एवं पश्चिम जामनगर में बुधवार को प्रखंड प्रशासन द्वारा अबुआ आवास एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी मो. यूसुफ, मनरेगा प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी गगन बापू, कंप्यूटर सहायक सह आवास नोडल रविकांत रवि, आवास प्रभारी, पंचायत सहायक, मुखिया एवं वार्ड सदस्य सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए बीडीओ मो. यूसुफ ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी लाभुक जल्द से जल्द अपने आवास का निर्माण कार्य पूर्ण करें। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि जो लाभुक निर्धारित समय सीमा में निर्माण कार्य पूरा नहीं करेंगे, उनसे प्राप्त सरकारी राशि की वसूली की जाएगी। अधिकारियों ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि सरकार की मंशा है कि हर जरूरतमंद को समय पर पक्का आवास उपलब्ध कराया जाए, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
निर्माण कार्य नहीं करने पर तीन लाभुकों पर कार्रवाई क्षेत्र भ्रमण के दौरान पश्चिम जामनगर में तीन लाभुक–कौशल्या देवी, अलुवती देवी एवं रश्मि देवी के पति राजकुमार रविदास–द्वारा वर्ष 2023-24 में पहली किस्त प्राप्त करने के बावजूद आवास निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किए जाने का मामला सामने आया। पूर्व में नोटिस एवं कड़ी चेतावनी के बावजूद प्रगति नहीं होने पर प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए तीनों लाभुकों को राजमहल थाना लाया, जहां उनसे बॉन्ड भरवाया गया। शर्त रखी गई कि वे अगले दो दिनों के भीतर निर्माण कार्य प्रारंभ करेंगे, जिसके बाद उन्हें छोड़ा गया। इस दौरान आवास प्रभारी संतोष सिंह, मुखिया प्रतिनिधि चिरंजीव सरकार, पंचायत सहायक नसीम, राजेश सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

प्रशासन का संदेश स्पष्ट

प्रखंड प्रशासन ने साफ कर दिया है कि आवास योजनाओं में लापरवाही करने वाले लाभुकों के खिलाफ आगे भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि जरूरतमंदों को समय पर योजना का लाभ मिल सके।

एक नजर

बाइक व टोटो के आमने-सामने की टक्कर में दो घायल

साहिबगंज: जिले के तीनपहाड़-राजमहल मुख्य मार्ग पर झमझमियां काली मंदिर के पास बुधवार को बाइक चालक और टोटो चालक के बीच आमने-सामने की टक्कर में बाइक चालक और टोटो में बैठे एक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार टोटो चालक राजमहल की और से यात्री लेकर तीनपहाड़ की ओर जा रहा था। इसी दौरान सिरसी की ओर से आ रहे बाइक चालक थाना क्षेत्र के रजवाड़ा निवासी अकबर शेख (38) की टक्कर टोटो चालक से हो गया। जिसमें बाइक चालक बीच सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं इस टक्कर में टोटो में बैठे यात्री थाना क्षेत्र के हसन टोला निवासी नाजिर शेख (55) भी गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों को आस-पास के लोगों की मदद से इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी में मौजूद डॉक्टर के द्वारा दोनों का प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। मौके से टोटो चालक भागने में सफल रहा घटना की सूचना मिलते ही थाना पुलिस अस्पताल पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गए थे।

खेत विवाद को लेकर हुई हिंसक झड़प दोनों पक्षों के दो आरोपी गिरफ्तार

साहिबगंज: जिले के राजमहल थाना क्षेत्र के रायबाजार गांव में खेत में लगी फसल पर कब्जे को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज करते हुए त्वरित कार्रवाई की और दोनों पक्षों से एक-एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पहले पक्ष के रायबाजार निवासी बैजनाथ मंडल ने पुलिस को बताया कि 7 अप्रैल को गांव के चार नामजद लोग लाठी-डंडे से लैस होकर उसके खेत में पहुंचे और जबरन फसल ले जाने का प्रयास करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। इस मामले में थाना कांड संख्या 104/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। वहीं दूसरे पक्ष के संतोष घोष ने शिकायत में बताया कि गांव के ही दो नामजद व्यक्तियों एवं उनके परिजनों ने उस पर तलवार से जानलेवा हमला करने की कोशिश की, हालांकि वह बाल-बाल बच गया। इस मामले में थाना कांड संख्या 105/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पहले पक्ष की शिकायत पर संतोष यादव तथा दूसरे पक्ष की शिकायत पर बैजनाथ मंडल को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

सरकारी जमीन पर हुए अवैध निर्माण पर चला प्रशासन का बुलडोजर

साहिबगंज: शहर के भवन निर्माण कार्यालय के सामने स्थित महावीर नगर कॉलोनी में सरकारी जमीन पर किए जा रहे अवैध निर्माण के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। अंचल अधिकारी बासुकीनाथ टुडू के नेतृत्व में बुधवार को मौके पर पहुंची प्रशासनिक टीम ने चल रहे निर्माण कार्य को पूरी तरह ध्वस्त कर जमीन को अतिक्रमण मुक्त करा दिया। मिली जानकारी अनुसार संबंधित भूमि पहले से ही जज क्वार्टर निर्माण के लिए आवंटित है। इसके बावजूद कुछ अज्ञात लोग वहां अवैध रूप से निर्माण कार्य करा रहे थे। स्थानीय स्तर पर मामले की जानकारी मिलते ही अंचल प्रशासन हरकत में आया और बिना देर किए कार्रवाई करते हुए अवैध ढांचे को गिरा दिया।

संक्षिप्त खबरें

पाकुड़ को बड़ी सौगात : दो एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित

पाकुड़: जिले के रेल यात्रियों के लिए बड़ी राहत भरी खबर है। उप मुख्य संचालन प्रबंधक (पूर्व) कोलकाता काशी राजकुमार के पत्र के आलोक में पाकुड़ रेलवे स्टेशन पर दो महत्वपूर्ण एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित किया गया है। इनमें 12041/12042 हावड़ाझन्यू जलपाईगुड़ी शताब्दी एक्सप्रेस तथा 22611/22612 एमजीआर चेन्नई सेंट्रलझन्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस शामिल हैं। इन ट्रेनों के ठहराव का विधिवत ऑनलाइन उद्घाटन आज संध्या 5:15 बजे प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर पदाधिकारी विश्रामालय के समीप केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी के कर कमलों द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर रेलवे प्रशासन द्वारा तैयारियां जोरों पर हैं। कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण स्टेशन अधीक्षक लख्खीराम हेम्ब्रम, वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (कार्य) परितोष रंजन, वरिष्ठ विद्युत अभियंता राजू कुमार, वरिष्ठ दूरसंचार अभियंता संजय कुमार ओझा तथा स्टेशन मास्टर कुमार विकास ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर ईजरप्पा के अध्यक्ष हिसाबी राय एवं सचिव राणा शुक्ला भी उपस्थित रहे। सूत्रों के अनुसार, इस कार्यक्रम में हावड़ा मंडल के कई वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। इनमें मंडल रेल प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल संचालन प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता तथा अन्य अधिकारी मौजूद रहने की संभावना है। नए ठहराव के तहत ट्रेनों का समय भी निर्धारित कर दिया गया है। 12041 (हावड़ा–न्यू जलपाईगुड़ी शताब्दी) पाकुड़ में 17:42 बजे पहुंचेगी और 17:44 बजे प्रस्थान करेगी, जबकि 12042 (न्यू जलपाईगुड़ी–हावड़ा) 09:49 बजे आएगी और 09:51 बजे रवाना होगी। इसी तरह 22611 (चेन्नई–न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस) 20:51 बजे आगमन कर 20:53 बजे प्रस्थान करेगी, जबकि 22612 (न्यू जलपाईगुड़ी–चेन्नई) 03:19 बजे पहुंचेगी और 03:21 बजे रवाना होगी। ये समय अलग-अलग तिथियों से प्रभावी किए गए हैं। रेलवे सूत्रों के अनुसार, इन ट्रेनों का ठहराव फिलहाल 6 महीने के लिए प्रयोगात्मक आधार पर लागू किया गया है। इस सुविधा से पाकुड़ के यात्रियों को हावड़ा, चेन्नई और न्यू जलपाईगुड़ी जैसे प्रमुख शहरों के लिए सीधी कनेक्टिविटी मिल गई है। हालांकि, पाकुड़ से दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन की मांग अब भी जारी है, जिसे लेकर पहले आंदोलन भी किया जा चुका है। रेलवे की इस नई पहल से क्षेत्र में आवागमन सुगम होने के साथ-साथ विकास को भी नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

बाल श्रम उन्मूलन हेतु जागरूकता अभियान चलाया गया

पाकुड़: श्रम अधीक्षक, पाकुड़ के द्वारा सदर प्रखंड अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों—बस स्टैंड पाकुड़, भगतपाड़ा मेन रोड, हाटपाड़ा, अंबेडकर चौक, मालपहाड़ी रोड, रेलवे फाटक पाकुड़ एवं मौलाना चौक में बाल श्रम उन्मूलन एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान होटल, गैरेज एवं अन्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया तथा सभी प्रतिष्ठान संचालकों को सख्त निर्देश दिया गया कि वे किसी भी परिस्थिति में बाल श्रम का उपयोग न करें। श्रम अधीक्षक गिरीश चन्द्र प्रसाद ने बताया कि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी भी प्रकार के कार्य में नियोजित करना पूर्णतः प्रतिबंधित है। साथ ही 14 से 18 वर्ष तक के किशोरों को खतरनाक कार्यों में नियोजित करना भी कानूनन अपराध है। उन्होंने आगे कहा कि उल्लंघन की स्थिति में नियोजक पर 20,000 से 50,000 तक का जुमार्ना अथवा 06 माह से 02 वर्ष तक का कारावास या दोनों दंड का प्रावधान है। जिले में बाल श्रम उन्मूलन के लिए लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। इस अभियान में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी पाकुड़ अनुप्रिया सोरेन, श्रम विभाग के कर्मी एवं जनलोक कल्याण समिति के सदस्य सक्रिय रूप से उपस्थित थे।

कुरियर से भेजते चोरी के मोबाइल, हवाला से होता पेमेंट

साहिबगंज: जिले के तीनपहाड़ क्षेत्र अंतर्गत स्थानीय चोर गिरोह अब कुरियर से चुराये गये मोबाइल को गंतव्य स्थल तक पहुंचा रहा है। सौदा तय हो जाने व तथाकथित प्रोडक्ट पसंद आ जाने पर हवाला से पेमेंट कर दिया जा रहा है। चोर गिरोह के धंधे के इस तरकीब को लेकर पुलिस चौकन्ना है। दरअसल, स्थानीय पुलिस की बढ़ती दबिश व हाल के दिनों में चुराये गये मोबाइल की कई बड़ी खेप पकड़े जाने के बाद चोर गिरोह का सरगना अपने धंधे का तरीका अब बदल दिया है। सूत्रों ने बताया कि बड़े शहरों में चोरी किये मोबाइल को इकट्ठा कर किसी के माध्यम से गंतव्य स्थल तक पहुंचाना काफी जोखिम भरा हो गया है। इसलिए अब उसे कुरियर से भेजा जा रहा है। इससे गिरोह के सरगना को दिल्ली, कोलकाता, मुम्बई, कर्नाटक सहित देश के किसी भी हिस्से से यहां पहुचाने में पकड़े जाने का डर नहीं के बराबर रहता है। एक जानकार व्यक्ति ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि एक कुरियर बॉक्स में सामान्यतः चोरी के 15-20 मोबाइल को भरकर भेज दिया जाता है। आमतौर पर कंपनी के लोग कुरियर करने वाले व्यक्ति से मोबाइल या सामान का कागजात नहीं मांगते हैं। इस वजह गिरोह को मोबाइल कुरियर करने में आसानी होती है। प्रत्येक मोबाइल का देश के अलग-अलग हिस्सों से दूरी के हिसाब से खर्च पड़ता है। अमूमन कुरियर करने में मात्र 150 से 200 रुपये खर्च आता है। इसबीच एक वरीय पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि मोबाइल चोर गिरोह के धंधे के नये तरीके पर पुलिस की नजर है। चोर गिरोह के सरगना पुलिस से बचने के लिए कोई भी तरकीब अपनाये, वह पुलिस की नजर से बहुत दिनों तक नहीं बच सकता है। उसे दबोच कर पूरे मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। वीडियो कॉलिंग से अब चोरी के मोबाइल की खरीदारी देश के विभिन्न शहरों में पहुंच कर मोबाइल चोर गिरोह भीड़ भाड़ वाले एरिया की रेकी कर वहां ऑपरेशन शुरू कर देता है। चोरी के बाद जब दो-तीन दर्जन मोबाइल इकट्ठा हो जाता है तो उसे बेचने का जुगाड़ लगाया जाता है। इसके लिए वीडियो कॉलिंग कर मोबाइल दिखा कर उनकी दाम तय की जाती है। उसके बाद चोर गिरोह मोबाइल कुरियर कर उसकी रसीद व्हाट्सअप से संबंधित व्यक्ति को भेज देता है। उसके बाद वह हवाला के जरिये मोबाइल चोर गिरोह को पेमेंट मिल जाता है।

बरहेट प्रखंड कार्यालय के समक्ष ग्राम प्रधानों ने दिया धरना

साहिबगंज: बरहेट प्रखंड कार्यालय परिसर में बुधवार को मांझी परगना बैसी अंचल बरहेट के बैनर तले ग्राम प्रधानों ने धरना-प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान संघ के अध्यक्ष बेटका मुर्मू ने की। धरना के दौरान ग्राम प्रधानों ने आरोप लगाया कि झारखंड सरकार के निर्देश के तहत ग्राम प्रधानी क्षेत्र के विभिन्न पदों पर बहाली के लिए लगभग 500 लोगों ने अंचल कार्यालय में आवेदन दिया था। लेकिन तीन माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद बहाली प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी है। उन्होंने कहा कि अंचल कर्मियों की ओर से केवल तारीख पर तारीख दी जा रही है, जिससे आवेदक परेशान हैं और बार-बार कार्यालय का चक्कर लगाने को मजबूर हो रहे हैं। कहा कि नायकी, कूड़ाम नायकी, गुड़ित, जोग मांझी, परानिक एवं मोड़े मांझी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर जल्द बहाली की मांग की जा रही है। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी अंशु कुमार पांडे को एक मांग पत्र भी सौंपा गया। ग्राम प्रधानों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही बहाली प्रक्रिया शुरू नहीं की गई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। धरना-प्रदर्शन में ग्राम प्रधान सुशील टुडू, शाम मुर्मू, राम पहाड़िया, प्राणिक छोटा मुर्मू, गुड़ित बेटका मुर्मू, नायकी मानसिन मुर्मू, जोसेफ सोरेन सहित कई लोग मौजूद थे।

एक नजर

गजना धाम में दो दिवसीय महोत्सव का भव्य शुभारंभ

पलामू : जिले के हुसैनाबाद के सीमावर्ती बिहार के नबीनगर प्रखंड के गजना धाम परिसर में आयोजित दो दिवसीय गजना महोत्सव का शुभारंभ बुधवार को किया गया। महोत्सव के पहले दिन मुख्य कलाकार भाग्या पंडित की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही। स्थानीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के बीच पेंटिंग, मेहंदी और रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पलामू जिला परिषद के उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह उर्फ टुटू सिंह, औरंगाबाद जिला कला संस्कृति पदाधिकारी पप्पू राज और प्रखंड विकास पदाधिकारी अरुण सिंह के साथ न्यास समिति गजना के अध्यक्ष अवध बिहारी दास सहित कई गणमान्य लोग थे। समारोह में जिप उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह को मोमेंटो और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। महोत्सव के दूसरे दिन 09 अप्रैल को क्षेत्रीय कलाकारों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। अंडर-14 आयु वर्ग के छात्र-छात्राओं के बीच कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन होगा। आयोजकों को उम्मीद है कि इस वर्ष महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और दर्शक शामिल होंगे और यह आयोजन क्षेत्र के सांस्कृतिक उत्सव के रूप में नई पहचान बनाएगा।

आकाशीय बिजली गिरने से युवक की मौत

पूर्वी सिंहभूम : शहर के एमजीएम थाना क्षेत्र स्थित डिमना लेक के पास बुधवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक अज्ञात युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब मौसम अचानक खराब हो गया और तेज गर्जना के साथ बारिश शुरू हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, युवक डिमना लेक के समीप एक पेड़ के नीचे बैठा हुआ था। इसी दौरान तेज कड़क के साथ बिजली सीधे पेड़ पर गिर गई। बिजली गिरने की तीव्रता इतनी अधिक थी कि युवक गंभीर रूप से झुलस गया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर जुट गए और तुरंत पुलिस को जानकारी दी। सूचना पाकर एमजीएम थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मृतक की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। आसपास के ग्रामीणों और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की जा रही है ताकि युवक की पहचान हो सके और उसके परिजनों तक सूचना पहुंचाई जा सके।

ट्रेन की चपेट में आने से तीन मवेशियों की मौत

पूर्वी सिंहभूम : टाटानगर रेल खंड पर बुधवार को एक बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया, जब सुंदरनगर रेलवे फाटक के पास ट्रैक पर अचानक आए मवेशी ट्रेन की चपेट में आ गए। टाटानगर से बादामपहाड़ की ओर जा रही खाली कोच वाली ट्रेन ने तीन मवेशियों को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के कारण कुछ देर के लिए रेल परिचालन पूरी तरह बाधित हो गया, वहीं फाटक बंद रहने से सड़क यातायात भी प्रभावित हुआ। घटना सुबह करीब 11 बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही ट्रेन सुंदरनगर फाटक के पास पहुंची, उसी समय ट्रैक पर तीन मवेशी आ गए। लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाने की कोशिश की, लेकिन ट्रेन की रफ्तार अधिक होने के कारण टक्कर टालना संभव नहीं हो सका। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मवेशियों के शव ट्रैक पर बिखर गए और ट्रेन को तत्काल रोकना पड़ा।

कानून व्यवस्था को लेकर 82 जगहों पर पुलिस की रेड, 88 संदिग्ध हिरासत में

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : शहर में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों और सार्वजनिक स्थानों पर युवाओं की अड्डेबाजी पर लगाम लगाने के लिए जिला पुलिस ने अब सख्त रुख अपना लिया है। वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के निर्देश पर मंगलवार रात पूर्वी सिंहभूम जिले के विभिन्न शहरी थाना क्षेत्रों में एक साथ व्यापक छापेमारी अभियान चलाया गया। इस अभियान का मकसद कानून-व्यवस्था को मजबूत करना और असामाजिक तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करना था। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने शहर के कुल 82 चिन्हित स्थानों पर एक साथ दबिश दी। इन स्थानों में पार्क, सुनसान सड़कें, चौक-चौराहे, बाजार क्षेत्र और ऐसे ठिकाने शामिल थे जहां देर रात तक युवाओं के जमावड़े की शिकायत मिल रही थी। अभियान के दौरान पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों की गहन जांच-पड़ताल की और मौके पर मौजूद व्यक्तियों से पूछताछ की। छापेमारी के दौरान कुल 88 संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लेकर उनका सत्यापन किया गया। पुलिस ने इनसे देर रात बाहर रहने के कारणों की जानकारी ली और उनके आपराधिक इतिहास की भी जांच की। जिन लोगों ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया उन्हें कड़ी चेतावनी देकर छोड़ा गया, जबकि कुछ संदिग्धों के खिलाफ आवश्यक कानूनी प्रक्रिया भी शुरू की गई है। अभियान के दौरान पुलिस ने सिर्फ व्यक्तियों पर ही नहीं, बल्कि संदिग्ध हालत में खड़े वाहनों पर भी कार्रवाई की। शहर के विभिन्न इलाकों से कुल 44 वाहनों को जब्त किया गया, जिनमें बिना कागजात, अवैध पार्किंग और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन शामिल थे। संबंधित वाहन चालकों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। एसएसपी पीयूष पांडेय ने स्पष्ट किया है कि शहर की शांति और सुरक्षा व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

पश्चिमी सिंहभूम में अवैध खनन पर झामुमो सख्त प्रशासन को सात दिन का अल्टीमेटम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम में अवैध लौह अयस्क खनन को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने प्रशासन के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए 7 दिनों का अल्टीमेटम दिया है। चाईबासा परिसदन में बुधवार को जिला अध्यक्ष सोनाराम देवगम की अध्यक्षता में आयोजित कोर समिति की बैठक में इस मुद्दे पर गंभीर चर्चा की गई और त्वरित कार्रवाई की मांग की गई। जिला प्रवक्ता बुधराम लागुरी ने आरोप लगाया कि जेटया, नोवामुंडी, बड़ाजामदा और गुवा थाना क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अवैध खनन और परिवहन हो रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग संगठित तरीके से मशीनों के जरिए खनन कर ट्रकों के माध्यम से अयस्क बाहर भेज रहे हैं। बड़ाजामदा स्थित एक बंद खदान, जिसकी लीज समाप्त हो चुकी है, को इस अवैध कारोबार का मुख्य केंद्र बताया गया है। झामुमो का कहना है कि इस गतिविधि से सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है और प्रशासन की छवि भी प्रभावित हो रही है। पार्टी ने उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और कोल्हान डीआईजी सहित उच्च अधिकारियों को ज्ञापन सौंपते हुए जल्द कार्रवाई की मांग की है। बैठक में राहुल आदित्य, मन्नाराम कुदादा, दिलवर हुसैन, मोहम्मद मुजाहिद, अशोक दास, दुर्गा चरण देवगम, विनय प्रधान, विश्वनाथ बाड़ा, अकबर खान, प्रेम गुप्ता, अनुज पूर्ति, मंजीत हसदा, वंदना उरांव और जिलाउदीन अंसारी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीएस ने सदर अस्पताल का किया औचक निरीक्षण, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सदर अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान एवं उपाधीक्षक डॉ देवेश कुमार ने बुधवार को संयुक्त रूप से अस्पताल के विभिन्न इकाइयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की व्यवस्था, साफ-सफाई, मरीजों को मिल रही सुविधाएं तथा कर्मियों की कार्यशैली का गहनता से मूल्यांकन किया गया। निरीक्षण के क्रम में सिविल सर्जन ने ओपीडी, वार्ड, दवा वितरण केंद्र, लैब सहित अन्य महत्वपूर्ण इकाइयों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कई स्थानों पर साफ-सफाई की स्थिति की समीक्षा की और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल परिसर में स्वच्छता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए ताकि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सिविल सर्जन ने उपस्थित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को समय पर ड्यूटी पर उपस्थित रहने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर एवं त्वरित स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना सभी की जिम्मेदारी है। इसके साथ ही उन्होंने अस्पताल में संधारित किए जा रहे अभिलेखों की भी जांच की और उन्हें अद्यतन रखने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित कर्मियों से कहा कि सभी रिकॉर्ड सुव्यवस्थित एवं सही तरीके से संधारित किए जाएं ताकि आवश्यकता पड़ने पर आसानी से जानकारी उपलब्ध हो सके। उपाधीक्षक डॉ देवेश कुमार ने भी निरीक्षण के दौरान विभिन्न इकाइयों में व्यवस्थाओं का जायजा लिया और कर्मियों को विभागीय दिशा-निर्देशों का पालन करने को कहा। उन्होंने कहा कि अस्पताल की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए नियमित रूप से इस प्रकार के निरीक्षण जारी रहेंगे।

अवैध खनन पर प्रशासन की बड़ी कार्वाई, बालू लदा ट्रैक्टर जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले में अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन पर लगाम कसने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज के निर्देश पर खनन विभाग द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 7 अप्रैल 2026 की शाम करीब 6 बजे खान निरीक्षक, जिला खनन कार्यालय की टीम ने बरलंगा थाना क्षेत्र के हारूवेडा रेलवे फाटक के पास एक हरे रंग का ट्रैक्टर (जॉन डीरे 5039 डी) को जांच के दौरान पकड़ा। जांच में ट्रैक्टर के डाला में लगभग 100 घनफीट बालू लदा पाया गया, जबकि परिवहन से संबंधित कोई वैध चालान या दस्तावेज उपलब्ध नहीं था। जांच के दौरान स्पष्ट हुआ कि ट्रैक्टर के मालिक और अज्ञात चालक द्वारा अवैध रूप से बालू का उठाव और परिवहन किया जा रहा था, जिससे सरकार को राजस्व की क्षति पहुंची है। प्रशासन ने इसे गंभीर मामला मानते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू की। इस मामले में ट्रैक्टर के मालिक और अज्ञात चालक के खिलाफ सरकारी संपत्ति की चोरी और खनन राजस्व को नुकसान पहुंचाने के आरोप में बरलंगा थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह कार्रवाई खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 4 और 21, झारखंड लघु खनिज नियमावली, 2004 (संशोधित) के नियम 54 तथा झारखंड मिनरल्स (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम) नियम, 2017 के नियम 9 और 13 के तहत की गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। इस तरह की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए लगातार छापेमारी और निगरानी अभियान जारी रहेगा। प्रशासन ने आम लोगों से भी अपील की है कि वे अवैध खनन या परिवहन की जानकारी तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। यह कार्रवाई जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

खूंटी में लोक अदालत की तैयारियां तेज 25 अप्रैल और 9 मई को होगा आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : खूंटी में आगामी 25 अप्रैल को विशेष लोक अदालत (चेक बाउंस मामलों) और 09 मई को प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) की ओर से बुधवार को समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रसिकेश कुमार के निर्देशन में संपन्न हुई। इसमें पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) अखिल नितीश कुजूर सहित जिले के सभी थाना प्रभारी, डालसा के पदाधिकारी और सचिव उपस्थित रहे। बैठक में लोक अदालतों के सफल संचालन के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। संबंधित पक्षकारों को लोक अदालत में उपस्थित कराने के लिए नोटिस और समन की समय पर तामिला सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही थाना स्तर पर लंबित मामलों की पहचान कर उन्हें लोक अदालत के माध्यम से निपटाने के लिए अग्रसारित करने का निर्देश दिया गया। नोटिस तामिला की प्रक्रिया को तेज करने और पक्षकारों से संपर्क स्थापित करने के लिए पुलिस अधिकारियों और डीएलएसए के पैरा लीगल वॉलंटियर्स के बीच बेहतर समन्वय बनाने पर भी बल दिया गया। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने लोक अदालतों को सफल बनाने के लिए आपसी तालमेल के साथ कार्य करने और अधिक से अधिक मामलों का सौहार्दपूर्ण निपटारा सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया।

निजी विद्यालयों की फीस पर सख्ती शिकायत निवारण के लिए बनेगी समिति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : जिले में निजी, संबद्ध एवं सहायता प्राप्त विद्यालयों की फीस व्यवस्था को पारदर्शी और नियंत्रित बनाने के उद्देश्य से बुधवार को समाहरणालय सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में जिले के करीब 140 विद्यालयों के प्रधानाध्यापक शामिल हुए। बैठक में मुख्य रूप से विद्यालयों की ओर से ली जाने वाली फीस के निर्धारण, उसकी पारदर्शिता और अभिभावकों की शिकायतों के समाधान को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण (संशोधन) अधिनियम, 2017 के प्रावधानों के तहत उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि हर विद्यालय में एक समिति गठित की जाए, जो फीस से जुड़े मामलों की निगरानी करेगी। इस समिति में विद्यालय प्रबंधन का प्रतिनिधि अध्यक्ष, प्रधानाचार्य सचिव, तीन शिक्षक और चार अभिभावक सदस्य के रूप में शामिल होंगे। इसके साथ ही जिला स्तर पर भी एक समिति गठित करने का निर्णय लिया गया, जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त करेंगे। इस समिति में जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला परिवहन पदाधिकारी, चार्टर्ड एकाउंटेंट, दो प्राचार्य, दो अभिभावक, सांसद और विधायक को सदस्य के रूप में शामिल किया जाएगा। यह समिति फीस वृद्धि और उससे जुड़े विवादों पर अंतिम निर्णय लेगी। उपायुक्त ने सभी विद्यालयों को निर्देश दिया कि वे पिछले तीन शैक्षणिक सत्रों में ली गई फीस का पूरा विवरण संबंधित शिक्षा विभाग के अधिकारियों को उपलब्ध कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी विद्यालय की ओर से 10 प्रतिशत से अधिक फीस बढ़ाई जाती है, तो उसे जिला स्तरीय समिति की स्वीकृति लेना अनिवार्य होगा। एक बार तय की गई फीस दो वर्षों तक प्रभावी रहेगी। बैठक में पारदर्शिता पर विशेष जोर देते हुए विद्यालयों को निर्देश दिया गया कि वे फीस से संबंधित सभी जानकारियां अपने सूचना पट्ट और वेबसाइट पर सार्वजनिक करें। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि किसी भी छात्र या अभिभावक को यूनिफॉर्म या अन्य सामग्री किसी विशेष दुकान से खरीदने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। उपायुक्त ने नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी। पहली बार उल्लंघन करने पर 50 हजार से ढाई लाख रुपये तक का जुमार्ना या वसूली गई अतिरिक्त फीस की दोगुनी राशि वसूलने का प्रावधान बताया गया।

संक्षिप्त खबरें

व्यक्ति विशेष के लिए नहीं पूरे विश्व को अपनाने के लिए है णमोकार महामंत्र : पिंकी जैन

झुमरीतिलैया : पूरे भारतवर्ष एवं समस्त विश्व के देशों में 9 अप्रैल गुरुवार को एक साथ मनाया जाएगा। विश्व णमोकार मंत्र दिवस जैन समाज विश्व शांति महामंत्र णमोकार का करेगा उच्चारण वार्ड पार्षद पिंकी जैन ने कहा की णमोकार महामंत्र 84 लाख मंत्रों का राजा है। सभी कार्य के निर्विघ्न पूर्णता के लिए इस मंत्र का उच्चारण होता है इस मंत्र के निमित्त से भावों की इतनी शुद्धि होती है की सभी लौकिक और आध्यात्मिक सुख की प्राप्ति होती है इसके उच्चारण से भय चिंता और इच्छाओं का नाश होता है इस मंत्र में किसी व्यक्ति विशेष की नहीं शुद्ध अवस्था पवित्र आत्माओं को नमस्कार किया जाता है पार्षद पिंकी जैन ने कहा कि आज पूरा विश्व अशांत है युद्ध के मुहाने पर खड़ा है वैश्विक स्तर पर जान माल का भारी नुकसान हो रहा है इसे रोकने के लिए विश्व व्यापी णमोकार महामंत्र का उच्चारण ही शांति स्थापित कर सकता है।

डीएवी कोडरमा के छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड में लहराया परचम

कोडरमा : पी वी एस एस डीएवी पब्लिक स्कूल झुमरी तिलैया, कोडरमा के विद्यार्थियों ने अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देश-विदेश के लाखों छात्रों ने भाग लिया, जिसमें डीएवी कोडरमा के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के बारह छात्रों ने स्वर्ण पदक , बारह ने रजत एवं नौ छात्रों ने कांस्य पदक जीतकर हिंदी भाषा के प्रति अपनी गहरी समझ और दक्षता का परिचय दिया। इस उपलब्धि से न केवल विद्यालय परिवार बल्कि अभिभावकों में भी खुशी की लहर है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य कृष्ण कुमार सिंह ने सभी पदक विजेताओं को विद्यालय की प्रात:कालीन सभा में स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक के साथ सर्टिफिकेट प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन अभिभावकों के सहयोग और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। हिंदी ओलंपियाड छात्रों के लिए हिंदी भाषाई दक्षता प्रदर्शित करने एवं हिंदी भाषा के विकास का एक वैश्विक मंच है। इससे छात्रों में हिंदी व्याकरण, शब्दावली, लेखन कौशल के प्रति रुचि जागृत होती है तथा सांस्कृतिक मूल्यों में वृद्धि होती है।उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी छात्र विद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न प्रकार के ओलंपियाड प्रतियोगिताओं में इसी तरह विद्यालय का नाम रोशन करते रहेंगे। अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड में पहली कक्षा के भीम कुमार यादव एवं जयदीप, दूसरी कक्षा की पीहू भारती, तीसरी कक्षा के सिद्धि स्वरूप, चौथी कक्षा की श्रेया विश्वकर्मा, पांचवी कक्षा के तनमय सिंह, छठीं कक्षा के किसलय सिंह ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। वहीं पर हिंदी विकास संस्थान की तरफ से आयोजित परीक्षा में दूसरी कक्षा की अर्पना कुमारी, तन्मय सिंह एवं किसलय सिंह ने पुन: गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

रोटरी भवन में ज्ञान और सौहार्द का संगम क्विज प्रतियोगिता में दिखा उत्साह

झुमरी तिलैया : रोटरी भवन में आयोजित रोटरी क्विज कार्यक्रम ने सदस्यों के बीच ज्ञान, उत्साह और आपसी सौहार्द का अद्भुत माहौल प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के क्विज मास्टर रोटेरियन सुरेश जैन रहे, जिन्होंने रोचक अंदाज में प्रश्नोत्तरी का संचालन किया। इस ज्ञानवर्धक आयोजन में कुल 7 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया, जबकि 5 सदस्य पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान रोटरी से जुड़े विभिन्न विषयों पर पूछे गए प्रश्नों ने सदस्यों के ज्ञान को नए दृष्टिकोण से समृद्ध किया।प्रतियोगिता में रो संतोष सिन्हा, रो अमित कुमार, रो.नवीन आर्य, रो. संदीप सिन्हा, रो. कमल जैन सेठी, रो. कुमार पुजारा, ने पंजीकृत हो कर भाग लिया। उपस्थित अन्य सदस्यों में रोटेरियन रंजीत कौर, रोटेरियन सुधा शर्मा, रोटेरियन आरती आर्य, रोटेरियन एस. के. पाठक और रोटेरियन एस. के. सेठी ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। वहीं, रोटेरियन कैलाश चौधरी व्यक्तिगत कारणों से उपस्थित नहीं हो सके।क्विज मास्टर द्वारा पर्ची के माध्यम से प्रश्न निकाल कर उनके पूछे गए रैंडम प्रश्नों में तीन सही उत्तर देने वाले कुल 6 प्रतिभागियों—रोटेरियन संतोष सिन्हा, रोटेरियन संदीप सिन्हा, रोटेरियन नवीन आर्य, रोटेरियन कमल सेठी, रोटेरियन अमित कुमार और रोटेरियन कुमार पुजारा—को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने जोरदार तालियों के साथ आयोजन की सराहना की। उपस्थित सदस्यों ने इस तरह के ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक कार्यक्रमों की भविष्य में भी आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का समापन यूनाइट फॉर गुड के संदेश के साथ हुआ, जो रोटरी के मूल उद्देश्य—सेवा और एकता—को सशक्त रूप से दर्शाता है। इस तरह के रॉटरी क्यूज को हमेशा करते रहने के लिए सदस्यों ने अपनी सलाह दी। संतोष सिन्हा ने कार्यक्रम को प्रस्तुत करने मे रो सुरेश जैन की अहम भूमिका पर उनकी सराहना की और उनके समर्पण भावना को सलाम किया।

खूंटी के 111 गांवों के मोतियाबिंद मरीजों का होगा नि:शुल्क ऑपरेशन

खूंटी : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर संघ की एक टोली की ओर से सेवा वर्ष के तहत जनसेवा का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान की प्रेरणा अविभाजित भारत (अब पाकिस्तान) के दो स्वयंसेवकों और डीएवी शिक्षा क्रांति के पुरोधा महात्मा नारायण दास ग्रोवर और उनके भाई, पीजीआई चंडीगढ़ के प्रख्यात नेत्र सर्जन रहे डॉ अर्जुन दास ग्रोवर से ली गई है। कार्यक्रम का नेतृत्व 91 वर्षीय वरिष्ठ स्वयंसेवक पद्मभूषण कड़िया मुंडा और डॉ राजमोहन कर रहे हैं। सेवा अभियान के तहत खूंटी, सिमडेगा, पश्चिम सिंहभूम और ग्रामीण रांची के 111 गांवों में मोतियाबिंद पीड़ितों की पहचान कर उन्हें अस्पताल लाकर नि:शुल्क सर्जरी और फॉलोअप की व्यवस्था की जा रही है। प्रत्येक चयनित राजस्व ग्राम से लगभग 15-20 मरीजों को लाकर ऑपरेशन कराया जा रहा है। इसकी जानकारी देते हुए एसजीवीएस अस्पताल के निदेशक डॉ निर्मल सिंह ने बुधवार को बताया किइस अभियान के तहत अब तक 07 गांवों के बिरसाइत समाज के 115 से अधिक मरीजों की मोतियाबिंद सर्जरी की जा चुकी है। मरीजों को अस्पताल तक लानेझले जाने, भोजन, दवा, वस्त्र (साड़ी, धोती, कंबल) और ऑपरेशन से पहले और बाद की सभी सुविधाएं पूरी तरह निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। कई मरीजों को 50 से 245 किलोमीटर दूर से लाकर इलाज कराया गया। अभियान में अब तक 17 नेत्र सर्जनों ने मानद सेवाएं दी हैं। इनमें जनजातीय सर्जन डॉ दीपक मयार्नुस लकड़ा, डॉ सानूवेल अमन टोपनो, शंकर नेत्रालय के डॉ समीर और डॉ आबिद सहित अन्य चिकित्सक शामिल हैं। चंडीगढ़ स्थित ग्रोवर आई हॉस्पिटल के रेटिना विशेषज्ञ डॉ रोहित ग्रोवर और डॉ अंशु ग्रोवर भी ऑनलाइन परामर्श के माध्यम से सहयोग दे रहे हैं। वर्तमान में सप्ताह में तीन दिन सर्जरी का कार्य किया जा रहा है और प्रतिदिन औसतन 7 से 10 नि:शुल्क ऑपरेशन हो रहे हैं।

संक्षिप्त डायरी

भारत-नेपाल बॉर्डर पर हाई अलर्ट, रेल रूट से घुसपैठ का खतरा

पटना (एजेंसी) भारत-नेपाल सीमा पर बढ़ते सुरक्षा खतरे को लेकर बिहार में अलर्ट जारी कर दिया गया है. केंद्रीय एजेंसियों से मिले इनपुट के बाद डीजीपी विनय कुमार की अध्यक्षता में पटना के सरदार पटेल भवन में उच्चस्तरीय बैठक हुई, जिसमें रेल मार्ग से संभावित घुसपैठ और संगठित अपराध पर सख्त रणनीति बनाई गई. भारत-नेपाल की खुली सीमा का फायदा उठाकर भारत में घुसपैठ और तस्करी करने वाले नापाक मंसूबों पर बिहार पुलिस ने अब पूरी तरह नकेल कसने की तैयारी कर ली है. बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने सरदार पटेल भवन में एक उच्चस्तरीय आपात बैठक में न केवल राज्य पुलिस, बल्कि रेलवे सुरक्षा बल और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी भी शामिल हुए. रेल नेटवर्क के जरिए घुसपैठ की नई और खतरनाक साजिशों की जानकारी मिलने के बाद सीमावर्ती रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा का घेरा अब सुरक्षित बनाया जा रहा है. रेलवे ट्रैक पर सुरक्षा खुफिया रिपोर्टों में इस बात का खुलासा हुआ है कि अब सीमा पार से संदिग्ध गतिविधियों और संगठित अपराधों के लिए रेल नेटवर्क को एक सॉफ्ट टारगेट के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है. डीजीपी ने निर्देश दिए हैं कि सीमा से सटे हर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सघन चेकिंग की जाएगी और संदिग्ध सामानों की विशेष जांच के लिए तकनीक का सहारा लिया जाएगा. अब किसी भी यात्री की गतिविधि संदिग्ध लगने पर एजेंसियों के बीच सूचना साझा करने में एक पल की भी देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी. संयुक्त कार्रवाई के जरिए रेल मार्ग को घुसपैठियों के लिए पूरी तरह बंद करने की रणनीति पर मुहर लग चुकी है. फॉरेंसिक जांच से मजबूत हो रहा कानून बिहार पुलिस अब अपराध की गुत्थी सुलझाने के लिए लाठी से ज्यादा तकनीक और फॉरेंसिक साइंस पर भरोसा कर रही है. पुलिस मुख्यालय में आयोजित सम्मेलन में डीजीपी ने बताया कि अगले दो वर्षों के भीतर राज्य में 13 फॉरेंसिक साइंस प्रयोगशालाएं पूरी तरह एक्टिव हो जाएंगी. साल 2012 में जहां केवल 800 मामलों की फॉरेंसिक जांच होती थी, आज यह आंकड़ा 18 हजार तक पहुंच गया है. वर्तमान में पटना, मुजफ्फरपुर और भागलपुर समेत 4 क्षेत्रीय लैब काम कर रही हैं, जबकि 9 नई अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं की इमारतें बनकर तैयार हैं, जो अपराधियों को सजा दिलाने में मील का पत्थर साबित होंगी.

नवगछिया में अवैध बालू खनन पर रेड

पटना (एजेंसी) बिहार के भागलपुर जिले के नवगछिया में अवैध बालू खनन के खिलाफ एसडीएम रोहित कर्दम के नेतृत्व में खनन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने विजय घाट पर छापेमारी कर माफियाओं के नेटवर्क पर रेड किया. इस कार्रवाई के दौरान कई वाहन जब्त किए गए और एक चालक को गिरफ्तार किया गया है, जबकि कई लोग मौके से फरार हो गए. बिहार के नवगछिया सर्किल में अवैध बालू खनन के खिलाफ एसडीएम रोहित कर्दम के नेतृत्व में मंगलवार को विजय घाट पर हुई अचानक छापेमारी ने खनन माफियाओं के सिंडिकेट को हिला कर रख दिया है. जैसे ही प्रशासनिक बेड़ा घाट पर पहुंचा, वहां मौजूद माफियाओं में ऐसी अफरा-तफरी मची कि लोग अपनी मोटरसाइकिलें और ट्रैक्टर छोड़कर भागते नजर आए. पुलिस बल और अधिकारियों की इस ह्यजॉइंट रेडह्न ने साफ कर दिया है कि इलाके में अब कानून का राज चलेगा और अवैध खनन पर पूर्णविराम लगेगा. औचक निरीक्षण से माफियाओं में हड़कंप प्रशासन को सूचना मिली थी कि विजय घाट पर पिछले कई दिनों से बिना किसी लीज के बड़े पैमाने पर बालू की लूट मची है. सूचना की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम रोहित कर्दम ने खनन विभाग और पुलिस बल के साथ संयुक्त टीम बनाई और बिना किसी भनक के विजय घाट पर धावा बोल दिया. छापेमारी के दौरान मौके से एक विशाल पोकलेन मशीन, चार ट्रैक्टर और करीब आधा दर्जन लावारिस मोटरसाइकिलें बरामद की गईं. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर चालक को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश के लिए छापेमारी जारी है. बिना लीज के हो रहा था खेल कार्रवाई के बाद मीडिया से बात करते हुए एसडीएम रोहित कर्दम ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में नवगछिया क्षेत्र में बालू खनन के लिए किसी भी व्यक्ति या निजी संस्था को कोई लीज आवंटित नहीं की गई है. इसके बावजूद नियमों की धज्जियां उड़ाकर सरकारी राजस्व को चूना लगाया जा रहा था.

औरंगाबाद में दो मासूम भाई-बहनों की डूबने से मौत

पटना (एजेंसी) बिहार के औरंगाबाद जिले में दर्दनाक घटना घटी. यहां दो मासूम भाई-बहनों की तालाब में डूबने से मौत हो गई. घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया है. कहा जा रहा है कि दोनों तालाब किनारे खेल रहे थे. लेकिन अचानक उनका पैर फिसल गया और तालाब में डूबने से मौत हो गई. औरंगाबाद जिले के मदनपुर थाना इसाके के उमगा टोले बरछीवीर गांव में एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया. गांव के एक तालाब में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई, जिससे परिजनों में कोहराम मच गया. मृतकों की पहचान नालंदा निवासी विक्की सिंह की पांच साल की बेटी वैष्णवी कुमारी और तीन साल के बेटे रंजन कुमार के रूप में हुई है. तालाब किनारे खेल रहे थे बच्चे बताया जाता है कि दोनों बच्चे घर के पास के ही एक तालाब के किनारे खेल रहे थे. इसी दौरान अचानक बच्चे का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया. चंद सेकेंड में बच्ची भी गिर गई. काफी देर तक जब बच्चे नजर नहीं आए तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की. एक-दो लोगों ने बच्चों को तालाब के किनारे खेलते हुए देखा था. एक-एक कर मिला दोनों बच्चे का शव आशंका के आधार पर ग्रामीणों ने तालाब में उतरकर तलाश की तो एक-एक कर दोनों बच्चों का शव मिला. इसके बाद वहां कोहराम मच गया. घटना की सूचना मिलते ही मदनपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई. पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है. गोलगप्पे की दुकान से चलाता था परिवार इस घटना के बाद मृत बच्चों की मां पलक देवी का रो-रोकर बुरा हाल है. परिवार के अन्य सदस्य भी गहरे सदमे में हैं

पटना से पूर्णिया अब सिर्फ 3 घंटे में, बिहार के पहले एक्सप्रेस-वे को मिली मंजूरी

पटना (एजेंसी) बिहार के पहले एक्सप्रेसवे पटना-पूर्णिया प्रोजेक्ट को केंद्र सरकार से वित्तीय मंजूरी मिल गई है. आर्थिक कार्य विभाग की पीपीपीएसी ने इस प्रोजेक्ट को हरी झंडी दे दी है और अब इसे अंतिम मंजूरी के लिए केंद्रीय कैबिनेट के पास भेजा गया है. इस एक्सप्रेसवे के बनने से बिहार के कई जिलों की तस्वीर बदलने की उम्मीद है. बिहार के इंफ्रास्ट्रक्चर के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है. राज्य के पहले एक्सप्रेस-वे, पटना-पूर्णिया के निर्माण का रास्ता अब पूरी तरह साफ हो गया है. केंद्र सरकार के आर्थिक कार्य विभाग ने इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को वित्तीय मंजूरी दे दी है. अब पटना से सीमांचल की दूरी तय करना किसी सपने जैसा होगा, क्योंकि 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ती गाड़ियां इस स र को महज 3 घंटे में समेट देंगी. हैम मोड में होगा पटना-पूर्णिया प्रोजेक्ट का निर्माण इस मेगा प्रोजेक्ट को हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल के तहत बनाया जाएगा, जिसमें 40 प्रतिशत राशि सरकार और 60 प्रतिशत निर्माण एजेंसी लगाएगी. फिलहाल इसे चार लेन का बनाया जा रहा है, लेकिन दूरदर्शिता दिखाते हुए जमीन का अधिग्रहण छह लेन के हिसाब से किया जा रहा है. इसका मतलब है कि भविष्य में गाड़ियों का दबाव बढ़ने पर इसे आसानी से चौड़ा किया जा सकेगा. लगभग 32,000 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत वाली यह सड़क वैशाली के मीरनगर अरेजी (हाजीपुर) से शुरू होकर पूर्णिया के हंसदाह में ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर से मिल जाएगी.

नीतीश कैबिनेट की अहम बैठक: मुख्यमंत्री के तौर पर आखिरी मीटिंग की चर्चा

10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य की शपथ लेंगे नीतीश कुमार: क्या 16 अप्रैल के बाद बिहार को मिलेगा नया मुख्यमंत्री

पटना (एजेंसी) : नीतीश कैबिनेट की बैठक होने वाली है. इस बैठक में दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा मौजूद रहेंगे. आज की यह मीटिंग खास इसलिए जानी जा रही है क्योंकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अंतिम कैबिनेट बैठक हो सकती है. : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में बिहार कैबिनेट की बैठक आज (बुधवार) होने वाली है. मुख्य सचिवालय में यह बैठक होगी. इससे पहले फरवरी महीने में नीतीश कैबिनेट की बैठक हुई थी, जिसमें कई जरूरी एजेंडे पर मुहर लगाई गई थी. इसके बाद कोई बैठक नहीं हुई. अब लगभग डेढ़ महीने के बाद यह मीटिंग होने वाली है. आज की बैठक हो सकती है खास जानकारी के मुताबिक, नीतीश कैबिनेट की आज की बैठक आखिरी हो सकती है. साथ ही लंबे समय के बाद मीटिंग होने से आज भी कई अहम एजेंडे पर मुहर लग सकती है. इसी वजह से यह बैठक खास भी मानी जा रही है. इसमें बिहार के दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा के अलावा सभी मंत्री मौजूद रहेंगे. ऐसे में कौन-कौन से एजेंडे पर आज मुहर लगेगी, इसका इंतजार किया जा रहा है. 10 अप्रैल को राज्यसभा के सदस्य की शपथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 16 मार्च को राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए. अब 10 अप्रैल को राज्यसभा के सदस्य की शपथ लेंगे. इसके लिए वे 9 अप्रैल को दिल्ली जायेंगे. 10 अप्रैल को शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मुलाकात दिल्ली में एनडीए के कई आला नेताओं से होगी. इसमें ताजा राजनीतिक हालात पर चर्चा होने की संभावना है. 14 अप्रैल के बाद नई सरकार के गठन की चर्चा इसके साथ ही यह भी संभावना जताई जा रही है कि सीएम नीतीश कुमार 11 अप्रैल को पटना लौट आयेंगे. राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है कि बिहार में 14 अप्रैल के बाद नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है. इसके पहले एनडीए विधायक दल की बैठक भी हो सकती है. यह भी कहा जा रहा है कि 16 अप्रैल के बाद बिहार को नया मुख्यमंत्री मिल सकता है. लेकिन आधिकारिक रूप से इसकी घोषणा अब तक नहीं हुई है.

गैस संकट से महंगी हुई शादियां, कैटरिंग हुई 20% तक महंगी, मेन्यू हुआ छोटा

पटना (एजेंसी) : बिहार में शादियों का सीजन शुरू होते ही गैस सिलेंडर की कमी और बढ़ती कीमतों के कारण शादी-विवाह के आयोजन अब पहले से काफी महंगे हो गए हैं, इसका सीधा असर कैटरिंग, मेन्यू और पूरे आयोजन के खर्च पर दिख रहा है. लोग खर्च कम करने के लिए मेन्यू छोटा कर रहे हैं. बिहार में गैस सिलेंडर की भारी किल्लत के कारण कैटरिंग के दामों में 15 से 20 प्रतिशत तक का उछाल आया है. अब लोग शादी का कार्ड लेकर गैस एजेंसियों के चक्कर काट रहे हैं ताकि किसी तरह व्यावसायिक सिलेंडरों का जुगाड़ हो सके. बढ़ती लागत के कारण अब शादियों का मेन्यू छोटा हो रहा है और लाइव काउंटर बंद होने की कगार पर हैं. थाली की बढ़ी कीमत गैस की कमी और कच्चे माल की बढ़ती कीमतों ने प्रति प्लेट की दर 50 से 100 रुपये तक बढ़ा दी है. पहले जो शाकाहारी प्लेट 650 रुपये में मिल रही थी, अब उसकी कीमत 700 रुपये पार कर गई है. वहीं, मांसाहारी थाली 800 से बढ़कर 900 रुपये की हो गई है. पटना के पॉश इलाकों और बड़े होटलों में तो वेज थाली की दर 1000 से बढ़कर 1200 रुपये तक पहुंच गई है. इस खर्च को काबू करने के लिए अब लोग व्यंजनों की संख्या में कटौती कर रहे हैं. लाइव काउंटर और फंक्शन्स पर चली कैंची गैस की खपत कम करने और लागत बचाने के लिए शादियों से डोसा, चाट, जलेबी और पाव-भाजी जैसे लाइव काउंटर हटाए जा रहे हैं. इतना ही नहीं, लोग अब हल्दी, मेहंदी और संगीत जैसे प्री-वेडिंग कार्यक्रमों को या तो रद्द कर रहे हैं या उन्हें बेहद सादगी से मना रहे हैं. इन कार्यक्रमों में अब व्यंजनों की लंबी फेहरिस्त की जगह रेडिमेड नाश्ता परोसने की तैयारी है. शादी का कार्ड लेकर गैस एजेंसी पहुंच रहे लोग एलपीजी गैस वितरक संघ के अनुसार, बड़ी संख्या में लोग शादी का कार्ड और आवेदन लेकर व्यावसायिक सिलेंडर के लिए गुहार लगा रहे हैं. तेल कंपनियों की ओर से शादियों के लिए अलग से सिलेंडर आवंटित करने का कोई विशेष प्रावधान नहीं है. कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) का अनुमान है कि 15 अप्रैल से 11 जुलाई के बीच शादी के 28 मुहूर्त हैं, जिसमें केवल पटना जिले में ही डेढ़ लाख से ज्यादा सिलेंडरों की जरूरत होगी. यदि किल्लत बरकरार रही, तो शादियों का रंग और भी फीका पड़ सकता है.

पटना बनेगा फिशरीज हब, छपरा में खुलेगा राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड का रीजनल ऑफिस

पटना (एजेंसी) बिहार में मत्स्य पालन को नई रफ्तार देने के लिए राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड) का क्षेत्रीय कार्यालय पटना के नंदलाल छपरा में खोलने का फैसला किया है. इसके लिए 5.68 एकड़ जमीन का चयन कर लिया गया है और अप्रैल के अंतिम सप्ताह से यह काम भी शुरू कर देगा. इस पहल से बिहार के साथ-साथ पूरे पूर्वी भारत के मत्स्य पालकों को बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है. किाटने पड़ेंगे. राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड ने पटना के नंदलाल छपरा में अपना क्षेत्रीय कार्यालय खोलने का फैसला किया है. इसके लिए 5.68 एकड़ जमीन का चयन भी कर लिया गया है. यह केंद्र न केवल बिहार, बल्कि पूरे पूर्वी भारत के लिए ह्यनॉलेज और ट्रेनिंग हब के रूप में काम करेगा, जिससे बिहार की तकदीर और तस्वीर दोनों बदलने वाली है. अप्रैल के आखिरी हफ्ते से शुरू होगा कामकाज मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग और केंद्रीय मंत्रालय के बीच दिल्ली में हुई उच्चस्तरीय बैठक में यह तय हुआ है कि फिलहाल एनएफडीबी का अस्थायी कार्यालय पटना के मत्स्य विकास भवन में अप्रैल के अंतिम सप्ताह से ही काम करना शुरू कर देगा. विभाग के सचिव कपिल अशोक के अनुसार, इस सेंटर के खुलने से प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना और पीएम मत्स्य किसान समृद्धि योजना जैसी बड़ी स्कीमों की मॉनिटरिंग सीधे पटना से होगी. इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि सरकारी फंड और सब्सिडी का पैसा बिना किसी देरी के सीधे मछली पालकों के बैंक खातों तक पहुंच सकेगा. लैब से सीधे तालाब तक पहुंचेगी आधुनिक तकनीक बिहार में मछली की खपत और उत्पादन के बीच हमेशा से एक बड़ा अंतर रहा है, जिसे पाटने के लिए यह केंद्र टेक्नोलॉजी ट्रांसफरपर जोर देगा. अब बायोफ्लॉक जैसी अत्याधुनिक मछली पालन तकनीक को लैब से निकालकर सीधे गांवों के तालाबों तक पहुंचाया जाएगा.

'बिहार का स्वास्थ्य विभाग अमंगल दोष से ग्रसित', तेजस्वी यादव ने एक्स पर खोली पोल

पटना (एजेंसी) नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर स्वास्थ्य विभाग की पोल खोली. तेजस्वी यादव ने स्वास्थ्य विभाग को अमंगल दोष से ग्रसित बताया. इसके साथ ही अस्पतालों में मरीजों को हो रही परेशानियों को भी उजागर किया. बिहार के स्वास्थ्य विभाग की पोल नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने खोली. सोशल मीडिया अकाउंट एक्स के जरिए उन्होंने पोस्ट शेयर कर स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय पर तंज भी कसा. तेजस्वी यादव ने लिखा, अमंगल दोष से ग्रसित बिहार का स्वास्थ्य विभाग . आगे यह भी लिखा, बिहार के अस्पतालों में कहीं डॉक्टर नहीं, कहीं रूई नहीं-रूई है तो सुई नहीं, कहीं दवा नहीं, कहीं बेड नहींङ्क और अब हालत यह है कि अस्पताल में मरीज के लिए व्हील चेयर तक उपलब्ध नहीं है. मजबूरी में मरीज को कभी साईकिल, कभी चारपाई, तो स्कूटर पर बैठाकर ले जाना पड़ रहा है. यह भी लिखा, अमंगल सरकार में समूचे बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट हो चुकी है. भाजपा-जदयू की सरकार बताए, जब अस्पताल में डॉक्टर नहीं, व्हील चेयर नहीं, दवा नहीं, इलाज की व्यवस्था नहीं, स्वास्थ्य कर्मी नहीं तो इसे अस्पताल कहा ही क्यों जाए तेजस्वी ने कमीशन की कही बात एक्स पोस्ट में तेजस्वी यादव ने यह भी जिक्र किया कि ईंट-गारे का ढांचा खड़ा कर करने से और उसे मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल कहने से स्वास्थ्य सेवा, सुविधा और व्यवस्था सुदृढ़ नहीं होती है? ये बिल्डिंग इसलिए बनाते और बनवाये है कि इसमें मोटा कमीशन खाते है अन्यथा बिना चिकित्सकों, नर्सों, ड्रेसर, लैब टेक्निशियन इत्यादि की भर्ती के बिना अस्पतालों के इन भवनों में कबूतर ही रहेंगे. इस दौरान उन्होंने एनडीए सरकार पर जमकर हमला बोला. 17 महीने की गिनाई उपलब्धियां एक्स पोस्ट में तेजस्वी यादव ने एनडीए सरकार की खामियां गिनाने के साथ-साथ खुद के 17 महीने के कार्यकाल की उपलब्धियां भी गिनाई. तेजस्वी यादव ने लिखा, ह्यस्वास्थ्य मंत्री रहते हमने 17 महीनों में स्वास्थ्य विभाग में जो सकारात्मक कार्य किए थे उन सभी को इन भ्रष्ट लोगों ने दरकिनार कर फिर दलालों और माफियाओं के हवाले बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था को सौंप दिया.

मोकामा के नए गंगा पुल पर जून से दौड़ेंगी ट्रेनें, बिहार की कनेक्टिविटी को मिलेगा बूस्ट

पटना (एजेंसी) बिहार में मोकामा में गंगा नदी पर बने नए रेल पुल पर जून से ट्रेनों का संचालन शुरू होने जा रहा है. राजेंद्र सेतु के समानांतर बने इस आधुनिक पुल का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है और अब इसे पटना-झाझा मेन रेल लाइन से जोड़ने का अंतिम काम जारी है. इसके शुरू होने से उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच कनेक्टिविटी और मजबूत होगी. बिहार में उत्तर और दक्षिण को जोड़ने वाली लाइफलाइन यानी मोकामा के गंगा पुल बनकर तैयार है. दानापुर रेल मंडल के डीआरएम विनोद कुमार के अनुसार, पुल का मुख्य ढांचा पूरी तरह तैयार है और वर्तमान में इसे पटना-झाझा मेन रेल लाइन से जोड़ने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है. इस पुल के शुरू होते ही न केवल ट्रेनों की रफ्तार बढ़ेगी, बल्कि बरौनी और बेगूसराय की ओर जाने वाले यात्रियों का समय भी बचेगा. फिनिशिंग स्टेज में प्रोजेक्ट, जल्द होगा ट्रायल दानापुर रेल मंडल के डीआरएम विनोद कुमार के अनुसार, पुल पर सिग्नलिंग, द्युतीकरण और ट्रैक बिछाने का काम अंतिम चरण में है. अधिकारियों द्वारा लगातार निरीक्षण किया जा रहा है, ताकि जून तक इसे पूरी तरह चालू किया जा सके. राजेंद्र सेतु काफी पुराना हो चुका है, जिसके कारण इस पर ट्रेनों की गति धीमी रहती है. नया पुल अत्याधुनिक तकनीक से बनाया गया है, जो तेज रफ्तार और भारी ट्रेनों का भार आसानी से सह सकेगा. इससे ट्रेनों की स्पीड बढ़ेगी और सफर का समय कम होगा. फ्लाईओवर से नहीं रुकेगी ट्रेनें नए पुल की खासियत यह है कि इसके दोनों छोर पर रेल ओवर रेल फ्लाईओवर बनाए गए हैं. इससे मेन लाइन की ट्रेनें बिना रुके गुजर सकेंगी और उत्तर बिहार की ओर जाने वाली ट्रेनें सीधे फ्लाईओवर के जरिए पुल पर चढ़ेंगी. इससे जाम और देरी की समस्या खत्म होगी. यह पुल भविष्य में वंदे भारत और अमृत भारत जैसी तेज रफ्तार ट्रेनों के लिए भी पूरी तरह सक्षम होगा. इसके साथ ही पटना में पाटलिपुत्र कोच कॉम्पलेक्स का निर्माण भी जारी है, जहां अगले दो वर्षों में इन ट्रेनों की मेंटेनेंस की सुविधा उपलब्ध होगी. पटना जंक्शन का होगा विस्तार रेलवे की नजर भविष्य के ट्रैफिक दबाव पर है. पटना जंक्शन के विस्तार के लिए हार्डिंग पार्क की जमीन पर फेज-टू का काम शुरू हो चुका है, जहां मेमू ट्रेनों के लिए अलग प्लेटफॉर्म और लिफ्ट जैसी सुविधाएं होंगी. साथ ही, डीडीयू से झाझा के बीच 400 किमी लंबी तीसरी और चौथी रेल लाइन बिछाने की योजना को भी मंजूरी मिल गई है. बख्तियारपुर से किउल खंड के बीच अतिरिक्त लाइनें बिछने से ट्रेनों की लेटलतीफी बीते दौर की बात हो जाएगी और बिहार का रेल नेटवर्क देश के सबसे आधुनिक नेटवर्क में शुमार होगा.

बिहार में होंगी फैक्ट्रियां ही फैक्ट्रियां, 3 हजार करोड़ रुपए का होगा इंवेस्टमेंट

पटना (एजेंसी) बिहार में आने वाले दिनों में फैक्ट्रियां ही फैक्ट्रियां लगने वाली हैं. राज्य के 5 जिलों के लिए मेगा प्लान तैयार किया गया है. फैक्ट्रियों को लगाने के लिए लगभग 3 हजार करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा. इसके साथ ही लोगों को रोजगार भी मिल सकेगा. बिहार में उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार कई फैसले ले रही है. इसके साथ ही इंवेस्टर्स के लिए कई योजनाएं भी ला रही है. इसी का असर अब बिहार में कहीं ना कहीं दिखना शुरू होने वाला है. आने वाले दिनों में बिहार में नई-नई फैक्ट्रियां लगाई जा सकतीं हैं. इसके लिए लगभग 3 हजार करोड़ रुपए इंवेस्ट करने की प्लानिंग की गई है. इन 5 जिलों के लिए मेगा प्लान तैयार जानकारी के मुताबिक, बिहार के 5 जिलों पटना (बिहटा), गया, पूर्णिया, बेगूसराय और मुजफ्फरपुर में 15 नई फैक्ट्रियां लगाई जायेंगी. इन फैक्ट्रियों को लगाने के लिए करीब 64 एकड़ जमीन का इस्तेमाल किया जाएगा. खास बात यह है कि बियाडा की तरफ से जमीन आवंटित भी कर दिया गया है, जिससे अगले कुछ सालों में इन जिलों की तस्वीर ही बदल जाने की संभावना जताई जा रही है. कौन-कौन सी लगाई जाएगी फैक्ट्री? बताया जा रहा है कि पांच जिलों में फूड प्रोसेसिंग, रबर, कपड़े, प्लास्टिक, आईटी सेक्टर, रिन्यूएबल एनर्जी समेत कई इंडस्ट्रियल यूनिट लगाए जा सकते हैं. जिन कंपनियों की ओर से बिहार में इंवेस्ट किया जाएगा, उनमें एचआर फूड प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड, निरानी शुगर्स लिमिटेड और संजीवनी मीडिया एंड टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड है. इतने फैक्ट्रियों को लगाने का प्रस्ताव जानकारी के मुताबिक, बिहार में एक साल में लगभग 747 फैक्ट्रियां लगने का प्रस्ताव मिला है. इनमें से 317 फैक्ट्रियों के लिए 404 एकड़ जमीन आवंटित की गई है. बिहार में फैक्ट्रियों के लगने से राज्य सरकार का लक्ष्य पूरा हो सकेगा. बिहार सरकार ने राज्य में एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य तय किया था. बिहार में मिल सकेगा रोजगार ऐसे में बिहार में फैक्ट्रियों के लगने से लोगों के लिए रोजगार उपलब्ध हो सकता है. इसके साथ ही बिहार से पलायन पर भी कहीं ना कहीं रोक लग सकेगी. उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने जानकारी दी कि राज्य में टेक्सटाइल, लेदर, इलेक्ट्रॉनिक्स समेत कई अन्य कंपनियां लगाई जा रही है. बिहार एक औद्योगिक क्षेत्र के रूप में डेवलप हो रहा है.

बिहार में ASI का तोड़ा हाथ, फिर जमकर की धुनाई, वार्ड पार्षद और उनके साथियों ने बोला हमला

पटना (एजेंसी) बिहार में एक बार फिर पुलिस पर हमला किया गया. गयाजी जिले में एएसआई विक्रम पासवान की वार्ड पार्षद और उनके साथियों ने जमकर पिटाई की. फिलहाल, उनका इलाज जारी है. इसके साथ ही कुछ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की गई है. गयाजी शहर में गेवालबिगहा मोड़ के पास रामपुर थाने की पुलिस गश्ती टीम पर हमला किया गया. यह मामला मंगलवार की देर रात करीब दो बजे की है. यह हमला वार्ड पार्षद और उसके साथियों ने किया. इस दौरान हमलावरों ने पुलिस गश्ती टीम का नेतृत्व कर रहे एएसआई-जमादार विक्रम पासवान का हाथ तोड़ दिया और उनकी जमकर धुनाई कर दी. दो जवान और ड्राइवर के साथ धक्का-मुक्की इस दौरान हमलावरों ने जमादार के साथ तैनात दो जवान और पुलिस जीप के ड्राइवर के साथ धक्का-मुक्की की और मौके से भाग निकले. घटना की जानकारी मिलते ही रामपुर थानाध्यक्ष दिनेश बहादुर सिंह, सिविल लाइंस थानाध्यक्ष शमीम अहमद सहित डायल 112 की पुलिस टीम सहित अन्य थानों की पुलिस गश्ती गाड़ी वहां पहुंची. साथ ही हमलावरों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी शुरू कर दी. बुधवार की सुबह तक पुलिस टीम ने दो हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया. इस हमले से गंभीर से चोटिल हुए जमादार विक्रम पासवान को मगध मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया. डॉक्टर ने उसे बेहतर इलाज के लिए मेडिसीन विभाग के आईसीयू वार्ड में रखा है. इलाज के बाद उनकी हालत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है. घायल विक्रम पासवान ने दी घटना की जानकारी घायल विक्रम पासवान ने प्रभात खबर को बताया कि वह मंगलवार की रात 10 बजे रामपुर थाने से पुलिस गश्ती पर अपने जवानों के साथ निकले थे. वहां चंदौती मोड़, कटारी हिल, अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, एपी कॉलोनी, मिर्जा गालिब कॉलेज, जयप्रकाश झरना होते हुए गेवालबिगहा मोड़ के पास करीब दो बजे रात में पहुंचे तो देखा कि एक दुकान खुली है और वहां पर 10-15 लोग एकत्रित होकर शोर-गुल कर रहे हैं. विक्रम पासवान ने गाड़ी से उतरकर दुकानदार को समझाते हुए कहा कि रात के दो बज गए हैं. इतनी रात को दुकान क्यों खुला रखा है. मगध मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया. क्या कहना है रामुपर थानाध्यक्ष? रामपुर थानाध्यक्ष दिनेश बहादुर सिंह ने बताया कि पुलिस गश्ती टीम में शामिल जमादार विक्रम पासवान पर हमला करने वाले की पहचान कर ली गई है. हमलावरों में मुख्य आरोपी की पहचान सिविल लाइंस थाना इलाके के नादरागंज मोहल्ले के रहने वाले कलाम कुरैशी के रूप में किया गया है. इसके अलावा भी दुकानदार सहित 10 लोग शामिल थे. देर रात से लगातार बुधवार की सुबह तक हुई छापेमारी में दो हमलावरों को गिरफ्तार किया गया है. साथ ही वार्ड पार्षद कलाम कुरैशी अपने साथियों के साथ फरार है. उसकी गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है. घायल जमादार विक्रम पासवान के बयान पर वार्ड पार्षद कलाम कुरैशी सहित पांच लोगों के खिलाफ नामजद और 10-12 अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है.

पर्यटन

केरल राज्य कई नदियों और पर्वत-पहाड़ियों से घिरा हुआ एक अनोखा पर्यटक स्थल है। जहां प्रतिवर्ष लाखों देशी-विदेशी पर्यटक यहां का सौंदर्य निहारने के लिए आते है। खास तौर पर यहां का विशिष्ट वन्य जीवन और जल प्रपात मन को मंत्रमुग्ध कर देते है।

एक अनोखा पर्यटक स्थल केरल नेशनल पार्क

आइए जानते है केरल के महत्वपूर्ण नेशनल पार्क। जिनमें प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर मुख्य तौर इर्रावीकुलम नेशनल पार्क, पेरियार नेशनल पार्क, साइलेंट वैली नेशनल पार्क, वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी पार्क, इडुकी नेशनल पार्क आदि कई छोटे-बड़े नेशनल पार्क आते हैं। गौरतलब है कि विश्व भर में केरल वन्यजीवों की आरामगाह के रूप में भी प्रसिद्ध है।

इर्रावीकुलम

केरल और तमिलनाडु की सीमा पर स्थित इर्रावीकुलम नेशनल पार्क मुख्य रूप से नीलगाय तराह (हेमीट्रेगस हाइलो क्रिकस) के संरक्षण के लिए स्थापित किया गया पार्क है। ज्ञात हो कि नीलगाय तराह एक दुर्लभ पशु है, जो सिर्फ हिमालय के ठंडे इलाकों में पाया जाता है।

वर्ष 1978 में इस वन्यजीव पार्क को नेशनल पार्क का दर्जा प्राप्त हुआ। 97 वर्ग किलोमीटर में फैला पेड़-पौधों से भरपूर, घास के बड़े मैदान से युक्त इर्रावीकुलम पार्क के उत्तरी सिरे को, जो तमिलनाडु राज्य को छूता है, उसे अन्नामलाई के नाम से विश्व में पहचाना जाता है। यहां से अनामुड्डी हिमालय की 2695 मीटर की सबसे ऊंची दक्षिणी चोटी पूरी भव्यता के साथ इस अभयारण्य में दिखाई देती है। यहां नील गिरी लंगूर, लायन टेल्ड मेकाक, चीते, बाघ आदि कई दुर्लभ प्रकार के जीव-जंतु और वनस्पतियां भी पाई जाती है।

साइलेंट वैली

केरल के पश्चिमी छोर पर कुंडलई हिल्स पर साइलेंट वैली नेशनल पार्क स्थित है। मुख्य रूप से हाथी, बाघ और शेर, पूंछ वानर जैसे जीवों के साथ-साथ कई दुर्लभ किस्मों की औषधि और पेड़-पौधों के कारण यह पार्क प्रसिद्ध है। यहां का अनुकूल वातावरण और छोटी-बड़ी नदियां एवं पहाड़ इसे वन्यजीवों के लिए आरामगाह बनाते हैं।

पेरियार = केरल के पश्चिमी छोर पर पेरियार नेशनल पार्क स्थित है। यह मुख्य तौर पर बाघों के संरक्षण के लिए बनाया गया एक नेशनल पार्क है, जो दुनिया भर के नेशनल पार्क में अपना प्रमुख स्थान रखता है। इसे अंग्रेजों द्वारा सन् 1895 में अधिगृहीत किया गया था तथा अंग्रेजों ने उस वक्त यहां एक कृत्रिम झील और बांध का निर्माण भी किया था। पेरियार नेशनल पार्क 777 वर्ग किलोमीटर में फैला एक आरक्षित वन है। इसे प्रसिद्ध प्रोजेक्ट टाइगर के तहत वर्ष 1978 में प्रोजेक्ट टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। पेरियार नदी के नाम पर ही इसे पेरियार टाइगर रिजर्व भी कहा जाता है, जो पश्चिमी घाट की ऊंची श्रृंखला पर बसा सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। भारत का यह एकमात्र ऐसा अभयारण्य है, जहां हाथियों को केवल एक नाव की दूरी से देखा जा सकता है और उनकी तस्वीरें भी ली जा सकती हैं। यहां के वन्य जीवन और सुंदरता के कारण यह विश्व भर के पर्यटकों को आकर्षित करता है।

वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी

बाघ और तेंदुए के लिए वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी पार्क दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यह बांदीपुर नेशनल पार्क का ही हिस्सा है। इस अभयारण्य में हिरण, भालू, हाथी, बाघ-चीते, जंगली-सीएट बिल्ली, बंदर, जंगली कुत्ते, भैंसे ऐसे कई प्रकार के वन्य जीव-जंतु पाए जाते हैं। यहां पर अपार जैव विविधता है। यह अभयारण्य नील गिरी बायोस्फीयर रिजर्व का अविभाज्य भाग है, जिसे इस क्षेत्र की जैविक विरासत को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था।

यहां पर विशेष पाए जाने वाले सरीसृप हैं मॉनिटर छिपकली। साथ ही अनेक प्रकार के सांप यहां देखे जा सकते हैं। यहां पक्षियों में खास तौर पर मोर, उल्लू, कठफोड़वा, जंगली फाउल, बैबलर, कुक्कु आदि मुख्य हैं।

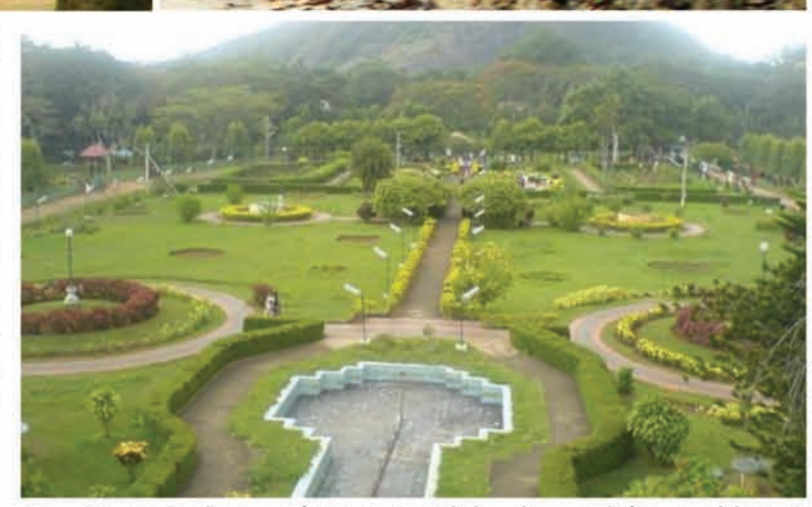

इडुकी

केरल के दक्षिण भारतीय राज्य में बसा यहां के सर्वोत्तम स्थानों में से एक है इडुकी नेशनल पार्क। जो वन्य जीवों के लिए मुख्य तौर पर माना जाता है। यहां बाघ, हाथी, भैंस, भालू, जंगली सुअर, सांभर तथा जंगली कुत्ते-बिल्लियां आदि बड़े-बड़े झुंडों में घूमते नजर आते हैं। इस पार्क में जंगली फाउल, काली बुलबुल, लाफिंग थ्रश, कठफोड़वा, मैना आदि कुछ महत?वपूर्ण पक्षी भी दिखाई पड़ते हैं। यहां पर सांपों की अनेक प्रजातियों में विशेष कोबरा, वाइपर, क्रेट और कई विषरहित साप भी यहां पाए जाते हैं। कुल मिलाकर यह कहना उचित होगा कि अगर आपने अभी तक केरल के नेशनल पार्क नहीं देखे हैं, तो एक बार जरूर जाइए। यहां के कई प्रजाति के वन्य जीवों को देखकर आप मंत्रमुग्ध हुए बिना नहीं रह पाएंगे।

जानिए प्राचीन शहर यरूशलम को

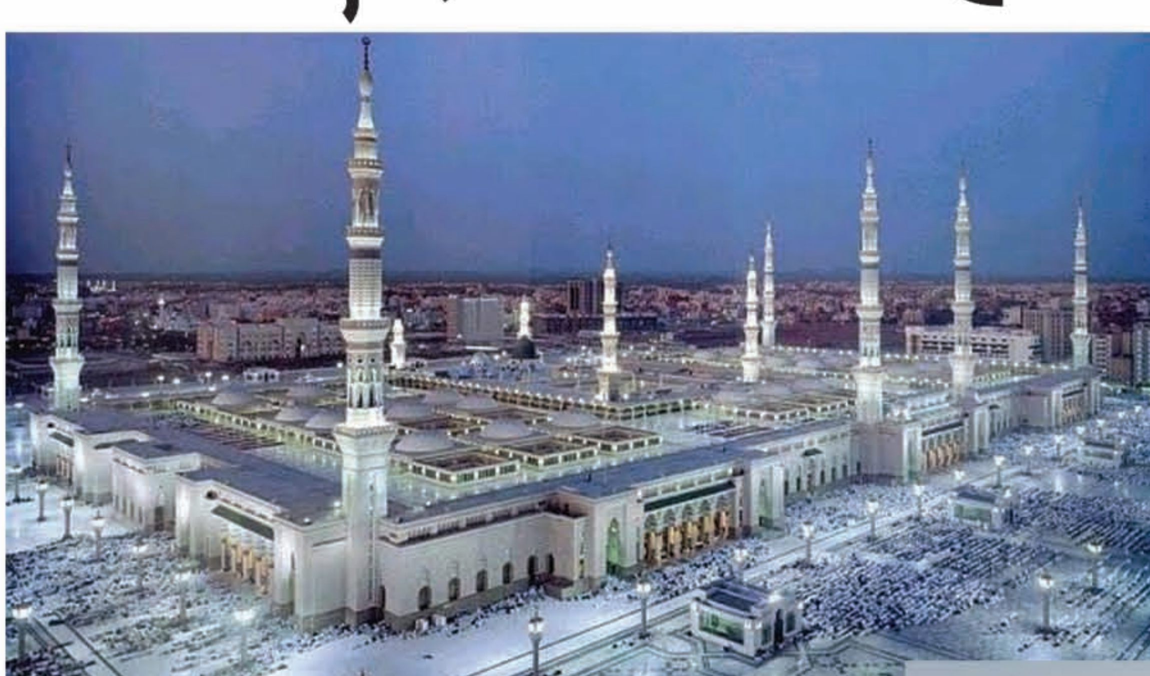

भूमध्य सागर और मृत सागर के बीच इसराइल की सीमा पर बसा यरूशलम एक शानदार शहर है। शहर की सीमा के पास दुनिया का सबसे ज्यादा नमक वाला डेड-सी यानी मृत सागर है। कहते हैं यहां के पानी में इतना नमक है कि इसमें किसी भी प्रकार का जीवन नहीं पनप सकता और इसके पानी में मौजूद नमक के कारण इसमें कोई डूबता भी नहीं है।मध्यपूर्व का यह प्राचीन नगर यहूदी, ईसाई और मुसलमान का संगम स्थल है। उक्त तीनों धर्म के लोगों के लिए इसका महत्व है, इसीलिए यहां पर सभी अपना कब्जा बनाए रखना चाहते हैं। जेहाद और क्रूसेड के दौर में सलाउद्दीन और रिचर्ड ने इस शहर पर कब्जे के लिए बहुत सारी लड़ाइयां लड़ी। ईसाई तीर्थयात्रियों की रक्षा के लिए इसी दौरान नाइट टेम्पलर्स का गठन भी किया गया था।इसराइल का एक हिस्सा है गाजा पट्टी और रामल्लाह। जहां फिलिस्तीनी मुस्लिम लोग रहते हैं और उन्होंने इसराइल से अलग होने के लिए विद्रोह छेड़ रखा है। यह लोग यरूशलम को इसराइल के कब्जे से मुक्त कराना चाहते हैं। अंततः इस शहर के बारे में जितना लिखा जाए कम है। काबा, काशी, मथुरा, अयोध्या, ग्रीस, बाली, श्रीनगर, जाफना, रोम, कंधहार आदि प्राचीन शहरों की तरह ही इस शहर का इतिहास भी बहुत महत्व रखता है।

प्राचीन और नया शहर

माउंट ऑफ ओलिब्स पर खड़े होकर आप सामने यरूशलम के प्राचीन शहर को देखते हैं, तो उसके मनोरम और भव्य दृश्य का नजारा देख आप मंत्रमुग्ध होकर सोचना बंद कर देते हैं। ओलिब्स पहाड़ी से सुंदर गुंबद और गुंबदों के पीछे दीवार नजर आती है। एक वर्ग किलोमीटर की पहाड़ी दीवारों से घिरा हजारों सालों का इतिहास लिए यह शहर दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी की आस्था का केंद्र हैं।

इतिहास और विवाद

हिब्रू में लिखी बाइबिल में इस शहर का नाम 700 बार आता है। यहूदी और ईसाई मानते हैं कि यही धरती का केंद्र है। राजा दाऊद और सुलेमान के बाद इस स्थान पर बेबीलोनियों तथा ईरानियों का कब्जा रहा फिर इस्लाम के उदय के बाद बहुत काल तक मुसलमानों ने यहां पर राज्य किया। इस दौरान यहूदियों को इस क्षेत्र से कई दफे खदेड़ दिया गया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद इसराइल फिर से यहूदी राष्ट्र बन गया तो यरूशलम को उसकी राजधानी बनाया गया और दुनिया भर के यहूदियों को पुनः यहां बसाया गया। यहूदी दुनिया में कहीं भी हों, यरूशलम की तरफ मुंह करके ही उपासना करते हैं।

ऐतिहासिक म्यूजियम व स्मारक

धार्मिक स्थलों के अलावा यहां प्राचीन एवं धार्मिक ग्रंथों का द इसराइल म्यूजियम है। इसराइल का होलोकॉस्ट म्यूजियम जिसे याद वशेम कहा जता है जिसका खासा महत्व है। यहां पर यरूशलम के इतिहास से संबंधित दस्तावेज और शहीदों के स्मारक व स्मृति चिह्नों आदि के बारे में जानकारी है। दोनों ही म्यूजियम का इतिहास बहुत पुराना है।

यरूशलम के जंगल

मुस्लिम इलाके में स्थित 35 एकड़ क्षेत्रफल में फैले नोबेल अभयारण्य में ही अल अक्सा मस्जिद, डोम ऑफ द रॉक, फव्वारे, बगीचे, गुंबद और प्राचीन इमारतें बनी हुई हैं। इसके अलावा छोटे से गॉर्डन ऑफ गेथेमिन की खूबसूरती भी देखने लायक है। इसके अलावा याद वशेम का इलाका भी यरूशलम के जंगल के नाम से प्रसिद्ध है।

पवित्र परिसर

किलेनुमा चाहरदीवारी से घिरे पवित्र परिसर में यहूदी प्रार्थना के लिए इकट्ठे होते हैं। इस परिसर की दीवार बहुत ही प्राचीन और भव्य है। यह पवित्र परिसर ओल्ड सिटी का हिस्सा है। पहाड़ी पर से इस परिसर की भव्यता देखते ही बनती है। इस परिसर के ऊपरी हिस्से में तीनों धर्मों के पवित्र स्थल हैं। उक्त पवित्र स्थल के बीच भी एक परिसर है। यरूशलम में लगभग 1204 सिनेगॉग, 158 गिरजें, 73 मस्जिदें, बहुत-सी प्राचीन कब्रें, 2 म्यूजियम और एक अभयारण्य है। इसके अलावा भी पुराने और नए शहर में देखने के लिए बहुत से दर्शनीय स्थल हैं। यरूशलम में जो भी धार्मिक स्थल हैं, वे सभी एक बहुत बड़ी-सी चौकोर दीवार के आसपास और पहाड़ पर स्थित है। दीवार के पास तीनों ही धर्म के स्थल हैं। यहां एक प्राचीन पर्वत है जिसका नाम जैतून है। इस पर्वत से यरूशलम का खूबसूरत नजारा देखा जा सकता है। इस पर्वत की ढलानों पर बहुत-सी प्राचीन कब्रें हैं। यरूशलम चारों तरफ से पर्वतों और घाटियों वाला इलाका नजर आता है।

केकेआर और सुपरजायंट के बीच आज होगा मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) टीम गुरुवार को यहां के ईडन गार्डन में होने वाले आईपीएल मुकाबले में लखपऊ सुपरजायंट्स का सामना करेगी। केकेआर का लक्ष्य इस मैच में घरेलू मैदान का लाभ उठाकर सत्र में पहली जीत करना रहेगा। इस सत्र में अब तक हुए तीनो ही मैचों में केकेआर हारी है। इससे वह काफी दबाव में है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी अब तक असफल रही है। अभी तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो टीमों के बीच 6 मैच हुए हैं जिसमें से 2 केकेआर जबकि 4 सुपर जायंट्स ने जीते हैं। इन दोनों ही टीमों के बीच आखिरी मुकाबला पिछ्ले आईपीएल सत्र में कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में ही खेला गया था जहां लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम ने 238 रनों का स्कोर करके केकेआर पर 4 रनों से जीत दर्ज की। ऐसे में इस मैच में भी सुपर जायंट्स का पलड़ा भारी नजर आता है। सुपर जायंट्स ने पिछ्ले मैच में जीत दर्ज की थी जिससे उसका मनोबल भी बढ़ा हुआ है। इसके अलावा कप्तान ऋषभ पंत के फार्म हासिल करने से भी टीम का होंसला बढ़ा हैं। वहीं केकेआर के कप्तान आजिंक्य रहाणे ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है पर टीम के अन्य खिलाड़ियों से उन्हें सहयोग नहीं मिला है। इस मैच में टॉस की भी अहम भूमिका रहेगी। इस मैदान पर टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना अधिक पसंद करती है। यहां टी20 में पहली पारी का औसत स्कोर लगभग 163 रन रहा है। केकेआर की टीम से फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी, ब्लेसिंग मुज़ारबानी अहम खिलाड़ी होंगे जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स टीम में मिचेल मार्श, एडेन मार्करम और मोहम्मद शमी पर सभी की नजरें रहेंगी।

टीम इस प्रकार है

केकेआर : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिन एलन, कैमरून ग्रीन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह, अनूकुल रॉय, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, ब्लेसिंग मुज़ारबानी, कार्तिक त्यागी। इम्पैक्ट प्लेयर- वरुण चक्रवर्ती।

लखनऊ सुपर जायंट्स : ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), एडेन मार्कराम, मिचेल मार्श, आयुष बडोनी, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, आवेश खान, दिग्वेश राठी, प्रिंस यादव, मोहम्मद शमी। इम्पैक्ट प्लेयर- मोहसिन खान/मणिमरण सिद्धार्थ।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप: आयुष शेट्टी ने ली शि फेंग को हराया

निंगबो (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने चीन के निंगबो में खेले जा रहे बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में बुधवार को दूसरे राउंड में जगह बनाने के लिए ली शि फेंग को सीधे गेम में हराकर शानदार जीत हासिल की।

आयुष ने निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में 51 मिनट तक चले मैच में चीनी खिलाड़ी को 21-13, 21-16 से हराया। 2023 ऑल इंग्लैंड ओपन के विजेता के साथ आयुष का यह करियर का पहला मुकाबला था। अब वह क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए दुनिया के नंबर 20 ताइपे के ची यू जेन से खेलेंगे। यह पहली बार नहीं है कि आयुष ने अपने से बेहतर रैंक वाले खिलाड़ी को हराया हो। पिछ्ले साल, उन्होंने यूएस ओपन के सेमी-फाइनल में चीनी ताइपे के दुनिया के नंबर 6 चाउ टिएन-चेन को हराया था और कनाडा के ब्रायन यांग को हराकर खिताब जीता था। इससे पहले, भारत की टॉप मिक्स्ड डबल्स जोड़ी, ध्रुव कपिला और तनीषा क्रैस्टो ने पहले दिन अपने कैंपेन की जीत से शुरुआत की। भारतीय जोड़ी ने थाईलैंड के फुवानत होरबानलुएकिट और बेन्यापा एम्साई को 21-14, 11-21, 21-15 से हराया।

दूसरे मिक्स्ड डबल्स नतीजों में, अशीथ सूर्या और अमृता प्रमुथेश मलेशिया के वोंग टिएन सी और लिम चियू सिएन से 21-16, 21-15 से हार गए, जबकि रोहन कपूर और गड्डे रुथविका शिवानी आठवीं सीड गोह सून हुआत और लाई शेवोन जेमी से 21-13, 21-19 से हार गए। इस बीच, टॉप इंडियन सिंगल्स प्लेयर्स, पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन, दिन में बाद में एक्शन में होंगे। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु अपने कैंपेन की शुरुआत मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ राउंड ऑफ 32 में करेंगी। तीन और इंडियन विमेंस एकल खिलाड़ी – उन्नति हुड्डा, मालविका बंसोड़, और तन्वी शर्मा भी मेन ड्रॉ में हैं और उनके बुधवार को अपने कैंपेन शुरू करने की उम्मीद है। पुरुषों के एकल में, थॉमस कप विनर एच.एस. प्रणय वियतनाम के गुयेन हाई डांग के खिलाफ शुरुआत करेंगे।

वैभव के अगले सत्र में मुम्बई इंडियंस में जाने की अटकलें

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के अगले सत्र में मुम्बई इंडियंस में जाने की अटकलें लगायी जा रही हैं। वैभव को पिछ्ले सत्र में राजस्थान रॉयल्स ने शामिल किया था और से ही उन्होंने आक्रामक शतक लगाकर अपनी अलग पहचान बनायी थी। इससे पहले रॉयल्स के ही संजू सैमसन भी इस सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स चले गये थे। वैभव ने आईपीए में गत दिवस 14 गेंदों पर ही 39 रन बनाकर एक बार फिर अपने को साबित किया था। इसके बाद से ही उनपर कई टीमों की नजरें लग गयी। जिस प्रकार उन्होंने जसप्रीत बुमराह के एक ही ओवर में दो छक्के लगा दिये उससे उनकी प्रतिभा का अंदाजा होता है। पूर्व चयनकर्ता परांजपे का कहना है कि वैभव जल्द ही मुंबई की ओर से खेल सकते हैं।

इससे साफ नजर आता है कि राजस्थान रॉयल्स अपने युवा उभरते सितारों को अपने साथ बरकरार नहीं रख पाती। जोस बटलर को रिलीज करने का उनका फैसला आज भी हैरान करता है। इसी प्रकार सैमसन को भी सीएसके ने लिया। ऐसे में अगर वैभव को भी मुंबई अपनी ओर खींच ले तो किसी को हैरान होने की जरुरत नहीं है। राजस्थान ने वैभव को 2025 के केवल सिर्फ 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा था। ये कीमत आज के वैभव को देखते हुए काफी कम है। वह आज अगर नीलामी में उतरते हैं तो उन्हें मोटी रकम मिल सकती है। ऐसे में अगले साल होने वाली नीलामी में मुंबई इंडियंस की नजरें उनपर रहेंगी। लंबे समय से ये माना जा रहा था कि यशस्वी मुंबई इंडियंस के निशाने पर रहेंगे। अब जब सूर्यवंशी 15 साल के हो गए हैं तो बीसीसीआई के नियमों के अनुसार वह सीनियर टीम के लिए खेलने के योग्य हैं। इससे भी उनकी मांग बढ़ जाएगी क्योंकि उन्होंने इंडिया ए और अंडर-19 टीम का प्रतिनिधित्व किया है। वहीं इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में जाकर शतक लगाये हें।

स्ट्राइक रेट को लेकर बहस में न पड़ें रहाणे: सहवाग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सलामी बल्लेबाज वींरेन्द्र सहवाग ने आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स की कप्तानी कर रहे आजिंक्य रहाणे का हौंसला बढ़ाते हुए कहा है कि वह स्ट्राइक रेट को लेकर जारी बहस में नहीं पड़ते हुए अपने प्रदर्शन पर ध्यान दें। आईपीएल में रहाणे अपने कम स्ट्राइक रेट के कारण आलोचकों के निशाने पर रहे हैं। इसी को देखते हुए सहवाग ने उन्हें अहम सलाह दी है। सहवाग ने कहा कि रहाणे को प्रशंसा पर न ज्यादा खुश होने की जरुरत है और न ही आलोचना पर निराश होने की। सहवाब ने कहा, मुझे नहीं लगता कि खिलाड़ियों को इस तरह की बातों पर अधिक ध्यान देना चाहिये क्योंकि लोग आपकी तारीफ भी करेंगे

और आलोचना भी पर आपको दोनो को ही समान रुप से लेना चाहिये। उन्होंने साथ ही कहा, अगर कोई स्ट्राइक रेट या बल्लेबाजी शैली पर सवाल उठाता है, तो उसमें परेशानी होने की जरुरत नहीं है।

आपको इसकी जगह पर अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए।सहवाग ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का जिक्र करते हुए कहा है कि उन्हें भी आलोचनाएं झेलनी पड़ी हैं पर उन्होंने कभी भी उनका जवाब नहीं दिया। सहवाग ने ये बात इसलिए कही क्योंकि हाल ही में रहाणे स्ट्राइक रेट को लेकर किये गये सवालों कपर भड़क गये थे। रहाणे ने कहा था कि उनक स्ट्राइक रेट अच्छा है और कुछ लोग जानबूझकर आलोचना में लगे हैं। सहवाग ने रहाणे के स्ट्राइक रेट का बचाव भी किया। उन्होंने कहा कि एक मैच में कुछ ज्यादा गेंद खेलने से स्ट्राइक रेट कम या ज्यादा हो सकता है पर ये खेल का हिस्सा है। विराट कोहली जैसे शीर्ष बल्लेबाज भी एक जैसा स्ट्राइक रेट नहीं रख पाते हैं। रहाणे ने इस सत्र में अबतक 150 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। पिछ्ले सत्र में उन्होंने 12 पारियों में 172.48 390 रन बनाए थे।

हरभजन सिंह ने खाटू श्याम मंदिर में दर्शन किये

सीकर। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने अपने परिवार के साथ खाटूश्यामजी मंदिर में दर्शन किये। हरभजन ने अपनी पत्नी गीता बसरा के साथ मंदिर में मत्था टेका। इस दौरान उन्होंने पूजा-अर्चना कर भगवान से आशीर्वाद प्राप्त किया। हरभजन सुबह ही मंदिर पहुंच गये थे। इस दौरान श्री श्याम मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत सत्कार किया। मंदिर परिसर में प्रवेश करने के बाद उन्होंने विशेष पूजा अर्चना की और स्वास्तिक बनाकर बाबा श्याम से देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। साथ ही उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम के उज्ज्वल भविष्य के लिए भी प्रार्थना की। इस दौरान मंदिर परिसर में भारी तादाद में श्रद्धालु एकत्र रहे। हरभजन पिछ्ले एक महीने में दूसरी बार खाटूश्यामजी पहुंचे हैं। इससे अंदाजा होता है कि यहां उनकी कितनी आस्था है। इससे पहले वह 9 मार्च को भारतीय टीम की टी-20 विश्व कप जीत के बाद भी भगवान के दर्शन कर धन्यवाद देने पहुंचे थे। उस समय उन्होंने जीत का श्रेय भगवान को देते हुए आभार जताया था। मंदिर कमेटी की ओर से हरभजन सिंह का विशेष सम्मान किया गया। कमेटी के मंत्री मानवेंद्र सिंह चौहान ने उन्हें बाबा श्याम का पवित्र मोरपंख, प्रसाद, दुपट्टा, निशान और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान हरभजन सिंह ने मंदिर की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि यहां श्रद्धालुओं के लिए किए गए इंतजाम काफी बेहतर। उन्होंने कमेटी के प्रयासों की भी प्रशंसा की। हरभजन करीब एक घंटे तक मंदिर में रुके और इस दौरान उन्होंने मंदिर कमेटी के कार्यालय में भी कुछ समय बिताया। उनके यहां देखकर श्रद्धालुओं में उत्साह छा गया। लोग उनके साथ फोटो और सेल्फी लेने के लिए उत्सुक नजर आए। सुरक्षा व्यवस्था के बीच उन्हें सुचारू रूप से दर्शन करवाए गए।

आईपीएल2026 : ऑरेंज कैप और पर्पल कैप पर राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ियों का कब्जा

गुवाहाटी। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में ऑरंज और पर्पल कैप पर राजस्थान रॉयल्स (RR) के खिलाड़यों को कब्जा जमा लिया हैं। राजस्थान रॉयल्स (RR) सलामी के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 11-ओवर के मैच में मात्र 32 गेंदों पर नाबाद 77 रन ठोक डाले। इस पारी के साथ टूर्नामेंट में तीन पारियों में उनके 170 रन हो गए हैं और अब उनके पास ऑरेंज कैप है। मुम्बई इंडियंस के खिलाफ जायसवाल की विस्फोटक पारी ने उन्हें समीर रिजवी के रनों से दस रन आगे पहुंचा दिया। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के

इस बल्लेबाज ने दो मैच जिताने वाली पारियों के साथ सीजन की शानदार शुरुआत की है और वह 160 रन पर हैं। उन्होंने हालिया मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 90 रन बनाए थे। अब तक छह अन्य बल्लेबाज भी 100 रन के पार पहुंच चुके हैं, जिनमें हाइनरिक क्लासन (सनराइजर्स हैदराबाद), वैभव सूर्यवंशी (RR) और रोहित शर्मा (MI) शामिल हैं। वहीं पर्पल कैप की बात की जाए त्रक्का ही एक खिलाड़ी रवि बिश्नोई आगे है। एमआई के खिलाफ दो ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लेने के बाद उनके कुल विकेट सात हो गए हैं। इससे पहले उन्होंने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ 41 रन देकर 4 विकेट लिए थे। अब चार अन्य गेंदबाज दूसरे स्थान पर बराबरी पर हैं, जिनके पांच-पांच विकेट हैं- विजयकुमार वैशाक (पंजाब किंग्स), अंशुल कंबोज (चेन्नई सुपर किंग्स), नांद्रे बर्गर (आरआर) और जैकब डफी (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु)।

रिंकू को ऊपरी क्रम पर भेजे केकेआर : गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने आईपीएल सत्र में लगातार हार से परेशान कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने को कहा है। गांगुली के अनुसार टीम को बल्लेबाजी में आ रही परेशानियों को कम करने के लिए उप-कप्तान रिंकू सिंह को ऊपरी क्रम पर भेजना चाहिए। केकेआर अब तक इस सत्र में अपने सभी तीनों ही मैच हारी है। इससे उनका केवल एक अंक ही है। वह भी उसे पंजाब किंग्स के खिलाफ बारिश की वजह मैच नहीं होने से मिला है। केकेआर को अब गुरुवार को सुपर जायंट्स से खेलना है। इसी को देखते हुए गांगुली ने कहा, रिंकू को बल्लेबाजी क्रम में काफी नीचे भेजा जा रहा है जबकि वह काफी अच्छे बल्लेबाज हैं। मेरा मानना है कि कप्तान आजिंक्य रहाणे कुछ बदलाव करते हुए रिंकू को ऊपरी क्रम पर बल्लेबाजी के लिए भेजें। रिंकू ने आईपीएल के 2023 सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की थी। तब वह पांच छक्के लगातकर रातो-रात स्टार बन गये थे। रिंकू ने आईपीएल के 2024 में भी केकेआर की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं इस बाहर केकेआर की पारी रहाणे और फिन एलन कर रहे हैं। वहीं कैमरन ग्रीन को तीसरे नंबर पर भेजा जा रहा है पर वह असफल रहे हैं। । अंगकृष रघुवंशी का नंबर उनके बाद आत है। वहीं रिंकू को नंबर 5 पर उतारा जा रहा है। रिंकू ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 21 गेंदों पर नाबाद 33 रन बनाए और उसके बाद ईडन गार्डन्स में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 25 गेंदों पर 35 रन बनाए थे।

अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम

-13 से 17 अप्रैल के बीच चार मैच खेलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम चार मैचों की सीरीज खेलने के लिए अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी। भारतीय टीम इस दौरे में मेजबान टीम के खिलाफ 13 से 17 अप्रैल के बीच ब्यूनस आयर्स में मैच खेलेगी। ये सभी मुकाबले नेशनल सेंटर ऑफ हाई परफॉर्मेंस एथलेटिक्स सेंटर (सीएएनएआरडी) में खेले जाएंगे। भारतीय टीम को इस दौरे से आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी का अवसर मिलेगा। भारतीय महिला टीम अर्जेंटीना के खिलाफ 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को मैच खेलेगी। इस दौरे में टीम को अर्जेंटीना

जैसी मजूबत टीम से खेलने और अपनी कमजोरियों को दूर करने का अवसर मिलेगा। दोनो ही टीमों के बची हाल में रोमांचक मुकाबले हुए हैं।

पिछ्ले साल एफआईएच प्रो लीग में दोनों टीमों के बीच मैच 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ था। इस दौरे से आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी का अवसर मिलेगा। विश्व कप अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होगा। वहीं एशियाई खेल सितंबर-अक्टूबर में जापान के आइची-नागोया में खेले जाएंगे। इस दौरे से टीम को सही संयोजन का पता लगाने का भी अवसर मिलेगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच ने कहा, हम 24 खिलाड़ियों के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं। यह फैसला सोच-समझकर लिया गया है जिससे ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को आजमाने का अवसर मिल सके। कोच ने टीम चयन को लेकर स्पष्ट किया, इस टीम में जगह बनाने के लिए आपको पहले यह साबित करना होगा कि आप एक 'टीम प्लेयर' हैं। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत प्रदर्शन जरूरी है, लेकिन टीम के साथ तालमेल और सहयोग के बिना जगह बनाना मुश्किल है।

सिनर और अल्काराज ने क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत जीत के साथ की

मोनाको। जानिक सिनर और कार्लोस अल्काराज ने दुनिया के नंबर एक स्थान के लिए अपनी होड़ जारी रखी, क्योंकि उन्होंने मोंटे कार्लो मास्टर्स में दूसरे दौर में शानदार जीत के साथ अपने क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत की। बिना कोई सेट गंवाए 'सनशाइन डबल' पूरा करने के बाद, सिनर को फ्रांसीसी खिलाड़ी ह्यूगो हम्बर्ट को 6-3, 6-0 से हराने में सिर्फ 64 मिनट लगे - उन्होंने दूसरे सेट में सिर्फ छह पॉइंट गंवाए। यह इस इतालवी दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी की लगातार 18वीं मास्टर्स 1000 जीत थी, जिसने अब इस स्तर पर लगातार 36 सेट जीते हैं। अगर सिनर मोनाको में जीत हासिल करते हैं, तो सोमवार को रैंकिंग अपडेट होने पर वह अल्काराज की जगह दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन जाएंगे। मौजूदा चैंपियन अल्काराज ने मंगलवार को बाद में, क्ले पर छह बार के एटीपी टूर चैंपियन, अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बेज के खिलाफ 70 मिनट में 6-1, 6-3 से जीत के साथ अपने क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत की। यह क्ले पर इस स्पेनिश खिलाड़ी का पहला मैच था, जब पिछ्ले साल के रोमांचक फ्रेंच ओपन फाइनल में उन्होंने सिनर को हराया था; उस मैच में वह दो सेट पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने तीन चैंपियनशिप पॉइंट बचाते हुए अपना दूसरा रौलां गैरो खिताब जीता था। अल्काराज, जिनका क्ले पर 22-1 का रिकॉर्ड है और जिन्होंने 2025 में इस सतह पर तीन खिताब जीते हैं, नवंबर से नंबर एक स्थान पर काबिज़ हैं। अल्काराज ने कहा, 'मैं दुनिया का नंबर एक स्थान गंवाने वाला हूं। मुझे नहीं पता कि यह इसी टूर्नामेंट में होगा या अगले टूर्नामेंट में।' जैसे-जैसे सीजन यूरोपियन क्ले-कोर्ट स्विंग की ओर बढ़ रहा है, दोनों खिलाड़ियों के बीच अंकों का अंतर घटकर 1,190 रह गया है। मई की शुरुआत में होने वाले इटैलियन ओपन तक सिनर के पास बचाव के लिए कोई रैंकिंग अंक नहीं हैं, क्योंकि पिछ्ले साल इसी समय वह दो डोपिंग टेस्ट में फेल होने के कारण तीन महीने का निलंबन झेल रहे थे। अगर उन्हें सात बार के मेजर विजेता के साथ रैंकिंग में अपनी जगह बदलनी है, तो उन्हें कम से कम सेमीफ़ाइनल तक पहुंचना होगा और फिर मोंटे कार्लो में अल्काराज के प्रदर्शन से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। अगले राउंड में सिनर का मुकाबला अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो से होगा, जबकि अल्काराज़ या तो अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एचेवेरी या फ्रांस के टेरेंस एटमैन के साथ खेलेंगे।

आरसीबी में आने से मेरे प्रदर्शन में आया बदलाव : पड़िकल

बेंगलुरु (एजेंसी)। बल्लेबाज देवदत्त पड़िकल ने आईपीएल के इस सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। पड़िकल ने अपनी बल्लेबाजी में आये इस बदलाव का श्रेय टीम को दिया है। इस बल्लेबाज ने कहा कि आरसीबी में वापसी उनके लिए निर्णायक रही है। इससे उनकी बल्लेबाजी और मानसिकता दोनो ही बदली है। इसी कारण उनका प्रदर्शन भी सुधरा है जिसे आंकड़ों में भी देखा जा सकता है। 2025 सीजन में इस बल्लेबाज ने आरसीबी के लिए 10 मैचों में 150.61 के स्ट्राइक रेट से 247 रन बनाए थे। वहीं 2026 में उन्होंने केवल दो मैचों में 111 रन बनाये। इससे उनका स्ट्राइक रेट 201.82 का रहा। पडिक्कल ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी के लिए हुई नीलामी ने अंतिर पैदा किया। तब मुझे ये फैसला करना पड़ा कि मैं किस तरह का क्रिकेटर बनना चाहता हूं। उन्होंने साथ ही कहा, इस टीम में वापसी ने मुझे अपने तरह से क्रिकेट खेलने का अवसर मिला। इसके बाद से ही मैंने ये सोच लिया कि मुझे अपनी कमजोरियों को दूर करना है फिर चाहे परिणाम कुछ भी हो। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने अपने खेल को सुधारने के लिए लगातार मेहनत की और उसी का परिणाम है कि अब वह अच्छी बल्लेबाजी कर पा रहे है।वहीं इस बल्लेबाज ने कहा कि लखनऊ सुपरजायंट्स से खेलने के दौरान वह परेशानी में थे। उन्होंने कहा, वह समय मेरे लिए काफी मुश्किल था और मैं समझ नहीं पा रहा था कि क्या गलत हो रहा है। उन्होंने कहा, जब फ्रेंचाइजी आप पर पैसा खर्च करती है और आप अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते, तो लगता है कि आप उन्हें निराश कर रहे हैं। स क्रिकेटर ने कहा, उस खराब सत्र ने मुझे और बेहतर बनने के लिए प्रेरित किया। साथ ही कहा कि विफल होने से ही उन्हें कड़ी मेहनत की प्रेरणा मिली। इससे उनका मनोबल भी बढ़ा है।

सूर्यवंशी ने बुमराह को भी सोचने पर मजबूर कर दिया :डेल स्टेन

गुवाहाटी (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स (RR) के सलामी बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी के खिलाफ सही गेंदबाजी योजना बनाना बेहद ही मुश्किल है। यहां तक कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए भी यह एक टेढ़ी खीर है। IPL 2026 में अपना लगातार दूसरा मैच गंवाने के बाद मुंबई इंडियंस (MI) के कोच माहेला जयवर्धने ने त्रक्र से मैच हारने के बाद कहा, 'हां, मुझे लगता है हमारे पास कुछ योजनाएं थी, लेकिन सच कहूं तो हम उन्हें उस तरीके से लागू नहीं कर पाए जैसा हम चाहते थे।'

मैच के बाद प्रेस कॉफ्रेंस में जयवर्धने ने कहा, 'हमें इस खतरे का अंदाजा था, खासकर जब बारिश के कारण मैच 11-11 ओवर का हो गया और शुरुआत में हमें खुलकर खेलने की छूट मिली। हमें सुनिश्चित करना था कि पहले चार-पांच ओवर हमारे लिए अहम हों। मुझे लगा कि हमने उनकी शुरुआत के बाद अच्छी वापसी की। लेकिन हां, हमने अपनी लाइन-लेंथ मिस की और उन्होंने बहुत अच्छा खेला।'

पहले बल्लेबाजी करने उतरी RR ने दीपक चाहर के पहले ओवर से 22 रन बनाए और पांच ओवर में उनकी टीम 80/1 तक पहुंच गई। जयवर्धने ने यह सही कहा कि MI ने वापसी की। छठे से दसवें ओवर के बीच सिर्फ 52 रन बने और आखिरी ओवर में 18 रन। लेकिन शुरुआत में हुआ नुकसान MI के लिए भारी साबित हुआ। हालांकि RR की बल्लेबाजी में जायसवाल स्टार रहे, जिन्होंने 32 गेंदों पर नाबाद 77 रन बनाए। लेकिन उतना ही असर सूर्यवंशी की पारी का भी रहा। उन्होंने 14 गेंदों पर 39 रन बनाए।

डेल स्टेन ने कहा कि गेंदबाज, यहां तक कि बुमराह जैसे बेहतरीन खिलाड़ी भी, सूर्यवंशी के खिलाफ थोड़ा मानसिक दबाव में आ सकते हैं। स्टेन ने ईएसपीएन क्रिकइंफो के टाइम आउट शो में कहा, 'सच कहूं तो उन्होंने गेंदबाजों में थोड़ा डर पैदा कर दिया है कि वह आपके पीछे बाउंड्री के लिए ही जाएगा। खासकर बुमराह की सूर्यवंशी को डाली गई पहली गेंद, जो मिड-ऑन के ऊपर गई। बुमराह की वह गेंद स्लॉट में थी। बुमराह के खिलाफ ऐसा करना बहुत दुर्लभ है। महान बुमराह भी मन में सोच रहे होंगे कि 'गलती मत करना; क्योंकि अगर गलती हुई, तो यह खिलाड़ी मुझे छक्का मारेगा।' सूर्यवंशी फिलहाल वही कर रहे हैं। दरअसल आपको बहुत बड़ी गलती करने की भी जरूरत नहीं है। वह आपको छोटी गलतियों पर भी सजा दे सकते हैं। स्टेन ने गेंदबाजों की मानसिकता पर कहा, 'आप देख सकते हैं, जब वैभव ने छक्का मारा, तो वह (बुमराह) थोड़ा हंसे और जैसे कहा, 'मुझे पता था अगर मैं गलती करूंगा तो ऐसा ही होगा। और वही हुआ। यह लड़का डरता नहीं है। अगर आप हाफ-वॉली डालते हैं, तो वह आपको मैदान के बाहर मार देगा। इसलिए अपनी लेंथ पीछे खींचो और अच्छी लेंथ डालो, तब शायद आप उस पर नियंत्रण पा सकते हैं। लेकिन अगर आप चूक गए, तो गेंद दूर जाएगी। फर्क नहीं पड़ता कि आप कौन हैं, बुमराह या कोई आम गेंदबाज। यह बेहतरीन बल्लेबाजी है।'

कोच पामेला ने घोषित की अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम, रुस के खिलाफ खेलेगी तीन दोस्ताना मुकाबले

नई दिल्ली। भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कोच पामेला कोनटी ने कहा है कि रुस के खिलाफ सोची में होने वाले अंडर-17 फुटबॉल मुकाबलों के लिए उभरते हुए खिलाड़ियों को अवसर दिया गया है। भारतीय टीम 11 से 17 अप्रैल के बीच होने वाले इस दौर में रूस के खिलाफ तीन दोस्ताना मैच खेलेगी। इस दौरो के लिए 23 सदस्यीय टीम घोषित की गयी है। इस दौरे से भारतीय टीम को एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारी का भी अवसर मिलेगा। इस दौरे से खिलाड़ियों को अपनी रणनीति और तैयारियों को आंकने का अवसर मिलेगा। रूस जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से टीम अपने कमजोरियों को दूर कर सकेगी। भारत और रूस के बीच ये तीनों मैच 11, 14 और 17 अप्रैल को सोची के मात्सेस्टा फुटबॉल सेंटर में होंगे। भारतीय टीम ने इन मुकाबलों के लिए सोची में अभ्यास भी शुरु कर दिया है। इस सीरीज से युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल होगा। इस टूर्नामेंट से भारतीय टीम को इस साल चीन में होने वाले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारी को अवसर मिलेगा। इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम को ग्रुप बी में रखा गया है। इसमें उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से 2 मई, जापान से 5 मई और लेबनान से 8 मई को होगा। ये सभी मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे खेले जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने बदला नियम, अब बड़े मामलों की सुनवाई केवल सीजेआई ही करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने तत्काल सुनवाई की प्रक्रिया को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है। नए नियम के तहत अब अत्यंत आवश्यक मामले, जिनमें नियमित सूचीबद्ध होने की प्रक्रिया का इंतजार नहीं किया जा सकता, उनका उल्लेख केवल मुख्य न्यायाधीश के समक्ष ही किया जा सकेगा। यह नियम तब भी प्रभावी रहेगा जब मुख्य न्यायाधीश किसी संविधान पीठ की अध्यक्षता करने में व्यस्त हों। न्यायालय के इस कदम का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया में स्पष्टता लाना और तत्काल सुनवाई के मामलों के लिए एक केंद्रीय व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

छह अप्रैल को जारी आधिकारिक परिपत्र में स्पष्ट किया गया है कि अत्यंत आवश्यक मामलों का उल्लेख अब केवल अदालत संख्या-1 (मुख्य न्यायाधीश की अदालत) के समक्ष ही करने की अनुमति है। परिपत्र में जोर देकर कहा गया है कि भले ही प्रधान न्यायाधीश किसी भी विशेष पीठ या संविधान पीठ का हिस्सा हों, वकीलों को ऐसे मामलों के लिए किसी अन्य पीठ के सामने जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह निर्देश 29 नवंबर, 2025 के पिछले परिपत्र के संदर्भ में जारी किया गया है, ताकि सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया में होने वाले किसी भी भ्रम को दूर किया जा सके। बता दें कि इस प्रशासनिक बदलाव के बीच, मुख्य न्यायाधीश ने हाल ही में न्यायिक बुनियादी ढांचे की मजबूती पर भी अपने विचार साझा किए थे। तेलंगाना उच्च न्यायालय के एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा था कि देश भर में न्यायिक परिसरों का विस्तार हो रहा है और सभी राज्य सरकारें अब यह स्वीकार कर रही हैं कि न्यायिक ढांचे को मजबूत करना केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि अत्यंत आवश्यक कार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संविधान निर्माताओं का न्याय तक पहुंच के सिद्धांत में अटूट विश्वास था, और प्रत्येक राज्य के लिए उच्च न्यायालय की स्थापना इसी संवैधानिक दायित्व का हिस्सा है। मुख्य न्यायाधीश के अनुसार, यह केवल कानूनी आवश्यकता नहीं, बल्कि भारतीय गणतंत्र की एक गंभीर प्रतिबद्धता है।

पुरानी व्यवस्था में बदलाव

इससे पहले की व्यवस्था के अनुसार, यदि मुख्य न्यायाधीश उपलब्ध नहीं होते थे या किसी संविधान पीठ की सुनवाई में व्यस्त रहते थे, तो अत्यावश्यक मामलों के उल्लेख के लिए उच्चतम न्यायालय के सबसे वरिष्ठ जज (सीनियर मोस्ट जज) के पास जाने का प्रावधान था। वकीलों को तत्काल राहत पाने के लिए वरिष्ठ जजों की पीठ के सामने अपनी अर्जी रखने की अनुमति थी। हालांकि, नए सर्कुलर ने अब इस प्रक्रिया को पूरी तरह मुख्य न्यायाधीश की पीठ तक ही सीमित कर दिया है।

पश्चिम बंगाल में फिर बनेगी ममता सरकार, अखिलेश यादव का दावा

भाजपा पर साधा निशाना, निर्वाचन आयोग और महिला आरक्षण के मुद्दे पर भी उठाए सवाल

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल की राजनीति को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में एक बार फिर ममता बनर्जी के नेतृत्व में सरकार बनेगी और भाजपा को जनता करारा जवाब देगी। पत्रकारों से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी चाहे कितनी भी कोशिश, बेईमानी या साजिश कर ले, पश्चिम बंगाल की जनता उसे सत्ता में नहीं आने देगी। उन्होंने विश्वास जताया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में जनता का समर्थन बना हुआ है और यही चुनाव परिणामों में भी दिखाई देगा। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार और चुनाव प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का नाम लिए बिना निशाना साधते हुए यादव ने कहा कि निर्वाचन आयोग अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन नहीं कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग का ध्यान मतदाताओं को जोड़ने के बजाय उन्हें हटाने पर केंद्रित दिखाई देता है, जो लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है। सांसद अखिलेश यादव ने संसद में प्रस्तावित महिला आरक्षण के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि देश की आबादी में लगातार वृद्धि हो रही है, ऐसे में वर्तमान जनसंख्या के आधार पर आरक्षण तय किया जाना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भी सरकार की आलोचना की। उनका कहना था कि चुनाव के बाद इन समस्याओं में और बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे आम जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

शाहजहांपुर में मकान तोड़ने की कार्रवाई के दौरान बाप-बेटे समेत तीन ने लगा ली फांसी

शाहजहांपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले से प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान आत्मघाती कदम उठाने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जलालाबाद थाना क्षेत्र के मगटोरा गांव के मजरेता में मंगलवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब प्रशासन की टीम एक मकान को चकरोड में बताते हुए उसे ध्वस्त करने के लिए जेसीबी लेकर पहुंची। टीम को देखते ही मकान स्वामी और उसके परिजनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि बाप-बेटे समेत परिवार के तीन सदस्यों ने घर के समीप एक पेड़ पर फंदा डालकर फांसी लगा ली। मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए फौरन दो लोगों को नीचे उतारकर बचा लिया, लेकिन तीसरे व्यक्ति की हालत बिगड़ गई। उसे आनन-फानन में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए देर शाम सिटी मजिस्ट्रेट ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ित का हाल जाना और मामले की जानकारी ली। बताया जा रहा है कि करीब एक साल पहले भी प्रशासन इस मकान को तोड़ने की कोशिश कर चुका था।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

इसी बीच, प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले से भी एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। कटरी क्षेत्र के कुआं खेड़ा वजीर आलम गांव में 35 वर्षीय महिला चांदनी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर लटका मिला। ससुराल पक्ष का दावा है कि वह लंबे समय से बीमारी से परेशान थी और इसी तनाव में उसने जान दे दी। घटना के समय मौजूद मृतका की छोटी बहन नीलम ने उसे बचाने का भरसक प्रयास किया। इस घटना से गांव में कोहराम मच गया और मायके पक्ष ने कई गंभीर आरोप लगाए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रदेश के इन दो अलग-अलग जिलों में हुई घटनाओं ने प्रशासनिक संवेदनशीलता और पारिवारिक तनाव के मुद्दों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस दोनों ही मामलों की गहनता से जांच कर रही है।

अजित पवार के विमान हादसे को लेकर भ्रामक वीडियो बनाने वाला आरोपी गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जालना जिले के युवक उद्धव भगवान काप्से को सोशल मीडिया पर भ्रामक और आपत्तिजनक वीडियो बनाने और वायरल करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस वीडियो में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की छवि धूमिल करने और पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार से जुड़े विमान हादसे को लेकर गलत जानकारी फैलाने का आरोप है। पश्चिमी क्षेत्रीय पुलिस विभाग की साइबर सेल ने आरोपी की पहचान कर कानूनी कार्रवाई के लिए मुंबई लाया गया। बांद्रा की अदालत ने काप्से को 10 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। मुंबई साइबर पुलिस के अनुसार, काप्से द्वारा अपलोड किए गए वीडियो को हटाने से पहले करीब 1.5 लाख बार देखा जा चुका था। जांच में सामने आया कि वीडियो में मुख्यमंत्री फडणवीस को निशाना बनाकर भ्रामक और आपत्तिजनक सामग्री थी और विमान हादसे से संबंधित तथ्य भी गलत तरीके से प्रस्तुत किए गए थे। वरिष्ठ अधिकारियों ने वायरल वीडियो का गंभीर संज्ञान लेकर साइबर सेल को केस दर्ज करने का निर्देश दिया। सोशल मीडिया से वीडियो हटवाकर एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ फर्जी वीडियो वायरल करने और सार्वजनिक हस्तियों को बदनाम करने की एफआईआर दर्ज की गई थी। तकनीकी विश्लेषण से वीडियो का स्रोत जालना जिले के बुट्टेगांव गांव से पाया गया। पुलिस की टीम ने काप्से को हिरासत में लिया। पूछताछ में काप्से ने स्वीकार किया कि उसने उपलब्ध फुटेज को संकलित कर एआई टूल्स की मदद से वीडियो बनाकर साझा किया। काप्से बुट्टेगांव का निवासी है, कक्षा 10 तक पढ़ा है और अपने माता-पिता के साथ रहता है।

पंचकूला में हेरोइन तस्कर गिरफ्तार, 3.4 किलो हेरोइन और 15 लाख बरामद

पंचकूला (एजेंसी)। पंचकूला पुलिस क्राइम ब्रांच-26 ने एक बड़े हेरोइन तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से करीब 3 किलो 400 ग्राम हेरोइन और 15 लाख रुपए नकद बरामद हुए हैं। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है और जल्द ही पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की संभावना जताई है। डीसीपी क्राइम अमरिंदर सिंह ने बताया कि आरोपी लवजोत को सेक्टर-20 के कुंडी गांव से गिरफ्तार किया गया। आरोपी पंजाब के जलालाबाद का रहने वाला है और वर्तमान में चंडीगढ़ में किराए के मकान में रहकर ट्राईसिटी क्षेत्र में नशे का जाल फैला रहा था। पुलिस ने बताया कि लवजोत के पास से 3 किलो 400 ग्राम हेरोइन और 15 लाख रुपए नकद बरामद हुए हैं। हेरोइन की अनुमानित कीमत लगभग 6 करोड़ रुपए आंकी गई है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर 4 दिन का पुलिस रिमांड लिया गया है। जांच के दौरान सामने आया कि लवजोत का नेटवर्क पहले से पकड़े गए दो अन्य आरोपियों से जुड़ा था। 3 अप्रैल को रायपुररानी के टाबर गांव से साहिल को 310 ग्राम चिट्टे के साथ पकड़ा गया था। इसके बाद साहिल के बयान पर 5 अप्रैल को सतनाम सिंह को गिरफ्तार किया गया। सतनाम ने लवजोत को अपना मुख्य सप्लायर बताया। डीसीपी ने बताया कि हेरोइन का स्रोत पाकिस्तान है और सप्लाई चैन की पहचान कर ली गई है। आरोपी नेटवर्क के अन्य हैंडलर्स की भी जल्द गिरफ्तारी की संभावना है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सिरसा के बाद यह पंचकूला में पकड़ी गई सबसे बड़ी हेरोइन खेप है। पुलिस लगातार इस मामले की गहन जांच कर रही है और अन्य जुड़े लोगों के नामों का खुलासा होने की संभावना है। रिमांड के दौरान लवजोत से और पूछताछ की जाएगी ताकि पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ किया जा सके।

रामपुर में बूंदाबांदी और ठंड से किसान चिंतित, बिजली आपूर्ति प्रभावित

रामपुर(एजेंसी)। शहर में मंगलवार शाम से मौसम ने रुख बदला और तेज आंधी के बाद बुधवार सुबह बूंदाबांदी शुरू हो गई। किसानों में कटाई के दौरान गेहूं की फसल को नुकसान होने की चिंता बढ़ गई है। तेज हवा और बारिश के कारण शहर की बिजली आपूर्ति मंगलवार से बाधित रही। सिविल लाइंस, पहाड़ी गेट, नवाब गेट सहित कई क्षेत्रों में आधा घंटा तक आपूर्ति प्रभावित रही। अधिशासी अभियंता अनुराग सिंह ने बताया कि आपूर्ति अब सभी क्षेत्रों में सुचारू रूप से चल रही है। किसानों के लिए मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा कि कटे हुए गेहूं को खुले में न छोड़ें और खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें ताकि फसल को बारिश से नुकसान न पहुंचे। बूंदाबांदी के चलते न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया और ठंड का अहसास हुआ।

आप का बड़ा फैसला: उमरेठ विधानसभा उपचुनाव नहीं लड़ेगी पार्टी

-इसुदान गढ़वी बोले— कांग्रेस और बीजेपी में हो सीधा मुकाबला

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात की राजनीति में एक अहम मोड़ लेते हुए आम आदमी पार्टी (आप) ने उमरेठ विधानसभा उपचुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने इस निर्णय की घोषणा करते हुए कहा, पार्टी अब पूरी तरह से आगामी स्थानीय निकाय चुनावों पर ध्यान केंद्रित करेगी।

गढ़वी ने मंगलवार को अपने एक बयान में स्पष्ट किया कि आप इस उपचुनाव में हिस्सा नहीं लेगी और चाहती है कि मुकाबला सीधे कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच हो। उन्होंने कांग्रेस को खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि वह खुद को मजबूत विपक्ष मानती है, तो उसे भाजपा को हराकर दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हम उमरेठ उपचुनाव नहीं लड़ेंगे। हमारा फोकस केवल स्थानीय निकाय चुनावों पर है। हम चाहते हैं कि भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला हो, क्योंकि कांग्रेस अक्सर हमें भाजपा की 'बी-टीम' कहती है। अब उनके पास मौका है कि वे सीधे भाजपा का सामना करें।'

आप के इस फैसले को राजनीतिक रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि पार्टी फिलहाल जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने और स्थानीय निकाय चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही है। गुजरात में पिछले कुछ वर्षों में आप ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है, लेकिन विधानसभा और उपचुनावों में उसे अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई है। ऐसे में पार्टी का यह कदम संकेत देता है कि वह अपनी ऊर्जा और संसाधनों को अधिक प्रभावी चुनावी क्षेत्रों में लगाना चाहती है।

राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा- हम अभी नहीं देखेंगे...

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में एक महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने फिलहाल इस मामले में केंद्र सरकार की ओर से पेश किए गए गोपनीय रिकॉर्ड की जांच करने से इनकार कर दिया है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए यह सुनवाई खुली अदालत के बजाय जज के चेंबर में आयोजित की गई, क्योंकि केंद्र सरकार ने इसे एक बेहद संवेदनशील मुद्दा बताया था।

इससे पहले की सुनवाइयों में हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण मांगा था कि राहुल गांधी की कथित ब्रिटिश नागरिकता से संबंधित शिकायतों पर अब तक क्या प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। इसके बाद अदालत ने स्वयं गृह मंत्रालय से संबंधित सभी मूल रिकॉर्ड तलब किए थे। हालांकि, मंगलवार को जारी आदेश के अनुसार, बेंच ने इन दस्तावेजों का परीक्षण करने से फिलहाल परहेज किया। हाईकोर्ट की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, केंद्र सरकार के अधिकारी रिकॉर्ड के साथ अदालत में उपस्थित थे, लेकिन बेंच ने स्पष्ट किया कि वह इस स्तर पर राहुल गांधी के खिलाफ लगाए गए आरोपों की सत्यता की जांच करने का प्रस्ताव नहीं करती है, इसलिए रिकॉर्ड को नहीं देखा गया।

यह पूरी कानूनी प्रक्रिया भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर द्वारा दायर एक याचिका पर आधारित है। याचिकाकर्ता ने लखनऊ की विशेष एमपी-एमएलए अदालत के 28 जनवरी 2026 के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया गया था। निचली अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि किसी नागरिक की नागरिकता तय करने का वैधानिक अधिकार उसके कार्यक्षेत्र में नहीं आता है। याचिकाकर्ता ने अपनी अर्जी में राहुल गांधी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर विस्तृत जांच की मांग की है। हाईकोर्ट में हुई इस सुनवाई के बाद अब मामले की अगली तारीख 15 अप्रैल तय की गई है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि इस मामले में गहन जांच की आवश्यकता है, जबकि निचली अदालत ने तकनीकी आधार पर इसे खारिज कर दिया था। अब 15 अप्रैल को होने वाली सुनवाई पर सबकी निगाहें टिकी हैं, क्योंकि कोर्ट इस बात पर विचार करेगा कि क्या इस मामले में हस्तक्षेप की कोई कानूनी गुंजाइश है या नहीं। फिलहाल, राहुल गांधी के लिए राहत की बात यह है कि उच्च न्यायालय ने केंद्र के रिकॉर्ड पर कोई प्रतिकूल टिप्पणी या तत्काल जांच शुरू नहीं की है।

सीएम नीतिश ने 4954 एएनएम को नियुक्ति पत्र बांटा

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को 4954 एएनएम (ऑक्सिलरी नर्स मिडवाइफ) को नियुक्ति पत्र बांटा है। इस दौरान दोनों उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे भी मौजूद रहे। यह कदम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उपकेंद्रों पर नर्सिंग स्टाफ की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण बताया गया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, ये नियुक्तियां लंबे समय से लंबित प्रक्रिया का हिस्सा थीं, जिन्हें अब अंतिम रूप दिया जा रहा है। बिहार सरकार का उद्देश्य राज्य के हर क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना है। एएनएम स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ मानी जाती हैं, जो टीकाकरण, प्रसव सेवाओं और प्राथमिक चिकित्सा में अहम रोल निभाती हैं। इतनी बड़ी संख्या में एएनएम की नियुक्ति को स्वास्थ्य क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सुधार के तौर पर देखा जा रहा है। इस पहल से बिहार सरकार न केवल रोजगार सृजित कर रही है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी बनाने की दिशा में भी मजबूत कदम उठा रही है।

वित्त वर्ष 2025-26 में यात्री यातायात और राजस्व क्षेत्र में दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे का शानदार प्रदर्शन

मालीगांव (एजेंसी)। वित्त वर्ष 2025-26 में दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) के यात्री यातायात और राजस्व में जबरदस्त बढ़ोतरी पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के लिए गर्व का विषय है। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त डीएचआर, भारत के ऐतिहासिक पहाड़ी रेलवे में एक अनोखा स्थान रखता है। यह प्रतिष्ठित हेरिटेज ट्रेन अपनी मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध विरासत और यात्रा के अनोखे अनुभव से दुनिया भर के पर्यटकों और रेल प्रेमियों को निरंतर आकर्षित कर रहा है। हाल ही में यात्रियों के लिए शुरू किए गए कई पहल, बेहतर सेवाओं और पर्यटन पर केंद्रित प्रयासों ने इसकी लोकप्रियता को काफी बढ़ाया है, जिससे यह सबसे पसंदीदा और लोकप्रिय हेरिटेज रेल यात्राओं में से एक के रूप में अपनी उपस्थिति को काफी मजबूती से पेश कर रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में, यात्रियों की संख्या बढ़कर 2.15 लाख हो गई, जबकि आय बढ़कर 25 करोड़ रुपये से अधिक हुई है। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष की तुलना में यात्रियों की आवाजाही में लगभग 17.72% और आय में लगभग 14.71% की वृद्धि को दशार्ता है। यह प्रतिष्ठित हेरिटेज ट्रेन की बढ़ती लोकप्रियता और लगातार बनी हुई मांग को उजागर करता है, साथ ही दार्जिलिंग क्षेत्र में स्थानीय रोजगार और पर्यटन-आधारित आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। यह शानदार बढ़ोतरी एनएफआर द्वारा अपनाए गए एक बहु-आयामी दृष्टिकोण के जरिए हासिल की गई है, जिसका मुख्य जोर दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे के ऐतिहासिक आकर्षण को बनाए रखते हुए यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने पर है। इसमें शामिल मुख्य पहलों में विशेष पर्यटन अनुभव, जरूरत के हिसाब से तैयार की गई सेवाएँ, हितधारकों के साथ मजबूत जुड़ाव और बुनियादी ढाँचे व यात्रियों की सुविधाओं में निरंतर सुधार शामिल हैं। डीएचआर में यात्रियों की बढ़ती संख्या, दार्जिलिंग की पहाड़ियों में आजीविका को सहयोग और पर्यटन को बढ़ावा देकर स्थानीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

सौराष्ट्र के अमरेली में लगातार भूकंपीय झटकों से दहशत, 5 घंटे में 8 बार हिली धरती

सावरकुंडला-खांभा क्षेत्र में लगातार हल्के भूकंप के झटके; 3.58 तीव्रता का सबसे बड़ा झटका दर्ज

अमरेली (एजेंसी)। सौराष्ट्र के अमरेली जिले में मंगलवार देर रात से बुधवार सुबह तक धरती के अंदर हो रही असामान्य हलचलों ने लोगों में चिंता और कौतूहल दोनों बढ़ा दिए हैं। जिले के सावरकुंडला और खांभा पंथक में भूकंप के झटकों का सिलसिला लगातार जारी है। सबसे अधिक असर मीतियाला और उसके आसपास के गांवों में देखा गया, जहां रात से सुबह 9 बजे तक महज 5 घंटे के भीतर 8 बार हल्के झटके महसूस किए गए। भाड, नानूड़ी, धजड़ी, साकरपारा, वांकिया, खांभा और इंगोराला जैसे कई गांवों में धरती हिलने से लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए।

गांधीनगर स्थित सिस्मोलॉजी विभाग ने इन सभी झटकों की पुष्टि की है, जिसके बाद प्रशासन भी अलर्ट मोड में आ गया है। झटकों की शुरुआत सुबह 4÷15 बजे 1.8 तीव्रता के साथ हुई, जिसके ठीक एक मिनट बाद 4:16 बजे 2.3 तीव्रता का झटका महसूस हुआ। इसके बाद 4:24 बजे 1.0 और 4:57 बजे 1.4 तीव्रता के झटके दर्ज किए गए। सुबह 7:00 बजे फिर 2.2 तीव्रता का झटका आया, जबकि 7:15 बजे दिन का सबसे तेज झटका 3.58 तीव्रता का दर्ज किया गया। इस दौरान घरों की वस्तुएं तक हिलने लगीं, जिससे लोगों में डर का माहौल और गहरा गया। इसके बाद भी 7:51 और 8:57 बजे 1.5-1.5 तीव्रता के झटके महसूस होते रहे।

सिस्मोलॉजी विभाग के अनुसार, भूकंप का केंद्र अमरेली से करीब 43 किलोमीटर दूर स्थित था। लगातार आ रहे झटकों के कारण क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के बीच यह चर्चा भी तेज है कि कहीं यह किसी बड़े भूकंप का संकेत तो नहीं। फिलहाल प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से अफवाहों से दूर रहने तथा सतर्क रहने की अपील की गई है।

गुजरातियों पर टिप्पणी को लेकर घिरे मल्लिकार्जुन खड़गे ने मांगी माफी, सियासत में फिर उबाल

भाजपा ने उठाए देरी पर सवाल, राहुल गांधी के इशारे पर बयान देने का लगाया आरोप

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरातियों को लेकर की गई टिप्पणी पर मचे विवाद के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आखिरकार माफी मांग ली है। उनके इस बयान के बाद गुजरात की राजनीति में काफी गर्माहट देखने को मिली थी। खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सफाई देते हुए कहा कि केरल में दिए गए उनके चुनावी भाषण की कुछ टिप्पणियों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। इसके बावजूद उन्होंने जिम्मेदारी लेते हुए खेद जताया। उन्होंने लिखा कि गुजरात के लोगों के प्रति उनके मन में हमेशा सर्वोच्च सम्मान रहा है और आगे भी रहेगा। उनका कभी भी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था।

हालांकि, भाजपा ने इस माफी को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। पार्टी के प्रवक्ता अनिल पटेल ने कहा कि माफी का स्वागत है, लेकिन यह सवाल बना हुआ है कि इसे देने में इतनी देर क्यों हुई। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, ÷देर आए दुरुस्त आए।÷ अनिल पटेल ने आरोप लगाया कि खड़गे कांग्रेस के 'युवराज' यानी राहुल गांधी के इशारे पर बयान देते हैं। हालांकि, उन्होंने खड़गे को एक सम्मानित व्यक्ति भी बताया। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस बार-बार गुजरातियों का अपमान करती है और जब विरोध बढ़ता है, तब माफी मांगती है। प्रवक्ता ने खड़गे के पुराने 'सांप' वाले विवादित बयान का जिक्र करते हुए उस पर भी माफी मांगने की मांग की। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि यदि खड़गे का इरादा अपमान करने का नहीं था, तो उन्होंने तुरंत माफी क्यों नहीं मांगी? क्या विवाद बढ़ने का इंतजार किया गया?

गुजरात के लोग अपनी अस्मिता और सम्मान के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में जब किसी पूरे समुदाय को लेकर बयान दिए जाते हैं, तो उसका असर राष्ट्रीय राजनीति तक देखने को मिलता है। खड़गे की यह माफी भले देर से आई हो, लेकिन फिलहाल इसने राजनीतिक विवाद को शांत करने की कोशिश जरूर की है। अब देखना होगा कि आने वाले चुनावों में यह मुद्दा किस तरह से उभरता है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**